दिनमान | तापमान
सूर्योदय 4.51 | सूर्यास्त 6.20 | अधिकतम 37° | न्यूनतम 29°

वर्ष 18, अंक 351 पृष्ठ 12
कोलकाता, सोमवार, 8 जून 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, अष्टमी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

ममता बनर्जी को सता रहा है सांसदों के टूटने का डर?

इंडी ब्लाक की बैठक से एक दिन पहले ही पहुंचीं दिल्ली

रद्द की केएमसी के तृणमूल पार्षदों के साथ बैठक

नई दिल्ली: तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी रविवार को दिल्ली रवाना हो गईं. उनका यह दौरा विपक्षी इंडिया ब्लॉक की बैठक से एक दिन पहले हो रहा है. इस बीच पार्टी के सांसदों के बीच संभावित टूट की अटकलें भी तेज हो गई हैं. वहीं, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री के साथ राज्यसभा सांसद डोला सेन और वरिष्ठ लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी भी दिल्ली गए हैं. टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी शनिवार को ही राष्ट्रीय राजधानी पहुंच गए थे. पार्टी नेतृत्व ऐसे संकेतों से जूझ रहा है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में विधायी दल पर नियंत्रण गंवाने के बाद अब यह बगावत संसदीय दल तक भी फैल सकती है.

ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पहले रविवार को एक साथ दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक एक दिन पहले ही रवाना हो गए. सूत्रों के अनुसार, इंडिया गठबंधन की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले टीएमसी का शीर्ष नेतृत्व पार्टी के भीतर के हालातों का आंतरिक तौर पर आकलन करेगा. दरअसल, ऐसी खबरें हैं कि असंतुष्ट नेता और सांसद संसद में भी वैसी ही स्थिति पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, जैसी हाल में विधानसभा में देखने को मिली थी.

पार्टी की स्थापना के बाद से ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़े झटकों में से एक तब लगा, जब पिछले सप्ताह टीएमसी के 80 में से 58 विधायक पार्टी के आधिकारिक विधायी दल से अलग हो गए.

घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों का दावा है कि लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिशें भी जारी हैं. ममता बनर्जी के दिल्ली प्रवास के दौरान पार्टी को एकजुट रखने के लिए कई दौर की बैठकों की संभावना है.

बसीरहाट के सांसद हाजी नुरुल इस्लाम के निधन के बाद लोकसभा में

टीएमसी के सदस्यों की संख्या 28 रह गई है. दल-बदल विरोधी कानून के तहत किसी अलग समूह को मान्यता पाने के लिए संसदीय दल के कम से कम दो-तिहाई सांसदों का समर्थन आवश्यक होगा. मौजूदा संख्या के हिसाब से लोकसभा में यह आंकड़ा 19 सांसदों का बनता है. टीएमसी के राज्यसभा में 13 सांसद हैं.

बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को कोलकाता नगर निगम (केएमसी) में अपनी पार्टी के पार्षदों के साथ होने वाली अहम बैठक रद्द कर दी. उन पार्षदों को मीटिंग रद्द होने की सूचना पहले ही भेज दी गई है, जिन्हें रविवार को कोलकाता के पूर्वी बाहरी इलाके में पार्टी के राज्य मुख्यालय, तृणमूल भवन में मौजूद रहने के लिए कहा गया था. हालांकि, पार्षदों ने मीटिंग रद्द होने की कोई वजह नहीं बताई है. केएमसी पार्षदों के साथ रविवार की मीटिंग को अहम माना जा रहा था, क्योंकि पश्चिम बंगाल के पूर्व म्युनिसिपल अफेयर्स और अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्टर और केएमसी के पूर्व मेयर फिरहाद हकीम ने इस्तीफा दे दिया है. उनके इस्तीफे के बाद, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई राज्य सरकार ने शनिवार शाम केएमसी अधिकारियों को एक नोटिस भेजा. इसमें उनसे यह बताने को कहा गया है कि मेयर के इस्तीफे के बाद केएमसी में तृणमूल कांग्रेस के कंट्रोल वाले बोर्ड को क्यों भंग नहीं किया जाना चाहिए.

अभिषेक बनर्जी के पद पर भी खतरा?

तृणमूल के बागी बोले–कोलकाता व दिल्ली की दूरी बहुत नहीं

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस में बगावत हो गई है. 58 विधायकों ने अपना नया बंगाल का नेता विपक्ष ऋतब्रत बनर्जी को चुन लिया है. अब टीएमसी के सांसदों के भी टूट का डर सताने लगा है. कहा जा रहा है कि इससे अभिषेक बनर्जी के टीएमसी संसदीय दल के नेता के पद पर भी खतरा मंडराने लगा है. इस पर ऋतब्रत बनर्जी ने जवाब दिया है कि कोलकाता और दिल्ली की दूरी बहुत नहीं है.जब पूछा गया कि क्या टीएमसी संसदीय दल के नेता के तौर पर अभिषेक की स्थिति को कोई खतरा है, तो पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता और टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने एएनआई से कहा, मं तो दिल्ली में भी नहीं हूं, मैं कोलकाता में हूं. चूंकि मैं सांसद नहीं हूं, इसलिए संसदीय दल के कामकाज के बारे में क्या कह सकता हूं? हालांकि, दिल्ली और कोलकाता के बीच की दूरी बहुत ज्यादा नहीं है.

पार्टी छोड़ने वाले संभावित सांसदों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है. मैंने कल 4-5 सांसदों को फोन करने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से, मैं उनमें से किसी से भी संपर्क नहीं कर पाया. उनके फोन या तो बंद थे या कवरेज क्षेत्र से बाहर थे. हां, आज मैंने कुछ सांसदों से बात जरूर की, लेकिन उनके अपने फोन पर नहीं. मेरा एक करीबी साथी दिल्ली में था और कुछ सांसदों से उसकी मुलाकात हुई. उसने फोन मुझे दिया, तो मैंने उनसे उस तरह बात की. इसलिए, मुझे असल में कोई साफ अंदाजा नहीं है. इस बीच, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रही सियासी उठापटक के बीच बीरभूम के पांच विधायकों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पूरे राज्य में तृणमूल के कई बड़े नेताओं की सुरक्षा में कटौती की जा रही है. सूत्रों के अनुसार, बीरभूम के विधायक चंद्रनाथ सिन्हा, राजेंद्र प्रसाद सिंह, मोर्शरफ हुसैन, बिधान माझी और काजल शेख की सुरक्षा पिछले कुछ दिनों में मजबूत की गई है, क्योंकि ये पांचों विधायक तृणमूल कांग्रेस के उन 58 विधायकों में शामिल हैं, जिन्होंने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के निर्देश के खिलाफ जाकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए ऋतब्रत बनर्जी का समर्थन किया था.

जमीन विवाद और कटमनी के आरोप में गिरफ्तार टीएमसी पार्षद देख फूटा गुस्सा

महिलाओं ने फेंके अंडे, 'चोर-चोर' के लगे नारे

कोलकाता: काँथी के बाद अब कोलकाता के पाटुली इलाके में भी 'अंडा' की गूंज देखने को मिली है. सरकारी योजनाओं में वित्तीय अनियमितता और जमीन विवाद के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कोलकाता नगर निगम के 101 नंबर वार्ड के कद्दावर तृणमूल पार्षद बाप्पादित्य दासगुप्ता को स्थानीय जनता, विशेषकर महिलाओं के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा. रविवार को जब पुलिस उन्हें कोर्ट में पेश करने के लिए पाटुली थाने से बाहर निकाल रही थी, तभी उग्र भीड़ ने उन्हें घेरकर विरोध प्रदर्शन किया और उन पर अंधाधुंध अंडे फेंके.

पार्टी के भीतर और इलाके में बेहद प्रभावशाली माने जाने वाले पार्षद बाप्पादित्य दासगुप्ता को पुलिस ने कानूनी शिकायतों के आधार पर हिरासत में लिया था. रविवार को दोपहर के समय जैसे ही पाटुली थाने की पुलिस उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत ले जाने के लिए गाड़ी की तरफ बढ़ी, बाहर का माहौल पूरी तरह से गरमा गया. पार्षद को देखते ही वहां मौजूद स्थानीय महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी. चोर-चोर और भ्रष्टाचारी वापस जाओ के नारों से पूरा थाना परिसर गूंज उठा.

पुलिस की सुरक्षा घेरे को भेदते हुए प्रदर्शनकारी महिलाओं ने अपने पास छिपाकर रखे अंडे निकालकर सीधे बाप्पादित्य दासगुप्ता पर फेंकने शुरू कर दिए. कई अंडे सीधे पार्षद और उन्हें ले जा रहे सुरक्षाकर्मियों की गाड़ियों और वर्दी पर जा लगे.अचानक हुए इस 'अंडा हमले' और भारी हंगामे के कारण पाटुली थाना परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई. हालांकि, मौके पर मौजूद अतिरिक्त पुलिस बल ने तुरंत स्थिति को संभाला और प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेला. पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी पार्षद को सुरक्षित पुलिस वाहन में बैठाया और तुरंत अलीपुर अदालत के लिए रवाना हो गई. स्थानीय सूत्रों और पुलिस से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बाप्पादित्य दासगुप्ता के खिलाफ इलाके में कथित रूप से जमीन के अवैध कब्जों को बढ़ावा देने, प्रमोटिंग के कारोबार में दखलअंदाजी करने और विभिन्न सरकारी योजनाओं में आम जनता से 'कटमनी' (अवैध कमीशन) वसूलने के गंभीर आरोप हैं.

पॉक्सो मामले में जोड़ासांको क्षेत्र से पार्षद मो. जसीमुद्दीन गिरफ्तार

कोलकाता: कोलकाता नगर निगम के एक और जोड़ासांको के वार्ड संख्या 39 के पार्षद मोहम्मद जसीमुद्दीन को रविवार सुबह पुलिस ने उनके घर से गिरफ्तार किया गया. मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह से ही पुलिस और केंद्रीय बल उनके घर के बाहर मौजूद थे. आरोप है कि जसीमुद्दीन ने दरवाजा नहीं खोला. लगभग छह घंटे इंतजार करने के बाद पुलिस ने बाहर से ताला खोलकर घर में प्रवेश किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है. उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया, वहीं भाजपा समर्थक भी हाथों में अंडे लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए. पुलिस ने जसीमुद्दीन के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, तीन वर्ष पहले इलाके की एक नाबालिग लड़की से कथित छेड़छाड़ के मामले में जसीमुद्दीन के करीबी लोगों का नाम सामने आया था. अब वह लड़की कॉलेज की छात्रा है. आरोप है कि शनिवार को उसे फिर से परेशान किया गया और पुराना मामला वापस लेने के लिए धमकी दी गई. इसके बाद युवती के परिजनों ने थाने में नई शिकायत दर्ज कराई.

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रू.महंगा

3 महीने में दाम 89 रूपये बढ़े

नयी दिल्ली: देश में महंगाई ने आम आदमी का दम घोंट दिया है. जरूरत का सामान दिन ॅर दिन महंगा हो रहा है. दूध, पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के बाद अब देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं. समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि गैस कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर के दाम में 29 रुपए का इजाफा कर दिया है. जिसके बाद अब घरेलू सिलेंडर की कीमत 942 रुपए हो गई है. दिल्ली-एनसीआर में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम अब 942 रुपए हो गए हैं. वहीं 5 किलो वाले सिलेंडर का रेट 339 रुपए है. इसके अलावा 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 3 हजार 113 रुपए 50 पैसे पर कायम है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद भारत में एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई लागत (कॉस्ट टू सप्लाई) 1,600 रुपए से ऊपर पहुंच गई है. इसका मतलब है कि सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू सिलेंडर पर करीब 700 रुपए की अंडर-रिकवरी (नुकसान) हो रही है.इस अंडर-रिकवरी के अंतर को पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां झेल रही हैं, जिसकी आंशिक भरपाई सरकार द्वारा की जाती है. पिछले वित्त वर्ष के अंत तक घरेलू एलपीजी पर कुल अंडर-रिकवरी बढ़कर 60,000 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो इससे पिछले साल 41,338 करोड़ रुपए थी. केंद्रीय कैबिनेट ने इसके लिए कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपए के मुआवजे को मंजूरी दी है.

होटल और बिजनेस में इस्तेमाल होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें हर महीने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर खुद-ब-खुद बदलती हैं. पश्चिम एशिया संकट के दौरान 5 बार दाम बढ़ने के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 रुपए (करीब 164 रुपए प्रति किलोग्राम) पर बिक रहा है. इसकी तुलना में घरेलू उपभोक्ता केवल 66 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से भुगतान कर रहे हैं.

तीस्ता में गिरी कार, 4 मरे

नई दिल्ली: सिक्किम और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर हुआ एक दर्दनाक हादसा 7 जून को भारी मातम में बदल गया. गंगटोक से सिलीगुड़ी जा रहे एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव तीस्ता नदी में डूबी एक टाटा नेक्सॉन कार से बरामद कर लिए गए हैं. मृतकों की पहचान स्मारिका न्यौपाने (28), सैब्या न्यौपाने (27), जीका दहल (27) और पांच वर्षीय मासूम दित्या छेत्री के रूप में हुई है. यह परिवार पूर्वी सिक्किम के काबी लुंगचोक (लिंगडोक) का रहने वाला था और 5 जून को अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदारों से मिलने सिलीगुड़ी जा रहा था. 5 जून की शाम रम्बी इलाके के पास परिवार से आखिरी बार संपर्क हुआ था, जिसके बाद वे लापता हो गए. 6 जून को शिकायत दर्ज होने के बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पश्चिम बंगाल पुलिस और स्थानीय बचाव दलों ने दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा और समाजसेवी विक्रम राय के सहयोग से बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया. बाघपुल के पास भूस्खलन प्रभावित हिस्से से कार की बैटरी और बंपर मिलने के बाद खोजबीन का दायरा तीस्ता नदी की ओर बढ़ाया गया.शनिवार शाम को भारी बारिश और तेज बहाव के बीच डूबी हुई कार का पता चला. रात के अंधेरे और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा, लेकिन रविवार सुबह तड़के दोबारा अभियान शुरू कर कार के भीतर से चारों शवों को सुरक्षित बाहर निकाला गया. इस हादसे का मुख्य कारण भारी बारिश, भूस्खलन और एनएच-10 की जर्जर स्थिति को माना जा रहा है.

बीरभूम के बाहुबली अनुब्रत मंडल पर कसा शिकंजा

2021 के चुनावी दंगे और 30 लाख की ईंट लूट मामले में एफआईआर दर्ज

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज और बाहुबली नेताओं के पुराने कारनामों की फाइलें एक-एक कर खुलने लगी हैं. इसी कड़ी में बीरभूम जिले के बाहुबली टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल उर्फ केष्टो की मुश्किलें बढ़ गयी हैं. वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में भड़की भीषण चुनावी हिंसा और एक व्यवसायी से करीब 30 लाख रुपए की कीमती ईंटें व निर्माण सामग्री लूटने के संगीन आरोपों में अनुब्रत मंडल और उनके 12 अन्य करीबियों के खिलाफ विस्तृत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गयी है.

पूरा मामला बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 के नतीजों के तुरंत बाद भड़की हिंसा से जुड़ा है. आरोप है कि चुनाव के बाद अनुब्रत मंडल के शह पर टीएमसी

कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के एक हिंसक गुट ने बीरभूम इलाके में बड़े पैमाने पर तांडव मचाया था. अनुब्रत के इशारे पर उनके 12 नामजद गुर्गों ने स्थानीय व्यवसायी के व्यापारिक प्रतिष्ठान पर हमला बोल दिया. वहां रखे 30 लाख रुपए की ईंटें, भारी मशीनें और अन्य कीमती निर्माण सामग्रियां लूटकर ले गये.पीड़ित व्यवसायी और उसके कर्मचारियों ने जब इस खुली लूट का विरोध करने की कोशिश की, तो उन्हें हथियारों के बल पर डराया-धमकाया गया. इतना ही नहीं, उन्हें इलाका छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया गया.इस मुकदमे ने 2021 में की भीषण हिंसा के जख्मों को हरा कर दिया है. नयी प्राथमिकी में अनुब्रत मंडल को मुख्य साजिशकर्ता के रूप में नामजद किया गया है. उनके साथ बीरभूम जिले के 12 अन्य रसूखदार टीएमसी नेताओं और स्थानीय सिंडिकेट संचालकों को भी आरोपी बनाया गया है. एक समय था, जब बीरभूम जिले में अनुब्रत मंडल की मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था. उन्हें जिले का 'बेताज बादशाह' या 'बाघ' कहा जाता था. गौ तस्करी मामले में लंबे समय तक जेल में रहने के बाद जब वे बाहर आये, तो उनकी राजनीतिक ताकत पहले ही काफी कमजोर हो चुकी थी.

ममता बनर्जी की 'लक्ष्मी भंडार योजना' में 3 लाख पुरुष लाभार्थी

सीएम शुभेंदु अधिकारी का बड़ा खुलासा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने खुलासा किया है कि पूर्ववर्ती टीएमसी सरकार के शासन काल में शुरू की गई लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ तीन लाख पुरुष ले रहे थे. रविवार को बीजेपी के विशेष प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसका खुलासा किया है. अधिकारी ने कहा कि तृणमूल के शासनकाल में महिलाओं के लिए बनी 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत लगभग 3 लाख पुरुष लाभार्थी थे. गौरतलब हो कि ममता बनर्जी की इस योजना को गेमचेंजर माना गया था. बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद बीजेपी लक्ष्मी भंडार योजना को बंद करके अन्नापूर्णा भंडार योजना लागू कर दी है. इसके बाद महिलाओं को प्रतिमाह 3000 रुपये मिलेंगे. कुछ दिन पश्चिमी मेदिनीपुर एसपी आईपीएस पापिया सुल्ताना एक ऐसे मामले को पकड़ा था. जिसमें एक पुरुष अपनी पत्नी के स्थान पर 'लक्ष्मी भंडार' योजना का लाभ ले रहा था. इसमें खुलासा हुआ था कि वह अप्रैल 2022 से अपनी पत्नी के खाते से लक्ष्मी भंडार का पैसा प्राप्त कर रहा था. अब शुभेंदु अधिकारी टीएमसी की गेमचेंजर मानी गई योजना को कठघरे में खड़ा कर दिया है.हाल ही में लक्ष्मी भंडार योजना की लाभार्थियों की सूची की जांच में बड़े घोटाले और फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है. जांच में पाया गया कि लाखों अपात्र लोगों (पुरुषों और गैर-भारतीयों) के नाम भी इस योजना में शामिल थे. तो वहीं दूसरी तरफ जो महिलाएं पहले से लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ ले रही थीं, उन्हें ऑटोमैटिक तरीके से नई अन्नपूर्णा योजना में शिफ्ट किया जा रहा है, हालांकि इसका लाभ बिना किसी रुकावट के पाने के लिए महिलाओं का बैंक अकाउंट आधार से लिंक होना अनिवार्य किया गया है. ममता बनर्जी ने लक्ष्मी भंडार योजना को फरवरी, 2021 में शुरू किया था. इसके बाद यह योजना काफी लोकप्रिय हुई थी. इसका उद्देश्य 25 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं को सशक्त बनाना था.

जब साड़ियों के ढेर में छिप गए नेता जी

बंगाल पुलिस ने तलाशी ली तो देखते ही उड़ गए होश

कोलकाता: बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भ्रष्टाचार के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई लगातार जारी है. इस कड़ी में कहीं नेताओं की गिरफ्तारी हो रही है तो कहीं उन्हें जनता के विरोध का सामना करना पड़ रहा है.

हावड़ा जिले के आमता क्षेत्र में पुलिस ने 2021 के चुनाव बाद हुई हिंसा के एक मामले में आरोपित तृणमूल कार्यकर्ता ब्रह्मानंद चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया. पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी से बचने के लिए वह एक घर में साड़ियों के ढेर के नीचे छिपा हुआ था, जहां छापेमारी के दौरान उसे पकड़ लिया गया. भाजपा नेताओं का दावा है कि उसके खिलाफ चुनाव बाद हिंसा की शिकायतें लंबे समय से लंबित थीं. इससे पहले कूचबिहार के माथाभांगा में भी एक तृणमूल नेता को बिस्तर के नीचे छिपे होने के दौरान गिरफ्तार किया गया था. पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी से तृणमूल के पूर्व विधायक सुकुमार हाजरा को पुलिस ने एक महिला के साथ कथित दुर्व्यवहार और मारपीट से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया है. मामले को लेकर क्षेत्र में पहले से विवाद चल रहा था. दूसरी ओर कोलकाता नगर निगम के दबंग पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कथित वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.

उधर, नदिया जिले के नवद्वीप में नगरपालिका चेयरमैन बिमल कृष्ण साहा को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा. आरोप है कि नगर की पेयजल, सफाई और अन्य नागरिक सुविधाओं की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में लंबे समय से नाराजगी थी. इसी गुस्से के बीच लोगों ने उनके खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाए और अंडे फेंककर विरोध जताया.

इसी क्रम में हावड़ा के बाली विधानसभा क्षेत्र से पूर्व टीएमसी प्रत्याशी कैलाश मिश्रा को बिहार के मधुबनी से गिरफ्तार किया गया.

उसके खिलाफ वसूली, मारपीट, धमकी और दबाव बनाने जैसे मामलों में कई प्राथमिकी दर्ज थीं. उधर, कोलकाता नगर निगम के वार्ड 39 के पार्षद मोहम्मद जसीमुद्दीन के घर पुलिस ने छापा मारा. पुलिस एक पॉक्सो मामले में उससे पूछताछ करना चाहती थी. इलाके में रियल एस्टेट से जुड़े विवादों और लोगों को परेशान करने के आरोपों के कारण स्थानीय लोगों में उसके खिलाफ भारी नाराजगी देखी गई. कई लोग उसके घर के बाहर अंडे लेकर जमा हो गए और विरोध जताया.

टीएमसी नेता का सिर मुंडवाकर गांव में घुमाया

वहीं, हावड़ा जिले के अमरदहा गांव में टीएमसी नेता संन्यासी मान्ना के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. ग्रामीणों का आरोप है कि वह सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे वसूलता था. इसी आरोप में नाराज ग्रामीणों ने उसका सिर मुंडवाकर, जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया.सूचना मिलने पर पुलिस ने पहुंचकर उसे भीड़ से बचाया और मामले की जांच शुरू की. इसी तरह कामारहाटी के तृणमूल विधायक मदन मित्रा के वाहन पर भी अंडे फेंके गए. यह घटना उस समय हुई जब वह एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे. विरोध कर रहे लोगों का आरोप था कि क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर जनप्रतिनिधि पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं.

बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ के कड़े तेवर देख बांग्लाडेशी जवान ठंडे पड़े

जीरो पॉइंट से 40 बांग्लादेशी रातोंरात गायब

कोलकाता: बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर चार जगहों पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के बीच तनावपूर्ण स्थिति अचानक खत्म हो गई. 'ज़ीरो पॉइंट' पर फंसे करीब 40 बांग्लादेशी नागरिक शनिवार सुबह तक वहां से गायब हो गए. सबसे ज्यादा तनावपूर्ण स्थिति कूचबिहार के मेखलीगंज में पानीशाला के पिलर नंबर 134 पर बनी थी. यहां 10 लोग तब फंस गए थे जब इन्हें ने उन्हें लेने से इनकार कर दिया. बीजीबी का दावा था कि उन्हें भारत से गैर-कानूनी तरीके से वापस भेजा (पुश-बैक) जा रहा था. जब बीएसएफ ने फ्लैग मीटिंग की मांग की, तो बीजीबी ने मना कर दिया. घंटों तक चले तनाव और शनिवार तड़के हुई तीखी बहस के बाद बीजीबी पीछे हट गया. बीएसएफ ने कहा कि फंसे हुए सभी लोग बांग्लादेश लौट गए हैं. हालांकि ये तात्कालिक तनावपूर्ण स्थितियां सुलझ गईं, लेकिन बीजीबी ने शनिवार को दावा किया कि उसने पिछले 24 घंटों में बीएसएफ की ओर से लोगों को वापस भेजने (पुश-बैक) की आठ अलग-अलग कोशिशों को नाकाम किया है. बीजीबी ने अपने जनसंपर्क अधिकारी शरीफुल इस्लाम के ज़रिए एक आधिकारिक बयान जारी किया.कुछ ऐसा ही नजारा तीन अन्य जगहों पर भी देखने को मिला - कूचबिहार में शीतलकुची और दिनहाटा, और जलपाईगुड़ी सदर में सकती. यहाँ भी महिलाओं और बच्चों समेत करीब 30 और बांग्लादेशी नागरिक शुक्रवार से फंसे हुए थे और रात भर में गायब हो गए.तनाव के दौरान सामने आए एक वीडियो में, जिसमें फंसे हुए लोगों के सामने बीएसएफ और बीजीबी के बीच बातचीत दिखाई दे रही है, एक महिला यह कहती हुई दिख रही है कि वह खुलना की रहने वाली है और अपने गांव लौटना चाहती है. सूत्रों के मुताबिक, बीएसएफ ने इस फुटेज का इस्तेमाल बीजीबी पर उन लोगों को वापस लेने का दबाव बनाने के लिए किया. लेकिन बीजीबी ने शनिवार को दावा किया कि उसने पिछले 24 घंटों में बीएसएफ की आठ अलग-अलग पुश बैक कोशिशों को नाकाम कर दिया है.

अश्लील हरकत करने के आरोप में उखड़ा प्राइवेट स्कूल के वाइस प्रिंसिपल गिरफ्तार

पश्चिम बर्दवान : उखड़ा इलाके के एक सीबीएससी मान्यता प्राप्त प्राइवेट इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में स्कूल के वाइस प्रिंसिपल राजा प्रसाद को गिरफ्तार किया गया है. घटना सामने आने के बाद अभिभावकों में भारी आक्रोश है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, उखड़ा गांव के आइत पाड़ा स्थित स्कूल में छठी कक्षा की छात्रा को आरोपित वाइस प्रिंसिपल राजा प्रसाद ने ऑफिस में बुलाकर उसके साथ छेड़छाड़ किया. आरोप है कि शिक्षक ने कई बार छात्रा के साथ ऐसी हरकत की. परिवार को हाल ही में घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद शनिवार को अंडाल थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और शनिवार रात उखड़ा चौकी की पुलिस ने आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया. रविवार को उसे दुर्गापुर महकमा अदालत में पेश किया गया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच के लिए आरोपित को पुलिस हिरासत में लेने की अर्जी दी जाएगी. पीड़ित छात्रा का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है. स्कूल परिसर के अंदर ऐसी घटना सामने आने से अभिभावकों में गहरा आक्रोश और चिंता है. उन्होंने आरोपी के खिलाफ मिसाल बनने वाली सख्त कार्रवाई की मांग की है. पुलिस मामले के हर पहलू से जांच कर रही है.

तृणमूल से अलग हुई रुना खातून

फेसबुक पोस्ट कर राजनीति से दूरी बनाने का किया ऐलान

हुगली : जिला परिषद सदस्य और बलागढ़ की चर्चित युवा तृणमूल नेत्री रुना खातून ने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर तृणमूल कांग्रेस से अपने सभी संबंध समाप्त करने की घोषणा की है. पार्टी की हार के बाद उनके इस फैसले को राजनीतिक हलकों में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है.यह कुछ महीने पहले बलागढ़ के विधायक मनोरंजन व्यापारी के साथ विवाद को लेकर चर्चा में आई थीं. उस समय विधायक ने सार्वजनिक रूप से रुना खातून पर निशाना साधा था, जिसके जवाब में रुना ने भी पलटवार किया था. मामला बढ़ने पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप कर स्थिति संभालनी पड़ी थी.रुना खातून के पति अरिजीत दास अभी भी बलागढ़ के सीजा कमालपुर पंचायत में तृणमूल के उप-प्रधान पद पर हैं.हालिया राजनीतिक बदलाव और पार्टी की हार के बाद हुगली जिले में कई नेताओं ने विभिन्न पदों से इस्तीफा दिया है. कोई पार्षद पद छोड़ चुका है तो किसी ने चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया है. वहीं, पूर्व मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने भी राजनीति छोड़ने की घोषणा की है. अब इस सूची में रुना खातून का नाम भी जुड़ गया है.रुना खातून तीन बार हुगली जिला परिषद की निर्वाचित सदस्य रह चुकी हैं. कॉलेज जीवन से छात्र राजनीति के जरिए उन्होंने अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था. तृणमूल कांग्रेस में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली और राज्य स्तर पर युवा नेत्री के रूप में भी सक्रिय रहीं. पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, उनकी राज्य के वरिष्ठ नेता फिरहाद हाकिम के साथ भी अच्छी राजनीतिक पकड़ मानी जाती थी.सूत्रों के अनुसार, वह लंबे समय से पार्टी में उचित सम्मान नहीं मिलने को लेकर नाराज थीं, लेकिन उन्होंने कभी सार्वजनिक रूप से पार्टी के खिलाफ बयान नहीं दिया और खुद को तृणमूल का समर्पित कार्यकर्ता बताती रहीं.अपने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए रुना खातून ने कहा कि जनता के जनादेश का सम्मान करना चाहिए. उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार बदल चुकी है और नई सरकार को काम करने का अवसर मिलना चाहिए ताकि विकास हो और जनता की इच्छाएं पूरी हो सकें.उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति करना ही जरूरी नहीं है. राजनीति एक बड़ा मंच जरूर है, लेकिन समाज सेवा का वह एकमात्र रास्ता नहीं है.

उपप्रधान तरुण पहाड़ी गिरफ्तार

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के नारायणगढ़ ब्लॉक में तृणमूल कांग्रेस नेताओं की लगातार हो रही गिरफ्तारी के बीच मकरामपुर ग्राम पंचायत के उपप्रधान तरुण पहाड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. उन्हें शनिवार देर रात नारायणगढ़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, तरुण पहाड़ी वर्ष 2023 के पंचायत चुनाव में बेल्दी क्षेत्र से निर्विरोध निर्वाचित हुए थे. बाद में उन्हें मकरामपुर ग्राम पंचायत का उपप्रधान बनाया गया था.पुलिस का दावा है कि उनके खिलाफ महिलाओं के साथ मारपीट, आम लोगों पर अत्याचार तथा प्रभाव का दुरुपयोग करने से जुड़े कई मामले दर्ज हैं. इन्हीं मामलों के आधार पर उनकी गिरफ्तारी की गई है.रविवार सुबह उन्हें खड़गपुर अदालत में पेश किया गया.भाजपा का कहना है कि भ्रष्टाचार और आम लोगों पर अत्याचार के आरोपों से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है.

आइएनटीटीयूसी नेता संदीप घटक का शव फंदे से लटका बरामद, इलाके में सनसनी

पश्चिम बर्दवान : दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी) से जुड़े तृणमूल कांग्रेस समर्थित श्रमिक संगठन आईएनटीटीयूसी के वरिष्ठ नेता संदीप घटक उर्फ 'बोटू' की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से पूरे औद्योगिक शहर में सनसनी फैल गई है. रविवार को गोपालमाठ स्थित उनके आवास से उनका शव फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया. घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग पहुंचे. एक प्रभावशाली श्रमिक नेता की अचानक मौत की खबर फैलते ही राजनीतिक और ट्रेड यूनियन हलकों में सनसनी फैल गई.संदीप घटक की मौत को लेकर राजनीतिक हलकों में विभिन्न तरह की चर्चाएं चल रही हैं. पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है.गोपालमाठ निवासी संदीप घटक तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रभात चटर्जी के करीबी माने जाते थे. डीएसपी में आईएनटीटीयूसी की गतिविधियों को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी. श्रमिक राजनीति में उनकी अच्छी पकड़ थी और संगठन के भीतर उनका प्रभाव काफी माना जाता था.अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिजनों और करीबी लोगों से पूछताछ तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा.फिलहाल पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

दिल्ली शिवाजी कालेज के प्रोफेसर हत्याकांड का खुलासा, बर्दवान से दंपति गिरफ्तार

बर्दवान :दिल्ली के शिवाजी कॉलेज की सहायक प्रोफेसर देवस्मिता पाल की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस ने पश्चिम बंगाल के बर्दवान से एक दंपति को गिरफ्तार किया है. दिल्ली पुलिस ने मामले का खुलासा करके खूब हुई कशमकश के लिए पुलिस ने कई राज्यों में जांच अभियान चलाया था.प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत गुरुवार को पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सत्यम अपार्टमेंट में रहने वाली देवस्मिता पाल अपने फ्लैट में मृत पाई गई थीं. घटना का पता तब चला जब उनकी बहन देबारती पाल ने कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद वह फ्लैट पर पहुंचीं. दरवाजा बाहर से बंद था. अंदर प्रवेश करने पर देवस्मिता का शव उन्होंने देखा और पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की.प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतका के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और उनके हाथ की नस भी कटी हुई थी. फ्लैट से किसी प्रकार की चोरी या लूटपाट के संकेत नहीं मिले. नकदी, गहने और अन्य कीमती सामान सुरक्षित पाए गए. इसी आधार पर जांचकर्ताओं ने हत्या के पीछे किसी व्यक्तिगत विवाद या सुनियोजित साजिश की आशंका जताई.जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि देवस्मिता पाल की बर्दवान में पैतृक संपत्ति है. गिरफ्तार दंपति उसी संपत्ति में किरायेदार के रूप में रह रहा था. पुलिस का आरोप है कि मकान को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था. जांच में यह भी सामने आया कि प्रोफेसर लगातार मकान खाली कराने का प्रयास कर रही थीं, जिससे तनाव बढ़ता गया.अपार्टमेंट परिसर के कैमरों में एक संदिग्ध दंपति को घटना वाले दिन भवन में प्रवेश करते और बाद में बाहर निकलते हुए देखा गया. फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान की. इसके बाद विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई. दिल्ली पुलिस ने जांच के दौरान बड़ी संख्या में लोगों से पूछताछ की और सैकड़ों घंटों की सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया. कई संभावित संदिग्धों को चिन्हित कर उनकी गतिविधियों की जांच की गई. इसी क्रम में जांच की दिशा बर्दवान की ओर गई, जहां से आरोपी दंपति को गिरफ्तार किया गया.पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपितों से पूछताछ जारी है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि हत्या की योजना कब बनाई गई, वारदात को कैसे अंजाम दिया गया. फिलहाल पुलिस संपत्ति विवाद को हत्या का प्रमुख कारण मानकर जांच कर रही है.

वैद्यबाटी में तृणमूल पार्षद के घर के बाहर प्रदर्शन, 'चोर-चोर' के लगे नारे

हुगली : जिले के वैद्यबाटी नगर पालिका के वार्ड नंबर 20 में खराब सड़क और जल निकासी व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने रविवार को तृणमूल पार्षद हरिपद पाल के घर का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान ङ्गचोर-चोरङ्घ के नारे भी लगाए गए.बताया गया है कि वैद्यबाटी के गोलापबाग नीचू मैदान इलाके में लंबे समय से जल निकासी की समस्या बनी हुई है. हल्की बारिश में भी इलाके में जलभराव हो जाता है और लोगों के घरों में पानी घुस जाता है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार पार्षद को समस्या से अवगत कराने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला.आक्रोशित लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पार्षद के घर के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया. प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पार्षद आम लोगों की समस्याओं की अनदेखी कर केवल अपने स्वार्थ में व्यस्त रहे.काफी देर तक चले प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद आए पार्षद हरिपद पाल ने कहा कि यदि एक महीने के भीतर इलाके की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह पार्षद पद से इस्तीफा दे देंगे. बाद में प्रदर्शन तेज होने पर उन्होंने खुद को घर के अंदर बंद कर लिया.स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे के भीतर जलभराव की समस्या दूर नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा.वहीं, पार्षद हरिपद पाल ने पूरे मामले को राजनीतिक साजिश करार दिया है.

महिला तस्करी रोकने के लिए विशेष टास्क फोर्स, बनेगा 'हिमालयन हिल सिटी'

सिलीगुड़ी (उत्तरकन्या) : उत्तर बंगाल में महिला व शिशु तस्करी पर पूरी तरह लगाम लगाने और पहाड़ व समतल (मैदानी इलाकों) के बीच विकास के अंतर को पाटने के लिए राज्य सरकार ने कई बड़े और ऐतिहासिक फैसलों की घोषणा की है. रविवार को राज्य की नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने सिलीगुड़ी के प्रशासनिक मुख्यालय 'उत्तरकन्या' में एक उच्च स्तरीय बैठक की. मंत्री बनने के बाद उत्तरकन्या में अपनी पहली प्रशासनिक बैठक के बाद पत्रकारों से मुखातिब होते हुए उन्होंने 'विशेष टास्क फोर्स' के गठन और 'हिमालयन हिल सिटी' (कळारश्रूरप कळश्रश्र उळीूं) जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का खाका पेश किया.उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर विकास, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा को केंद्र में रखकर ही ये रणनीतियां बनाई गई हैं.तस्करी रोकने के लिए बनेगा 'विशेष टास्क फोर्स'उत्तर बंगाल के सीमावर्ती इलाकों से होने वाली महिला और शिशु तस्करी पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि अब अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है. पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के बीच आपसी तालमेल (समन्वय) से काम करेगी.बॉर्डर पर मुस्तैदी: भारत-नेपाल, भारत-भूटान और बांग्लादेश सीमा से सटे संवेदनशील इलाकों में पुलिस और खुफिया तंत्र की निगरानी को और अधिक मजबूत किया जाएगा ताकि अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय तस्करी गिरोहों को ध्वस्त किया जा सके.पहाड़ और समतल को जोड़ेगा 'हिमालयन हिल सिटी' प्रोजेक्टदार्जिलिंग हिल्स और सिलीगुड़ी के बीच एकीकृत विकास सुनिश्चित करने के लिए सरकार 'हिमालयन हिल सिटी' परियोजना शुरू करने जा रही है.अपशिष्ट प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट), सुगम परिवहन, शुद्ध पेयजल और अन्य नागरिक सेवाओं के विकास के लिए संयुक्त रूप से काम किया जाएगा.बायोमेट्रिक हाजिरी और कूड़ा फेंकने पर भारी जुर्मानाशहरों को साफ-सुथरा है

दो गुटों में झड़प, एक की गोली मारकर हत्या

बीरभूम : जिले के नानूर इलाके के जंडांगा गांव में पुराने विवाद को लेकर शनिवार रात गोलीबारी और धारदार हथियारों से किए गए हमले में शेख मकसूद (49) नाम के व्यक्ति की मौत हो गई. झड़प में दोनों पक्षों के कम से कम 10 लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गांव की एक मस्जिद में मौलवी की नियुक्ति को लेकर लगभग एक साल पहले दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था. शनिवार रात जब शेख मकसूद एक पड़ोसी के घर से लौट रहे थे, तो प्रतिद्वंद्वी समूह के लोगों ने उन पर लाठी, बांस और धारदार हथियारों से हमला किया. इसके बाद उन पर गोलीबारी की.

एक ही परिवार के 5 बांग्लादेशी गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेजों से बनवाए थे भारतीय पहचान पत्र

सागरदिघी (मुर्शिदाबाद) : पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में अवैध घुसपैठ के खिलाफ जारी पुलिसिया अभियान के तहत मुर्शिदाबाद जिले से एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. सागरदिघी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रह रहे एक ही बांग्लादेशी परिवार के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है. यह सनसनीखेज मामला सागरदिघी थाना क्षेत्र के धुमारपहाड़ इलाके का है.पकड़े गए नागरिकों ने न केवल अवैध रूप से भारतीय जमीन पर घर बनाया, बल्कि जालसाजी के जरिए भारतीय नागरिकता से जुड़े फर्जी दस्तावेज भी तैयार कर लिए थे.13 साल पहले की थी घुसपैठ, राजमिस्त्री बन खरीदा था मकानपुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के नाम उजिर अली (43), उनकी पत्नी जाइनुर खातून (36) और उनके तीन नाबालिग बेटेङ्घशिहाद शेख (15), इंजमामुल हक (10) व अब्दुल समद शेख (4) हैं. यह परिवार मूल रूप से बांग्लादेश के चंपाईनवाबगंज जिले का रहने वाला है.पुलिस जांच और पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं:अवैध प्रवेश: मुख्य आरोपी उजिर अली करीब 13 साल पहले अपनी पत्नी और सबसे बड़े बेटे के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर अवैध तरीके से भारत में घुसा था.जमीन और मकान की खरीद: भारत आने के बाद उजिर अली ने शुरुआत में दक्षिण भारत (साउथ इंडिया) में जाकर राजमिस्त्री (मैसन) का काम करना शुरू किया. वहां से हुई कमाई के पैसों से उसने मुर्शिदाबाद के सागरदिघी के धुमारपहाड़ इलाके में 15 कट्टा (शतक) जमीन खरीदी और अपना पक्का मकान बना लिया.फर्जी पहचान पत्र: इस बांग्लादेशी नागरिक ने स्थानीय दलालों की मदद से जाली कागजात तैयार किए और उनके आधार पर भारतीय वोटर आईडी कार्ड (मतदाता पहचान पत्र) और अन्य महत्वपूर्ण भारतीय सरकारी पहचान पत्र भी हासिल कर लिए.भारत में हुआ दो बच्चों का जन्म, स्कूल में चल रही थी पढ़ाईपूछताछ में पुलिस को पता चला है कि भारत में अवैध रूप से रहने के दौरान ही उजिर अली के दो और बच्चों का जन्म हुआ. आरोपी ने अपने बच्चों का दाखिला भी स्थानीय स्कूलों में करवा दिया था, जिसमें उसका बड़ा बेटा आठवीं कक्षा में और मंझला बेटा चौथी कक्षा में पढ़ाई कर रहा था.कोर्ट के निर्देश पर होल्डिंग सेंटर भेजा गया, बड़े रैकेट की जांच शुरूशनिवार को सागरदिघी थाना पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार बांग्लादेशी परिवार के सभी पांचों सदस्यों को हिरासत में लेकर कोर्ट के निर्देशानुसार 'होल्डिंग सेंटर' भेज दिया है.जांच के घेरे में स्थानीय मददगार: पुलिस अब इस मामले की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि इन विदेशी नागरिकों को सीमा पार कराने में किन एजेंटों ने मदद की थी. साथ ही, सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक अवैध घुसपैठिए के भारतीय वोटर कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज (पहचान पत्र) बनाने के पीछे प्रशासन या स्थानीय स्तर पर किन-किन लोगों की मिलीभगत थी. पुलिस ने इस संबंध में एक धोखाधड़ी और फॉरेनर्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

न्यूज कॉर्नर

मेदिनीपुर और बीरभूम में तृणमूल नेताओं के इस्तीफे, अस्वस्थता बताई वजह

मेदिनीपुर : पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों के इस्तीफे का सिलसिला जारी है. इसी क्रम में पश्चिम मेदिनीपुर और बीरभूम जिलों में कई तृणमूल कांग्रेस के पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है.पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी पंचायत समिति के अध्यक्ष नेपाल सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा पत्र मेदिनीपुर के एसडीओ को भेज दिया है. हालांकि प्रशासन का कहना है कि अभी तक आधिकारिक रूप से इस्तीफा पत्र प्राप्त नहीं हुआ है.नेपाल सिंह ने इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बताया. उनका कहना है कि लंबे समय से स्वास्थ्य ठीक नहीं रहने के कारण वे जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में असमर्थ महसूस कर रहे थे.वहीं, बीरभूम जिले के सिउड़ी-दो ब्लॉक में तृणमूल संचालित तीन ग्राम पंचायतों के प्रधानों ने भी शनिवार शाम को इस्तीफा दे दिया. इनमें बनसंख्या ग्राम पंचायत के प्रधान मोहम्मद बशीरुद्दीन, अविनाशपुर ग्राम पंचायत की प्रधान फूलमणि हाजरा और कोमा ग्राम पंचायत की प्रधान सुमित्रा टुडू शामिल हैं.तीनों प्रधानों ने भी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ने की बात कही है. अविनाशपुर पंचायत की प्रधान फूलमणि हाजरा ने कहा कि स्वास्थ्य समस्याओं के कारण पंचायत के कार्यों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही थीं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का निर्णय लिया.इस घटनाक्रम पर भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि अब लोग तृणमूल के साथ नहीं रहना चाहते. वहीं, तृणमूल जिला नेतृत्व का कहना है कि इस्तीफों के कारणों की जांच की जा रही है.

मेदिनीपुर : भाजपा नेता शुभेंदु सामंत को कारण बताओ नोटिस

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के केशपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के पराजित उम्मीदवार शुभेंदु सामंत को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में भाजपा की राज्य इकाई ने कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज) जारी किया है. उन्हें सात दिनों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया गया है. साथ ही अगले आदेश तक पार्टी की सभी गतिविधियों से दूर रहने को कहा गया है.भाजपा सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद केशपुर के विभिन्न इलाकों से शुभेंदु सामंत के खिलाफ डर का माहौल बनाने, अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करने और कथित तौर पर वसूली करने जैसी शिकायतें राज्य नेतृत्व के पास पहुंची थीं.इन शिकायतों के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य के निर्देश पर भाजपा की अनुशासन समिति ने यह कार्रवाई की है. नोटिस में कहा गया है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पार्टी की मर्यादा और संगठनात्मक अनुशासन के खिलाफ हैं.केशपुर में चुनाव के बाद भाजपा के भीतर गुटबाजी भी खुलकर सामने आई है. हाल ही में अलग-अलग विजय जुलूस और अलग-अलग पार्टी कार्यालयों के उद्घाटन ने आंतरिक मतभेदों को और स्पष्ट कर दिया था.शुभेंदु सामंत ने कहा कि उन्हें नोटिस जारी होने की जानकारी मिली है, लेकिन अभी तक पत्र हाथ में नहीं मिला है. उन्होंने कहा कि नोटिस मिलने पर निर्धारित समय के भीतर जवाब दिया जाएगा.शनिवार रात भाजपा के घाटाल के जिला उपाध्यक्ष अमूल्य माइती ने बताया कि कुछ शिकायतें मिलने के बाद राज्य अनुशासन समिति ने नोटिस जारी किया है और संबंधित नेता अपना पक्ष रखेंगे.

झुंड से बिछड़ा हाथी का शावक गांव में पहुंचा, ग्रामीणों में दहशत

सिलीगुड़ी : नक्सलबाड़ी के केटुगाबुर जोत क्षेत्र में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब हाथियों के झुंड से बिछड़ा एक हाथी का शावक गांव के पास घूमता हुआ दिखाई दिया.जानकारी के अनुसार, शनिवार रात लगभग 60-70 हाथियों का एक बड़ा झुंड भोजन की तलाश में आबादी वाले इलाके में प्रवेश कर गया था. बाद में झुंड वापस जंगल की ओर लौट गया, लेकिन एक शावक अपने समूह से बिछड़कर गांव के आसपास ही रह गया.सुबह होते ही शावक इधर-उधर भटकने लगा, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी. सूचना मिलते ही पानीघाटा और टुकरियाझाड़ रेंज के वनकर्मी तथा एलिफेंट स्क्वाड मौके पर पहुंचे और शावक को सुरक्षित जंगल में वापस भेजने का अभियान शुरू किया.

भारत-नेपाल सीमा पर फर्जी 'एक्जिट स्टैंप' रैकेट का भंडाफोड़

सिलीगुड़ी (खोरीबाड़ी) :भारत-नेपाल सीमा पर स्थित पानीटंकी इलाके में फर्जी इमिग्रेशन 'एक्जिट स्टैंप' (निकासी मुहर) रैकेट के भंडाफोड़ और उसके साथ अंतरराष्ट्रीय महिला तस्करी के संदिग्ध संबंधों ने सिलीगुड़ी महकुमा (सब-डिवीजन) क्षेत्र में भारी सनसनी फैला दी है. इस मामले में जहां एक ओर दो थाईलैंड की महिलाओं समेत एक कार चालक को दबोचा गया है, वहीं दूसरी ओर महिला तस्करी मामले में सिलीगुड़ी पुलिस के एक सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर (डख) को भी कोर्ट में पेश किया गया है.
सुरक्षा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, खोरीबाड़ी थाने के पानीटंकी भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (डडइ) के जवानों ने एक कार को रोककर दो थाईलैंड की महिला नागरिकों को हिरासत में लिया. जब उनके पासपोर्ट की जांच की गई, तो उस पर भारतीय इमिग्रेशन विभाग की 'एक्जिट स्टैंप' लगी हुई थी, जिसे देखकर जवानों को संदेह हुआ.मौके से भागा चालक: सुरक्षाकर्मियों द्वारा पूछताछ शुरू करते ही कार का मुख्य चालक मौका देखकर फरार हो गया, जिससे सुरक्षा एजेंसियों का शक और गहरा गया.जांच में खुली पोल: इमिग्रेशन विभाग से संपर्क करने पर पता चला कि उन दोनों महिलाओं के नाम पर ऐसा कोई आधिकारिक एक्जिट स्टैंप जारी ही नहीं हुआ था. वे मुहर पूरी तरह फर्जी थीं.
गिरफ्तार थाई नागरिकों की पहचान पिमचानोक केटला और चिनतारा बुद्धाफंग के रूप में हुई है. पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे जुलाई 2025 से ही एक्सपायर्ड वीजा (अवैध रूप से) पर भारत में रह रही थीं.क्या था रूट प्लान: वे दोनों दिल्ली से विमान पकड़कर बागडोगरा एयरपोर्ट पहुंचीं. वहां से कार के जरिए पानीटंकी बॉर्डर पार कर उन्हें नेपाल के भद्रपुर एयरपोर्ट पहुंचना था, जहां से वे वापस थाईलैंड भागने की योजना बना रही थीं.इस सिलसिले में पुलिस ने सिलीगुड़ी के रहने वाले एक अन्य कार चालक कुलदीप शर्मा को भी गिरफ्तार किया है. पूछताछ में चालक ने बताया कि बागडोगरा के पास गाड़ी में एक अन्य अज्ञात युवक सवार हुआ था, जिसने संभवतः गाड़ी के भीतर ही पासपोर्ट पर यह फर्जी सरकारी मुहर लगाई थी. खोरीबाड़ी थाना पुलिस ने तीनों के खिलाफ सरकारी सुरक्षा मुहर की जालसाजी और अवैध रूप से सीमा पार करने का मामला दर्ज किया है.इस फर्जी स्टैंप रैकेट के साथ ही, थाईलैंड से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय महिला तस्करी (कींरप ढीरषषळलज्ञळपस) गिरोह की जांच में सिलीगुड़ी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. मामले में दार्जिलिंग के रहने वाले और हाल ही में सब-इस्पेक्टर (डख) के पद से सेवानिवृत्त हुए रवि देवलिया को गिरफ्तार किया गया है. शनिवार को उन्हें सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया गया.आरोपी का दावा: कोर्ट ले जाते समय पूर्व पुलिस अधिकारी रवि देवलिया ने खुद को बेकसूर बताते हुए कहा, 'मुझे इस मामले में झूठा फंसाया जा रहा है, यह मेरे खिलाफ एक बड़ी साजिश है.'जांच एजेंसी का दावा: जांच टीम के अनुसार, इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी रैकेट में पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका के कई पुख्ता सबूत मिले हैं. उनके बैंक खातों के लेन-देन, कॉल डिटेल्स और तस्करों के साथ संपर्कों की गहनता से जांच की जा रही है.एक तरफ जाली इमिग्रेशन स्टैंप के जरिए विदेशी नागरिकों को देश से बाहर भेजने का रैकेट और दूसरी तरफ थाईलैंड-भारत के बीच सक्रिय महिला तस्करी गिरोह में पूर्व पुलिसकर्मी की संलिप्तता ने केंद्रीय और राज्य की खुफिया एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं. खुफिया विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि क्या इन दोनों मामलों के तार आपस में जुड़े हुए हैं और सीमा पार इस रैकेट के पीछे मास्टरमाइंड कौन है. दोनों ही मामलों के आरोपियों को सिलीगुड़ी कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है.

बंगाल में टीएमसी के पूर्व पार्षद पर महिलाओं ने बरसाये अंडे, लगाये चोर-चोर के नारे

काँथी (पूर्व मेदिनीपुर) : पूर्व मेदिनीपुर जिले में 'अंडा और पत्थर' की राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है. नंदीग्राम की घटना के बाद अब काँथी में भी वैसी ही एक सनसनीखेज तस्वीर सामने आई है.
जमीन जालसाजी (जमीन धोखाधड़ी) के गंभीर आरोप में गिरफ्तार काँथी नगरपालिका के 7 नंबर वार्ड के पूर्व पार्षद अतनु गिरी (पानु) और नगरपालिका कर्मी दिलीप काँडार को स्थानीय महिलाओं के प्रचंड आक्रोश का सामना करना पड़ा. पुलिस लॉकअप से कोर्ट ले जाए जाने के दौरान उत्तेजित महिलाओं ने दोनों आरोपियों को घेरकर 'चोर-चोर' के नारे लगाए और उन पर ताबड़तोड़ अंडे फेंके.
जमीन जालसाजी के मामले में रातभर चली छापेमारीपुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, काँथी थाना पुलिस ने शनिवार रात को एक गुप्त अभियान चलाकर 7 नंबर वार्ड के पूर्व पार्षद अतनु गिरी उर्फ पानु को उनके आवास से गिरफ्तार किया था. उनसे मिली कड़ियों के आधार पर पुलिस ने रात में ही कार्रवाई करते हुए काँथी नगरपालिका के एक वर्तमान कर्मचारी दिलीप काँडार को भी दबोच लिया.क्या है आरोप: दोनों पर इलाके में सरकारी और निजी जमीनों के कागजातों में हेरफेर करने, जाली दस्तावेज बनाने और जमीन की अवैध खरीद-बिक्री (जमीन घोटाला) करने

का गंभीर आरोप है. लंबे समय से पुलिस को इनके खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं.थाने से निकलते ही महिलाओं ने बोला 'अंडा हमला'रविवार को जब काँथी थाने की पुलिस दोनों आरोपियों को मेडिकल जांच के बाद अदालत ले जाने के लिए थाने से बाहर निकली, तो वहां पहले से ही भारी संख्या में स्थानीय महिलाएं जुटी हुई थीं.फूटा महिलाओं का गुस्सा: दोनों आरोपियों को पुलिस वैन की तरफ ले जाते देख महिलाएं पूरी तरह उत्तेजित हो गईं.
उन्होंने दोनों का रास्ता रोकने की कोशिश की और 'चोर-चोर' के नारे लगाने शुरू कर दिए. देखते ही देखते महिलाओं ने अपने आंचल और थैलों में छिपाकर रखे हुए अंडे निकालकर दोनों आरोपियों पर दे मारे. कई अंडे सीधे आरोपियों और उन्हें ले जा रहे पुलिसकर्मियों को जा लगे.पुलिस की चुप्पी, आरोपियों को कोर्ट में किया गया पेशअचानक हुए इस 'अंडा हमले' से पुलिस महकमे में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई. हालांकि, मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत घेरा बनाकर दोनों आरोपियों को उग्र भीड़ के बीच से निकाला और पुलिस वाहन में बैठाकर सीधे काँथी सब-डिवीजनल कोर्ट के लिए रवाना हो गए.इस पूरे घटनाक्रम और अंडे फेंके जाने की घटना पर काँथी थाने या जिला पुलिस के आला अधिकारियों की तरफ से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. पुलिस दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर इस जमीन घोटाले के रैकेट में शामिल अन्य सफेदपोशों के नामों का पता लगाने की तैयारी कर रही है. वहीं, नंदीग्राम के बाद काँथी की इस घटना ने साफ कर दिया है कि जिले में दागी नेताओं के खिलाफ आम जनता, खासकर महिलाओं का गुस्सा किस कदर चरम पर है.

'धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत को मिलेगी नई पहचान'

दक्षिणेश्वर- कालीघाट मंदिरों का कायाकल्प करेगी शुभेंदु सरकार

कोलकाताः बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास और आधुनिकीकरण के लिए बड़े पैमाने पर योजनाओं की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि कोलकाता के प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर और कालीघाट मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापक विकास कार्य किए जाएंगे, जबकि गंगासागर मेले को अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप देने की दिशा में काम शुरू हो चुका है. कोलकाता के धनधान्य आडिटोरियम में शनिवार देर शाम आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है. उन्होंने बताया कि आगामी श्रावणी मेले के दौरान तारकेश्वर में श्रद्धालुओं के लिए भव्य और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं

की जाएंगी, ताकि देश-विदेश से आने वाले भक्तों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें. मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल रोजगार के गंभीर संकट और व्यापक भ्रष्टाचार से जूझता रहा. उन्होंने कहा कि विकास की बजाय तुष्टीकरण की राजनीति को प्राथमिकता दी गई, जिससे राज्य की प्रगति प्रभावित हुई. शुभेंदु ने कहा कि बंगाल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र भूमि है और अब राज्य में तुष्टीकरण, अराजकता तथा निवेश के अभाव का दौर समाप्त हो चुका है. उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने प्रदेश में सभी प्रकार की गुंडागर्दी और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई है. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य और केंद्र में एक ही विचारधारा की सरकार होने से विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी. उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न अवसंरचना और रोजगार सृजन से जुड़ी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से बंगाल में निवेश, रोजगार और विकास के नए अवसर पैदा होंगे. उन्होंने विश्वास जताया कि धार्मिक पर्यटन, बुनियादी ढांचे के विकास और केंद्र-राज्य समन्वय के जरिए बंगाल आने वाले वर्षों में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा.

बंगाल पुलिस ने मेस्सी के कार्यक्रम में गड़बड़ी के मामले में पूर्व खेल मंत्री को तलब किया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास को सॉल्ट लेक स्टेडियम में लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में हुई गड़बड़ी से संबंधित मामले में पुलिस ने शुक्रवार तक जांचकर्ताओं के सामने पेश न होने पर फिर से तलब किया है. तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता ने पहले स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए कहा था कि वह उपस्थित होने की स्थिति में नहीं हैं, लेकिन अब उन्हें आठ जून को जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए कहा गया है. बिधाननगर दक्षिण पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, हमने अरूप बिस्वास को आठ जून को हमारे अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा है. उन्हें आज नोटिस जारी कर दिया गया है. दिसंबर 2005 में फुटबॉल से जुड़े एक कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में पूर्व मंत्री पर टिकटों की कालाबाजारी, जबरन वसूली, आपराधिक धमकी और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए आयोजक शतद्रु दत्ता द्वारा उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद उन्हें शुक्रवार तक जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए कहा गया था.

ऑटो-टोटो चालकों के प्रदर्शन के बीच फंसे मदन मित्रा

उग्र भीड़ ने गाड़ी पर फेंके ईंट और अंडे, लगे 'चोर-चोर' के नारे

कोलकाता : उत्तर 24 परगना जिले के कमरहाटी में शनिवार रात उस समय भारी अराजकता फैल गई, जब टीएमसी के कद्दावर विधायक मदन मित्रा को स्थानीय जनता के प्रचंड आक्रोश का सामना करना पड़ा. इलाके में अवैध वसूली के खिलाफ चल रहे एक विरोध प्रदर्शन के बीच अचानक पहुंचे विधायक की गाड़ी पर उग्र भीड़ ने हमला बोल दिया. उत्तेजित लोगों ने उनकी गाड़ी के शीशों पर डंडे मारे और जमकर ईंट-पत्थर व अंडे बरसाए. इस दौरान पूरी सड़क 'चोर-चोर' के नारों से गूंज उठी. शनिवार रात को 14 नंबर वार्ड के टीएमसी पार्षद (पौर पिता) और नगरपालिका के पौर प्रधान परिषद सदस्य के आवास के सामने भारी संख्या में ऑटो और टोटो चालकों ने अचानक घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया था. आंदोलनकारी चालकों का आरोप था कि इलाके में ऑटो और टोटो को सड़कों पर चलाने (रूट पर उतारने) के एवज में उनसे अवैध रूप से मोटी रकम (पैसा) मांगी जा रही है. इसी जबरन वसूली (तोलाबाजी) के खिलाफ पीड़ित चालक पार्षद के घर के सामने एकजुट

होकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे थे. जब यह विरोध प्रदर्शन चरम पर था, उसी दौरान कमरहाटी के विधायक मदन मित्रा का वाहन 14 नंबर वार्ड के अंतर्गत आने वाले एक डोमेस्टिक (आवासीय) इलाके के भीतर दाखिल हुआ. सामने से विधायक की गाड़ी को आते देख वहां मौजूद प्रदर्शनकारी और स्थानीय निवासी बुरी तरह भड़क गए. गुस्साए लोगों ने तुरंत उनकी गाड़ी को घेर लिया और चोर-चोर के जोरदार नारे लगाने शुरू कर दिए. उत्तेजित भीड़ में से कई लोगों ने विधायक की गाड़ी के शीशों पर डंडे और हाथों से वार किया, जबकि दूसरी तरफ से गाड़ी को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ अंडे, ईंट और पाटकेल (पत्थर के टुकड़े) फेंके जाने लगे.मे दिवस कॉलोनी से तेज रफ्तार में भागी गाड़ीअचानक हुए इस चौतरफा हमले और हिंसक रूप लेती भीड़ को देखकर विधायक के चालक ने तत्परता दिखाई. स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण से बाहर जाता देख, चालक ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ाई और हमलावरों के बीच से सुरक्षित निकलते हुए गाड़ी को मे दिवस कॉलोनी के रास्ते बेहद तेज गति से इलाके से बाहर निकाल ले गया. इस सूझबूझ के कारण विधायक मदन मित्रा को चोट नहीं आई, लेकिन उनके वाहन को नुकसान पहुंचा है.इस घटना के बाद से पूरे कमरहाटी इलाके में राजनीतिक सरगर्मी और तनाव चरम पर है. स्थानीय ऑटो-टोटो चालकों का साफ कहना है कि जब तक उनसे होने वाली अवैध वसूली बंद नहीं होगी, उनका आंदोलन जारी रहेगा. दूसरी ओर, भारी जनआक्रोश और चोर-चोर के नारों के बीच विधायक की गाड़ी पर हुए इस हमले ने इलाके में सत्तारूढ़ दल के खिलाफ पनप रहे जन-असंतोष को खुलकर सामने ला दिया है.

ऋतब्रत बनर्जी समेत टीएमसी के बागी गुट के पांच विधायकों की बढ़ी सुरक्षा

कोलकाताः बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं. विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में मचे उथल-पुथल के बीच शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली राज्य की भाजपा सरकार ने तृणमूल के बागी गुट के पांच विधायकों की सुरक्षा बढ़ा दी है. तृणमूल के बागी गुट का नेतृत्व कर रहे ऋतब्रत बनर्जी के समर्थन में सामने आए ये पांचों विधायक में बीरभूम जिले से हैं. तृणमूल के जिन पांचों नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है, उनमें बीरभूम जिला परिषद के सभाधिपति और हांसन के विधायक काजल शेख, नलहाटी के विधायक राजेंद्र प्रसाद सिंह, मुरारई के विधायक मोशरफ हुसैन, पूर्व मंत्री एवं बोलपुर के विधायक चंद्रनाथ सिन्हा तथा नानूर के विधायक विधान चंद्र माजी शामिल हैं. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक विधायक को दो-दो अतिरिक्त सशस्त्र सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराए गए हैं. गौरतलब है कि पिछले महीने सत्ता परिवर्तन के बाद से तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं और विधायकों की सुरक्षा में कटौती या उसे वापस लेने की खबरें सामने आई थीं. ऐसे माहौल में बीरभूम के इन पांच विधायकों की सुरक्षा बढ़ाए जाने को राजनीतिक गलियारों में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है. ये पांचों विधायक तृणमूल के नवनिर्वाचित 80 में से बागी गुट के उन 58 विधायकों में शामिल हैं, जिन्होंने बीते बुधवार को ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष नियुक्त करने की मांग पर विधानसभा अध्यक्ष को सौंपे गए पत्र पर हस्ताक्षर किया था और खुलकर समर्थन किया था. उसी दिन विधानसभा अध्यक्ष ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष के रूप में मान्यता दे दी थी. इस घटनाक्रम के बाद अब राज्य सरकार ने इन पांचों विधायकों की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है.

मदन मित्रा की गाड़ी पर हमला और अंडा फेंकना महज एक नाटक : अर्जुन सिंह

कहा- अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए खुद विधायक ने रची यह साजिश

बैरकपुर : कमरहाटी में तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा की गाड़ी पर हुए हमले और जन-आक्रोश को लेकर अब राज्य में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है. इस घटना को विपक्ष की साजिश बताए जाने के दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए राज्य के मंत्री अर्जुन सिंह ने मदन मित्रा पर बेहद गंभीर और तीखा हमला बोला है. अर्जुन सिंह ने दावा किया है कि यह पूरी घटना मदन मित्रा द्वारा खुद रची गई एक सोची-समझी स्क्रिप्ट या नाटक है, ताकि वे अपनी सरकारी सुरक्षा को और बढ़ा सकें. इसके साथ ही उन्होंने इस घटना में भारतीय जनता पार्टी का हाथ होने के आरोपों को पूरी तरह सिरे से नकार दिया है. रविवार को बैरकपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री अर्जुन सिंह ने कमरहाटी की घटना पर तंज कसा. उन्होंने कहा, मदन मित्रा की गाड़ी पर हमला होना, शीशे पर डंडे मारना और अंडे फेंकना-यह सब कुछ और नहीं बल्कि एक पूर्व-नियोजित

नाटक है. मदन मित्रा की राजनीति को पूरा बंगाल जानता है. वे सुर्खियों में बने रहने के लिए और सरकार से अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा (पायलट कार और अंगरक्षक) को बढ़वाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रहे हैं. जनता अब इतनी नासमझ नहीं है कि उनके इस नाटक को समझ न पाए. इस घटना में जिन हमलावरों और मुख्य आरोपी अनवर का नाम सामने आ रहा है, उस पर सीधा प्रहार करते हुए मंत्री ने दावा किया कि आरोपी का संबंध किसी विपक्षी दल से नहीं, बल्कि खुद विधायक से है. अर्जुन सिंह ने आरोप लगाया कि जिसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जा रही है, वह अनवर कोई बाहरी व्यक्ति नहीं बल्कि खुद मदन मित्रा का बेहद करीबी आदमी है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा, वह अनवर मदन मित्रा का ही पाला हुआ गुंडा और नामी क्रिमिनल (अपराधी) है. मदन मित्रा खुद अपने गुंडों से अपनी गाड़ी पर अंडे और पत्थर फिंकवा रहे हैं और बाद में पुलिस केस करके दूसरों को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं. तृणमूल कांग्रेस द्वारा इस हमले के पीछे भाजपा का हाथ होने के आरोपों पर कड़ा रुख अपनाते हुए मंत्री अर्जुन सिंह ने कहा कि इस पूरे विवाद से भाजपा का दूर-दूर तक कोई योग या लेना-देना नहीं है. उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से सत्ताधारी दल के अंदरूनी गुटबाजी, इलाके के ऑटो-टोटो चालकों से होने वाली अवैध वसूली और आपसी हिस्सेदारी का नतीजा है, जिसे छुपाने के लिए अब विपक्ष पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है.मंत्री अर्जुन सिंह के इस विस्फोटक बयान के बाद कमरहाटी की घटना को लेकर राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होना तय माना जा रहा है.

मनरेगा भ्रष्टाचार के आरोप में तृणमूल नेता को ग्रामीणों ने पहनाई जूते की माला, सिर मुंडवाकर घुमाया

कोलकाताः हावड़ा जिले के श्यामपुर इलाके में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) में कथित भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा बवाल सामने आया है. आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता को ग्रामीणों ने घेरकर न केवल विरोध प्रदर्शन किया, बल्कि उनके साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार भी किया गया. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तृणमूल नेता सन्न्यासी मान्ना पर लंबे समय से मनरेगा योजना के तहत धन के वितरण में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे थे. ग्रामीणों का दावा है कि कई शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से उनमें नाराजगी बढ़ती गई, जो रविवार को हिंसक प्रदर्शन में बदल गई. आरोप है कि बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र होकर सन्न्यासी मान्ना के घर पहुंचे और उन्हें घेर लिया. इसके बाद भीड़ ने कथित रूप से उनका सिर मुंडवा दिया, उनके गले में जूतों की माला डाल दी और कमर में रस्सी बांधकर इलाके में घुमाया. घटना के दौरान इलाके में तनाव और अफरा-तफरी का माहौल बन गया. प्रदर्शनकारियों का कहना था कि गरीबों के हक के पैसों में कथित गड़बड़ी को लेकर लंबे समय से आक्रोश था और कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. सूचना पाकर श्यामपुर थाने

की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया. पुलिस ने भीड़ से नेता को सुरक्षित निकालकर थाने पहुंचाया. इस घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक तनाव भी बढ़ गया है. हालांकि अब तक तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पूरे घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों को इकट्ठा किया जा रहा है. अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आगे आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

पर्यावरण संरक्षण के लिए इस्कॉन की अनोखी पहल

न्यू टाउन में मंत्री दिलीप घोष और विधायक पीयूष कनोरिया ने चलाई साइकिल

कोलकाता : प्रकृति और पर्यावरण को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने का संदेश देने के लिए रविवार को न्यू टाउन इलाके में एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया. इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कशियसनेस (इस्कॉन) की ओर से आयोजित इस ग्रीन और क्लीन जागरूकता रैली में मंत्री दिलीप घोष और राजारहाट-न्यू टाउन के स्थानीय विधायक पीयूष कनोरिया मुख्य रूप से शामिल हुए. दोनों जननेताओं ने न केवल रैली की शुरुआत की, बल्कि खुद भी आम लोगों और श्रद्धालुओं के साथ साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण का बड़ा संदेश दिया. रविवार सुबह न्यू टाउन स्थित इस्कॉन मंदिर परिसर में भारी उत्साह देखा गया. रैली को हरी झंडी दिखाने से पहले मंत्री दिलीप घोष और विधायक पीयूष कनोरिया ने इस्कॉन के भव्य राधा-कृष्ण मंदिर में जाकर विशेष पूजा-अर्चना की और राज्य की खुशहाली की कामना की. इसके बाद मंदिर के संतों की उपस्थिति में दोनों नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर और हरी झंडी दिखाकर इस साइकिल रैली का औपचारिक शुभारंभ किया. इस्कॉन प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, इस पर्यावरण जागरूकता अभियान में समाज के हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. न्यू टाउन इस्कॉन मंदिर से शुरू हुई इस रैली में करीब 200 साइकिल चालकों ने भाग लिया, जिसमें इस्कॉन के श्रद्धालु, पर्यावरण प्रेमी और बड़ी संख्या में स्थानीय युवा व स्कूली बच्चे शामिल थे. रैली का समापन: रंग-बिरंगी साइकिलों और पर्यावरण संरक्षण के स्लोगन वाली तख्तियों के साथ यह काफिला न्यू टाउन की मुख्य सड़कों से गुजरते हुए प्रसिद्ध इको पार्क पहुंचकर संपन्न हुआ. साइकिल चलाने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री दिलीप घोष ने इस्कॉन के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की. उन्होंने कहा,आज के इस आधुनिक दौर में जिस तरह प्रदूषण बढ़ रहा है, उसे रोकने के लिए साइकिलिंग से बेहतर और कोई विकल्प नहीं हो सकता. यह हमारे स्वास्थ्य को भी ठीक रखता है और प्रकृति को भी स्वच्छ बनाता है. इस्कॉन ने अध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का जो संदेश दिया है, वह सराहनीय है.

विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में बीजेपी की विशेष प्रशिक्षण शिविर तैयारी बैठक

शामिल होंगे केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के शीर्ष नेता

कोलकाता : आगामी विशेष प्रशिक्षण शिविर को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल इकाई की ओर से सोमवार (8 जून) को कोलकाता के न्यू टाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक (प्रस्तुति बैठक) का आयोजन किया गया है. पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस हाई-प्रोफाइल बैठक में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ-साथ राज्य इकाई के कई शीर्ष नेता और पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे. पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दलीय संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक शक्तिशाली व गतिशील बनाना है. बैठक में आगामी दिनों के संगठनात्मक कार्यक्रमों की योजना बनाने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित होने वाले विशेष प्रशिक्षण शिविर की विस्तृत रूपरेखा तय की जाएगी. शिविर को पूरी तरह सफल बनाने के लिए विभिन्न सांगठनिक पहलुओं पर नेताओं के बीच गहन वैचारिक मंथन और मतविमर्श होगा. भाजपा नेतृत्व का दावा है कि इस विशेष प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के राजनीतिक, सांगठनिक तथा जनसंपर्क कौशल को और अधिक निखारने पर जोर दिया जाएगा. इसी उद्देश्य को सामने रखकर सोमवार की बैठक में शिविर के दैनिक कार्यक्रमों, इसमें भाग लेने वाले प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं की भूमिका और विभिन्न महत्वपूर्ण संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा होने की पूरी संभावना है. विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में होने वाली इस बैठक को लेकर राज्य के राजनीतिक गलियारों में अभी से अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई हैं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस महत्वपूर्ण बैठक से राज्य में भाजपा की आगामी राजनीतिक रणनीतियों, आंदोलन की रूपरेखा और सांगठनिक कौशलों को लेकर कोई बड़ा और कड़ा संदेश निकलकर सामने आ सकता है.

शिक्षक संगठन 10 जून को कोलकाता में निकालेंगे मार्च

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण करने की समय सीमा को एक वर्ष बढ़ाकर 2028 तक कर दिया है. लेकिन इस अदालती आदेश के बाद भी, राज्य और केंद्र सरकारों की स्थिति स्पष्ट न होने के कारण शिक्षकों के एक वर्ग में चिंता और भ्रम की स्थिति बनी हुई है. इस स्थिति में, विभिन्न शिक्षक संगठनों ने टीईटी को अनिवार्य बनाने के निर्णय से सेवारत शिक्षकों को छूट देने की मांग को लेकर 10 जून को कोलकाता में जुलूस और धरने का आह्वान किया है. ऑल बंगाल प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन के महासचिव ध्रुव शेखर मंडल ने बताया कि 10 जून को दोपहर 1 बजे सुबोध मल्लिक चौक से कॉलेज चौक तक जुलूस निकाला जाएगा. इसके बाद वहां धरना प्रदर्शन किया जाएगा. ऑल बंगाल टीचर्स एसोसिएशन के सदस्य भी इस आंदोलन में शामिल होंगे. प्रदर्शनकारियों की मांग है कि केंद्र सरकार कार्यरत शिक्षकों को टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता से मुक्त करने के लिए जल्द से जल्द अध्यादेश जारी करे.

पूर्व तृणमूल विधायक के पति की गिरफ्तारी की मांग करते हुए थाने का घेराव

कोलकाता: भाजपा ने भ्रष्टाचार और उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नरेंद्रपुर पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन किया. नरेंद्रपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक देबाशीष धर ने रविवार के कार्यक्रम का नेतृत्व किया. भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक पुलिस स्टेशन के सामने जमा हुए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की. भाजपा का आरोप है कि नरेंद्रपुर थाना क्षेत्र में व्यापक भ्रष्टाचार चल रहा है और विभिन्न आपराधिक घटनाओं की शिकायतें मिलने के बावजूद पुलिस उचित कार्रवाई नहीं कर रही है. उनका दावा है कि कई शिकायतों के बावजूद कई आरोपी अभी भी फरार हैं. भगवा खेमे ने श्याम बप्पा और फरदौसी बेगम समेत कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई न करने में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं. सबसे मुखर मांग नजरुल अली मंडल की गिरफ्तारी की है. भाजपा का आरोप है कि उनके खिलाफ गंभीर आरोप होने के बावजूद उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है. गौरतलब है कि नजरुल अली मंडल पूर्व विधायक फरदौसी बेगम के पति हैं. इसे ध्यान में रखते हुए भाजपा का आरोप है कि राजनीतिक प्रभाव के कारण आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है. आज विरोध प्रदर्शन स्थल पर भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक पार्टी के झंडे, बैनर और विभिन्न मांगों वाले पोस्टर लिए नजर आए. पुलिस स्टेशन परिसर के पास का इलाका आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की जाए जैसे नारों से गूंज रहा था.

संदेशखाली में हथियार बरामदगी पर बोलीं अग्निमित्रा

अपराधियों के कब्जे में चली गई थी व्यवस्था, अब हो रहा शुद्धिकरण

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार की महिला व शिशु कल्याण तथा शहरी विकास मंत्री अग्निमित्र पाल ने उत्तर बंगाल के दौरे के पूर्व बात करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में शुद्धिकरण का कार्य चल रहा है. मंत्री अग्निमित्रा पाल ने बसीरहाट के संदेशखाली क्षेत्र में भारी मात्रा में हथियार बरामद होने की घटना को लेकर राज्य की पूर्व सरकारों और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि वर्षों तक सीमावर्ती क्षेत्रों में उचित निगरानी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर प्रभावी फेंसिंग नहीं होने के कारण अपराधी तत्वों को बढ़ावा मिला और व्यवस्था धीरे-धीरे अपराधियों के नियंत्रण में चली गई. मंत्री ने कहा, पिछली सरकारों के समय अपराधियों को संरक्षण मिला. स्थिति ऐसी हो गई थी कि व्यवस्था स्वयं अपराधियों द्वारा संचालित होने लगी थी. नई सरकार के आने के बाद अब शुद्धिकरण का कार्य शुरू हुआ है. पूरे सिस्टम की सफाई और सुधार का काम चल रहा है. इसमें थोड़ा समय लगेगा, लेकिन व्यवस्था को पूरी तरह साफ किया जाएगा. अग्निमित्रा पाल ने बताया कि वह महिला एवं शिशु कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा के लिए उत्तर बंगाल के दौरे पर जा रही हैं. उन्होंने कहा कि मानसून का मौसम सामने है और पिछले वर्ष उत्तर बंगाल में बाढ़ की गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई थी. ऐसे में जमीनी स्तर पर तैयारियों और सरकारी योजनाओं की स्थिति का आकलन करना

आवश्यक है. उन्होंने राज्य की राजनीतिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न नगर निगमों और नगरपालिका क्षेत्रों में तृणमूल कांग्रेस के मेयर, पार्षद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के इस्तीफे सामने आ रहे हैं. उनके अनुसार, ऐसी स्थिति में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सरकार का जमीनी स्तर पर सक्रिय रहना जरूरी हो गया है. मंत्री ने कहा कि वर्ष 2013 में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वयं कहा था कि यदि नगरपालिका और परिषदों में उनकी पार्टी के प्रतिनिधि नहीं रहेंगे तो शासन चलाना कठिन हो जाएगा. आज उसी तृणमूल कांग्रेस के कई जनप्रतिनिधि अपने पद छोड़ रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि जनता को समस्याओं के बीच छोड़कर भागने वाले नेताओं के घरों से राहत सामग्री, सरकारी सामान और अन्य संसाधन बरामद हो रहे हैं. अग्निमित्रा पाल ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने वर्षों तक जनता को उनके अधिकारों से वंचित रखा है. अब कानून अपना काम कर रहा है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में विकास की जो गति शुरू हुई है, उसे किसी भी कीमत पर रुकने नहीं दिया जाएगा. चाहे दार्जिलिंग का पहाड़ी क्षेत्र हो या राज्य का कोई अन्य इलाका, विकास की योजनाएं हर क्षेत्र तक पहुंचेंगी और जनता को उनका लाभ मिलेगा.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

घुसूड़ी मे लगा मेडिकल कैंप

घुसूड़ी : हावड़ा नगर निगम वार्ड 1 मे घुसूड़ी नवयुवक संघ ने मेडिकल कैंप लगायाें समाजसेवी ध्रुव अग्रहरि ने बताया प्रचंड गर्मी के वजह से आम लोंगो को बहुत सारी शारीरिक समस्या हो रही थी, लोंगो की परेशानिया को समझते हुये ये सेवा कैंप लगाया गया जहाँ लोंगो ने Dr. C. P. Verma से उपचार करवायों ब्लड प्रेशर, पेट की समस्या, चक्कर आना आदि की दवा लोंगो को संस्था द्वारा दिया गयाें ध्रुव अग्रहरि, बबलू गुप्ता, प्रदीप शर्मा, संदीप गुप्ता, रिकाश,आदित्य, आदर्श, सागर, विशाल, जीतू, रामकुमार, रवि, बिपुल ने कार्यक्रम मे सहयोग किया .

सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन में टेक्नीशियन व ऑपरेटर नदारद, मरीज परेशान

साहिबगंज : सदर अस्पताल के सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन में रविवार की शाम 04:17 बजे लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नदारद रहा. सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर का कुर्सी खाली रहा. मरीजों ने बताया कि काफी देर से यहां लैब टेक्नीशियन व बिलिंग के लिए ऑपरेटर नहीं है. सेंपल कलेक्शन केंद्र का दरवाजा बंद कर वहां के कर्मी कही निकल गए. जानकारी के अनुसार तीन बजे के बाद शिफ्ट चेंज होने के बाद लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं आए थे. इस वजह से सेंपल कलेक्शन खाली रहा. जबकि मरीज़ व उसके परिजन काफी परेशान रहे. इस बीच कई मरीज जांच रिपोर्ट लेने आए लेकिन कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं रहने के चलते इलाज में देरी हुई है.

झामुमो बरहेट की बैठक प्रखंड कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष के अध्यक्षता में आयोजित

बरहेट : झामुमो बरहेट प्रखंड कमेटी की बैठक प्रखंड कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष के अध्यक्षता में आयोजित कि गई.बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के बीएलए-2 ओर पंचायत अध्यक्ष,सचिव के पदाधिकारीगण से मैपिंग प्रतिशत ओर अनपेमैपिंग से संबंधित वार्ता की गई.वही बैठक मे 12 जून दिन को साहेबगंज टाउन हॉल में झामुमो केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडे के आगमन को लेकर सभी को सूचित किया गया.सभी 22 पंचायत में 44 पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है जिसकी देख रेख में मैपिंग का कार्य किया जाएगा.मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान,पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम,लखिराम हेंब्रम,एजाज अंसारी,प्रो हासिम अख्तर,चारलेश सोरेन,समदा सोरेन,बाबुधन टुडू,मुश्ताक अंसारी,कौशर अंसारी,मुन्ना अंसारी,अहमद हुसैन,संजय सोरेन,लड्डू भगत,इस्लाम अंसारी,सुनिता टुडू,खालिक आलम सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष सचिव एवं सम्मानित कार्यकर्ता गण मौजूद थे.

संगठन मजबूती व एसआईआर मैपिंग प्रतिशत बढ़ाने को लेकर झामुमो की बैठक

उधवा : आलम पेट्रोल पंप के निकट टूनू स्कूल परिसर में रविवार को एसआईआर एवं संगठन मजबूती को लेकर झामुमो की प्रखंड कमिटी बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली ने किया. बैठक में मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, जिला सचिव सुरेश टुडू,सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम,केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती हांसदा आदि शामिल हुए. बैठक के दौरान प्रखंड कमिटी,पंचायत कमिटी, बीएलए-2 एवं दर्जन कार्यकर्ता उपस्थित हुए. इस दौरान जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने एसआईआर एवं संगठन मजबूती को लेकर एसआईआर मैपिंग,एलोमनी (विसंगति) सूची में नाम आने एवं एसआईआर की पूरी प्रक्रिया को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से रिपोर्ट मिल रही है कि इनोमली (विसंगति) सूची में नाम आ रहा है. वैसे मतदाता संबंधित बीएलओ से मिलकर इसका समाधान करा लें. कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी वास्तविक मतदाताओं का नाम नहीं छुटे इसका विशेष ध्यान देना है. इस दौरान मैपिंग के होने वाली आवश्यक समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया. कहा कि हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है. वहीं मुख्य अतिथियों ने एसआईआर को लेकर आवश्यक सुझाव दिया गया. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राजमहल अनीसुर रहमान,प्रखंड सचिव उधवा विश्वजीत मंडल, कोषाध्यक्ष अब्दुल शेख, जिला संगठन सचिव काजू मालिक, जिला संगठन सचिव तमरुद्दीन शेख,जिला अल्पसंख्यक सचिव इब्राहिम सेख,जिप सदस्य रानी हांसदा,कीनू सोरेन,यासिन शेख, हफीजुर रहमान,अनवारूल हक,टिपू सुल्तान, नाईम शेख,जैनुल आबेदीन,वर्णवास सोरेन, साबिना आसमिन व सकल हेंब्रम सहित अन्य मौजूद थे.

रविवार को 'सेवा दान' कर शांतिपुर थाना पुलिस ने पेश की अनूठी मिसाल

शांतिपुर (नदिया): 'मनुष्य की सेवा ही ईश्वर की सेवा है'ङ्क इस आदर्श को चरितार्थ करते हुए नदिया जिले की शांतिपुर थाना पुलिस ने रविवार को एक सराहनीय मिसाल कायम की है. आम तौर पर कानून-व्यवस्था और अपराधियों को पकड़ने में व्यस्त रहने वाले पुलिस कर्मियों ने रविवार को वर्दी के साथ-साथ हाथों में झाड़ू, कुदाल और ब्लीचिंग पाउडर थामकर पूरे थाना परिसर और आसपास के इलाकों में एक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया. पुलिस की इस अनूठी 'सेवा दान' पहल की स्थानीय नागरिकों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है.हर रविवार को 'सेवा दान' करने का अनूठा संकल्पशांतिपुर थाना सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस कर्मियों और अधिकारियों ने मिलकर थाना परिसर को पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल और स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया है. इसी के तहत हर रविवार को पुलिस कर्मियों की ओर से इस विशेष स्वच्छता कार्यक्रम यानी 'सेवा दान' का आयोजन किया जाता है.

13 खनन कारोबारियों पर मामला दर्ज, बड़े फर्जीवाड़े की जांच शुरू

पाकुड़:पत्थर खदानों के लिए पर्यावरणीय मंजूरी हासिल करने का रास्ता आसान बनाने के लिए अगर सरकारी दस्तावेजों से ही छेड़छाड़ कर दी जाए तो क्या होगा? पाकुड़ में सामने आया मामला कुछ ऐसा ही है. जिले में पत्थर खनन से जुड़े एक कथित फर्जीवाड़े ने पूरे सिस्टम को सवालों के घेरे में ला दिया है. आरोप है कि खनन कारोबारियों ने जिला खनन कार्यालय से जारी एक अहम रिपोर्ट में झोलझाल कर उसे इस तरह पेश किया कि नियमों की बड़ी रुकावट ही गायब हो गई. अब इसी मामले में 13 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद खनन जगत में खलबली मच गई है.

ऑडिट टीम की नजर पड़ी तो खुलने लगी परतें:
कहानी की शुरुआत एक ऑडिट रिपोर्ट से हुई. वित्तीय वर्ष 2022-23 में महालेखाकार कार्यालय ने झारखंड में खनिज प्रबंधन से जुड़े मामलों की जांच की. ऑडिट के दौरान पाकुड़ के कुछ खनन मामलों की फाइलें खंगाली गईं तो अधिकारियों को कागजों में कुछ ऐसा नजर आया जिसने सभी को चौंका दिया. जांच में पता चला कि जिला खनन कार्यालय से जारी उेपींळर्सीीा ठर्शीीं और परिवेश पोर्टल पर अपलोड की गई रिपोर्ट में अंतर है. यहीं से शक गहराया और फिर एक-एक दस्तावेज की पड़ताल शुरू हुई.

रांची तक पहुंची फर्जी रिपोर्ट:
बताया जाता है कि बदली हुई रिपोर्ट को परिवेश पोर्टल पर अपलोड किया गया. इसी रिपोर्ट के आधार पर राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आकलन प्राधिकरण यानी डएखअअ ने पर्यावरणीय स्वीकृति जारी कर दी. यानी जिस दस्तावेज के आधार पर मंजूरी मिली, उसी दस्तावेज की सच्चाई अब सवालों के घेरे में है. खनन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मूल रिपोर्ट और अपलोड की गई रिपोर्ट का मिलान करने पर कई विसंगतियां सामने आई हैं. यही वजह है कि मामला अब आपराधिक जांच तक पहुंच गया है.

पहले मंजूरी गई, फिर पट्टे भी रद्द हुए:
जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, संबंधित मामलों में जारी पर्यावरणीय स्वीकृतियां वापस ले ली गईं. इसके बाद डीसी स्तर से भी कार्रवाई हुई और कई खनन पट्टों को रद्द कर दिया गया. लेकिन मामला यहीं नहीं रुका. सवाल यह था कि आखिर सरकारी दस्तावेज में बदलाव किसने किया, कैसे किया और इसका फायदा किसे मिला? इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए अब पुलिस जांच शुरू हुई है.

महाधिवक्ता की राय के बाद दर्ज हुई FIR:
मामला इतना गंभीर था कि इसे लेकर खान निदेशालय ने झारखंड हाई कोर्ट के महाधिवक्ता से कानूनी राय ली. राय मिलने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का रास्ता साफ हुआ. इसके बाद जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार ने नगर थाना में लिखित शिकायत दी. शिकायत के आधार पर नगर थाना में कांड संख्या 123/2026 दर्ज कर ली गई.

13 नामजद, और भी बढ़ सकती है सूची:
एफआईआर में नौ पूर्व खनन पट्टाधारियों और चार खनन पट्टा आवेदकों को नामजद किया गया है.
इनमें पाकुड़ और पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के कई कारोबारी शामिल हैं. पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है. दस्तावेजों की जांच के दौरान अगर किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसका नाम भी मामले में जोड़ा जा सकता है.

अब फाइलों से निकलेगा सच:
पुलिस की सबसे पहले यह पता लगाना है कि मूल रिपोर्ट में बदलाव कब और किस स्तर पर किया गया. क्या यह काम किसी एक व्यक्ति ने किया या फिर इसके पीछे पूरा नेटवर्क था? जांच टीम अब खनन विभाग की फाइलें, परिवेश पोर्टल पर अपलोड रिकॉर्ड, पर्यावरणीय स्वीकृति से जुड़े दस्तावेज और डिजिटल ट्रेल की जांच करेगी.

खनन कारोबार में मची बेचैनी:
यहां याद दें कि पाकुड़ देश के बड़े स्टोन माइनिंग क्षेत्रों में गिना जाता है. यहां पत्थर खनन से जुड़े कारोबार का सालाना कारोबार करोड़ों रुपये में है. ऐसे में इस मामले के सामने आने के बाद पूरे खनन जगत में बेचैनी बढ़ गई है. फिलहाल पुलिस की जांच शुरू हो चुकी है. अब सबकी नजर इस बात पर है कि फाइलों में दबे इस कथित खेल का पूरा सच कब और कैसे सामने आता है.

ऐतिहासिक पाता मेला, भोक्ताओं के अनुष्ठान ने खींचा हजारों श्रद्धालुओं का ध्यान

लिट्टीपाड़ा: पाकुड़ जिले के प्रखंड लिट्टीपाड़ा बाडू पंचायत अंतर्गत त्रिकोणी गांव में पारंपरिक एवं ऐतिहासिक पाता मेले का भव्य आयोजन हुआ. मेले को लेकर क्षेत्र में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा और भगवान शिव व माता पार्वती के जयकारों से पूरा इलाका गूंजता रहा. मेले का मुख्य आकर्षण भोक्ताओं द्वारा किया गया पारंपरिक अनुष्ठान रहा. कई दिनों के उपवास के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की. अनुष्ठान के दौरान भोक्ताओं को पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत ऊंचे खंभे से बांधकर हवा में गोल-गोल घुमाया गया. भगवान शिव की आराधना में लीन श्रद्धालुओं का यह दृश्य देखने के लिए हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे मेले में पहुंचे. धार्मिक आस्था के साथ-साथ यह मेला सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी केंद्र बना रहा. पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन, लोक संस्कृति की झलक और सजी हुई दुकानों ने मेले की रौनक बढ़ा दी. ग्रामीणों ने बताया कि यह सदियों पुरानी परंपरा आज भी लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़कर रखे हुए है.

पचुवाड़ा विस्थापितों का निश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी, खनन कार्य बंद कराने की दी चेतावनी

पाकुड़: पचुवाड़ा मध्य एवं उत्तर कोयला खदान प्रभावित क्षेत्र के विस्थापितों ने पचुवाड़ा कोयला खदान विस्थापित मोर्चा के बैनर तले शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी रखा. धरनास्थल पर जुटे विस्थापितों ने जिला प्रशासन और खनन कंपनियों पर उनकी मांगों की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया. मोर्चा के प्रतिनिधियों ने कहा कि पंजाब और पश्चिम बंगाल के सरकारी ऊर्जा निगम पीएसपीसीएल एवं डब्ल्यूबीपीडीसीएल ने अब तक नियमानुसार रैयती जमीन का अधिग्रहण नहीं किया है, जबकि संबंधित क्षेत्र में ब्लास्टिंग और कोयला खनन कार्य लगातार जारी है.

उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के निर्देश के बावजूद विस्थापितों की अंतिम दावेदारी सूची अब तक कंपनियों को नहीं भेजी गई है. विस्थापितों का कहना है कि पिछले तीन महीनों में कई बार उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया. प्रशासन की ओर से त्वरित कार्रवाई का आश्वासन भी मिला, लेकिन न तो समन्वय बैठक बुलाई गई और न ही दावेदारी सूची भेजी गई. मोर्चा ने यह भी आरोप लगाया कि बारूद मैगजीन का लाइसेंस समाप्त होने के बावजूद क्षेत्र में भारी ब्लास्टिंग की जा रही है. धरनार्थियों ने झारखंड मंत्रिमंडल द्वारा निर्धारित बाजार दर के आधार पर चार गुना मुआवजा, सभी दावेदारों को सरकारी नौकरी अथवा वैकल्पिक आर्थिक पैकेज, स्थानीय लोगों को खनन एवं परिवहन कार्यों में प्राथमिकता तथा डीएमएफटी और सीएसआर योजनाओं में प्रभावित क्षेत्र को प्राथमिकता देने की मांग दोहराई. मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि जिला प्रशासन शीघ्र दोनों कंपनियों के अधिकारियों और रैयत प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समाधान नहीं निकालता है, तो प्रभावित ग्रामीण खनन कार्य अनिश्चितकाल के लिए बंद करा देंगे. इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और राज्य सरकार की होगी.

पारिवारिक कलह से तंग आ विवाहिता ने कुएं में कूदकर दी जान

पाकुड़: नगर थाना क्षेत्र के बड़ी अलीगंज में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. परिजनों के अनुसार पारिवारिक कलह से परेशान होकर विवाहिता ने कुएं में कूदकर जान दे दी. घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है. मृतका की पहचान अकीबा खातून के रूप में हुई है. सूचना मिलने पर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया. मृतका के पिता यूसुफ शेख ने बताया कि उनकी बेटी पिछले तीन-चार वर्षों से पारिवारिक विवाद के कारण काफी परेशान रहती थी. मृतक के पिता ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरी बेटी अकीबा का पति इरफान शेख अक्सर उसके साथ मारपीट करता था और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी बेटी की मौत के पीछे उसके पति की भूमिका हो सकती है. हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी. बताया जाता है कि अकीबा खातून की दो छोटी बेटियां हैं. मां की असमय मौत के बाद दोनों बच्चियां बेसहारा हो गई हैं. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. स्थानीय लोगों का भी कहना है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था और विवाहिता लंबे समय से परेशान थी. फिलहाल मामला पुलिस के जांच का है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

यातायात नियम तोड़ने वालों को दी गई सख्त चेतावनी

पाकुड़: सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हिरणपुर-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया. जिला प्रशासन एवं जिला परिवहन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया गया. अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी मोहम्मद मुजाहिद अंसारी ने किया. उनके साथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एसडीपीओ, मोटरयान निरीक्षक एमवीआई एवं सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मौजूद रहे. अधिकारियों ने मार्ग से गुजर रहे वाहन चालकों को रोककर हेलमेट पहनने, ओवरस्पीड से बचने, इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में हिरणपुर-पाकुड़ मार्ग पर दोपहिया वाहनों की दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है. इसे देखते हुए जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाया जा रहा है.

टीएमसी पर बरसीं मंत्री अग्निमित्रा पॉल

सिलीगुड़ी (बागडोगरा) :पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़े उलटफेर के बाद अब भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दों पर सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है. रविवार को सिलीगुड़ी के बागडोगरा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य की नवनियुक्त नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ तीखा हमला बोला. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भ्रष्टाचार और जबरन वसूली (तोलाबाजी) ही तृणमूल कांग्रेस की असली पहचान बन चुकी है, जिसके कारण आज राज्य की जनता का गुस्सा फूट रहा है.नगरपालिका भर्तियों और मदरसा फंड की होगी उच्च स्तरीय जांचमंत्री अग्निमित्रा पॉल ने विभागों में चल रहे भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए दो बड़े ऐलान किए:भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा: उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में नगरपालिकाओं में बैकडोर से बड़े पैमाने पर अवैध नियुक्तियां की गईं. मंत्री ने कहा, 'नगरपालिकाओं में हुई तमाम पुरानी भर्ती प्रक्रियाओं की बारीकी से जांच की जाएगी और

गड़बड़ी पाए जाने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे.'मदरसा अनुदान पर सवाल: उन्होंने राज्य के मदरसों को मिलने वाले सरकारी फंड के इस्तेमाल पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि सरकारी पैसे का कहां और कैसे इस्तेमाल हुआ, इसका पूरा हिसाब लिया जाएगा.'उत्तर बंगाल में उत्सव नहीं, अब वास्तविक विकास होगा'उत्तर बंगाल की लंबे समय से उपेक्षित पड़ी समस्याओं पर बोलते हुए नगर विकास मंत्री ने कहा:'पिछली सरकार ने उत्तर बंगाल के विकास के नाम पर केवल 'उत्सव केंद्रित राजनीति' की. जनता को बुनियादी सुविधाएं देने के बजाय मेलों और उत्सवों में पैसे बहाए गए. लेकिन हमारी सरकार इस धारणा को बदलेगी. हमारी प्राथमिकताओं में उत्तर बंगाल का समग्र विकास, हर साल आने वाली बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान और महिलाओं की सुरक्षा (थोशप डरषशीूं) सबसे ऊपर है.'टीएमसी सांसदों के इस्तीफे पर कसा तंजहाल के दिनों में तृणमूल कांग्रेस के भीतर मची अंदरूनी कलह और पार्टी सांसदों के पाला बदलने (दल-बदल) के मुद्दे पर कटाक्ष करते हुए मंत्री ने कहा कि जिस पार्टी का कोई विजन या लक्ष्य नहीं होता, उसका बिखरना तय है. टीएमसी आज पूरी तरह लक्ष्यहीन हो चुकी है, इसलिए उसके नेता और सांसद पार्टी छोड़ रहे हैं. उन्होंने दोहराया कि राज्य में एक पूरी तरह से भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन देना ही वर्तमान सरकार का मुख्य संकल्प है.बागडोगरा एयरपोर्ट पर मंत्री के इस कड़े तेवर के बाद उत्तर बंगाल के राजनीतिक गलियारों में हलचल काफी तेज हो गई है.

करंट लगने से घायल तकनीशियन की मौत, रेल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू की

जमशेदपुर : टाटानगर रेलवे स्टेशन यार्ड में वंदे भारत एक्सप्रेस की मरम्मत के दौरान करंट लगने से गंभीर रूप से झुलसे आउटसोर्सिंग एजेंसी के तकनीशियन आशीष मांडी की इलाज के दौरान मौत हो गई. लगभग एक सप्ताह तक टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) के बर्न यूनिट में जिंदगी और मौत से जूझने के बाद शनिवार शाम उन्होंने अंतिम सांस ली. घटना के बाद मृतक के परिजनों, स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों में भारी आक्रोश है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, परसुडीह निवासी आशीष मांडी 30 मई की रात टाटानगर यार्ड में खड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस के एक कोच में मरम्मत कार्य कर रहे थे. इसी दौरान वे हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए. उन्हें तत्काल इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए वेंटिलेटर पर रखा था. लेकिन अत्यधिक झुलस जाने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका. आशीष मांडी की मौत के बाद रविवार सुबह उनके परिजन और स्थानीय लोग टाटानगर जीआरपी थाना पहुंचे. परिजनों ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करने तथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की. परिजनों का आरोप है कि रेलवे यार्ड में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई, जिसके कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ. उन्होंने कहा कि यदि कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए होते तो आशीष की जान बच सकती थी. घटना के बाद आशीष मांडी की ठेका कंपनी अमित इंजीनियर्स ने रेलवे प्रशासन, आरपीएफ और संबंधित थाना को लिखित शिकायत भेजी है. कंपनी ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि 30 मई की रात लगभग 11.30 बजे वंदे भारत डिपो में कार्यरत उनके कर्मचारी को बिना उचित इलेक्ट्रिकल आइसोलेशन और पावर शटडाउन सुनिश्चित किए ही कोच की छत पर कार्य करने के लिए भेजा गया था. कंपनी का कहना है कि सुरक्षा प्रक्रिया का पूरी तरह पालन नहीं किए जाने के कारण कर्मचारी करंट की चपेट में आया. पत्र में घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है. ठेका कंपनी द्वारा भेजे गए पत्र में घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद कुछ रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों का भी उल्लेख किया गया है. कंपनी ने आरोप लगाया है कि संबंधित अधिकारियों की निगरानी में कार्य हो रहा था, फिर भी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं कराया गया. शिकायत में वंदे भारत डिपो से जुड़े चार अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं. कंपनी ने इन अधिकारियों की भूमिका की जांच कर विभागीय और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है. घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है. सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कार्य के लिए पावर ब्लॉक दिया गया था, तो फिर कोच में बिजली की आपूर्ति कैसे बनी रही और तकनीशियन करंट की चपेट में कैसे आ गया. सूत्रों के अनुसार, चक्रधरपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं. जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों और जिम्मेदार लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी.

राधानगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7.88 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

उधवा : राजमहल पुलिस को नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है. राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर 7.88 ग्राम एमडीएमए ड्रग के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. अपने कार्यालय कक्ष में राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और प्रशासनिक टीम ने संयुक्त रूप से उधवा ओवर ब्रिज के पास छापेमारी की. इस दौरान एक युवक को प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार आरोपी की पहचान पहाड़गांव निवासी फिरोज शेख (23) के रूप में हुई है. पुलिस ने आरोपी के पास से

7.88 ग्राम अवैध एमडीएमए ड्रग्स बरामद किया है. राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 6 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक को उधवा ओवर ब्रिज के पास अवैध रूप से मनोजेत्तेजक पदार्थ की खरीद-बिक्री होने की गुप्त सूचना मिली थी. सूचना की सत्यता जांचने और त्वरित कार्रवाई के लिए तत्काल एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया. उधवा बीडीओ सह सीओ की मौजूदगी में राधानगर थाना पुलिस ने जैसे ही मौके पर दबिश दी, पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा. मुस्तैद पुलिस बलों ने घेराबंदी कर उसे खदेड़कर पकड़ लिया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुआ. इस मामले को लेकर राधानगर थाना में कांड संख्या 198/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/27 के तहत मामला दर्ज कर आगे का अनुसंधान शुरू कर दिया गया है. पुलिस ने नशीले पदार्थों को जब्त करने के साथ ही आरोपी फिरोज शेख को विधिवत गिरफ्तार कर लिया और रविवार को उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है. छापेमारी टीम में उधवा के अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, पुलिस अधिकारी पंकज कुमार दुबे, सुनील कुमार मेहता, हवलदार प्रहलाद मेहरा, आरक्षी दुलारचंद यादव सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे.

न्यूज कॉर्नर

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को किया सम्मानित

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने रविवार को बिहार-झारखंड भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय संगठन महामंत्री एवं वर्तमान राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को नई जिम्मेदारी मिलने पर अंगवस्त्र, विष्णु चरण चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.इस अवसर पर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी एक कुशल संगठनकर्ता, समर्पित कार्यकर्ता एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले व्यक्तित्व हैं.उन्होंने लंबे समय तक बिहार एवं झारखंड में संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.उनके नेतृत्व, अनुभव एवं कार्यशैली सेहजारोंकार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिली है तथा संगठन को नई दिशा प्राप्त हुई है.डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उनके अनुभव, निष्ठा एवं संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है.यह न केवल उनके प्रति पार्टी नेतृत्व के विश्वास का प्रतीक है, बल्कि देशभर के कार्यकर्ताओं के लिए भी गौरव का विषय है.उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री त्रिपाठी अपने नवीन दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने का कार्य करेंगे.इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी जी का दीर्घ संगठनात्मक अनुभव, समर्पण, कार्यकुशलता एवं राष्ट्रसेवा की भावना भारतीय जनता पार्टी को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगी.उनके मार्गदर्शन में संगठन निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा तथा कार्यकर्ताओं का मनोबल और अधिक सुदृढ़ होगाडॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने ईश्वर से नागेंद्र नाथ त्रिपाठी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामनाएं व्यक्त कीं.उक्त मौके पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, संतोष ठाकुर, बबलू गुप्ता, आदि ने बधाई और शुभकामनाएं दी.

फॉरवर्ड ब्लॉक नेता स्व मधुर कान्त शर्मा की स्मरण सभा का आयोजन किया गया

कुल्टी: कुल्टी नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष सह दिवंगत फॉरवर्ड ब्लॉक नेता स्व मधुर कान्त शर्मा की स्मरण सभा का आयोजन फॉरवर्ड ब्लॉक बराकर लोकल कमेटी के आह्वान पर बराकर बस स्टैंड स्थित प्रथम लॉज में रविवार को किया गया. उक्त सभा में फॉरवर्ड ब्लॉक के स्थानीय नेता, कर्मियों के संग नागरिक भी उपस्थित थे. सर्वप्रथम स्व शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दो मिनट का मौन धारण कर उनके आत्मशांति की प्रार्थना की गई. जिसके बाद सभी स्व शर्मा के अवदान पर लोगों ने अपने विचार रखे. फॉरवर्ड ब्लॉक जिला कमेटी के सचिव भवानी आचार्य ने स्व शर्मा के संग अपने राजनीतिक तथा व्यक्तिगत रिश्तों पर प्रकाश डाला था, दिवंगत नेता को लोगों के हितों की रक्षा करने वाला बताया वहीं लोकल कमेटी सचिव राजू पंडित ने भावुक होकर स्व मधुर कान्त शर्मा से जुड़े अपने स्मरणों को उपस्थित लोगों के सामने रखा. श्री पंडित ने कहा कि बराकर में मधु कान्त शर्मा का योगदान इतिहास में दर्ज है,और आगामी पीढ़ी को उसका अनुशरण करना चाहिए. नियामतपुर कमेटी के उत्पल चक्रवर्ती ने कहा कि मधुर कान्त शर्मा ने अपने निधन तक एक ही पार्टी का साथ दिया,और साथ ही उनके द्वारा किए गए कई जन आंदोलनों को रेखांकित किया. बराकर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के दीपक दुदानी ने कहा कि पार्षद तथा नपाध्यक्ष रहने के बावजूद स्व शर्मा में कभी घमंड नहीं आया,और वे सभी लोगों को साथ लेकर विकास कार्य करते थे,साथ ही लोगों की व्यक्तिगत दिक्कतों को भी दूर करने में योगदान देते थे. रंजीत पासवान, सैयद रजा अंसारी, भरत प्रधान, रामदेव यादव, गुलाब अंसारी, मंजू उरांव, अरुण मंडल, ताड़केश्वर सिंह, सुभाष शर्मा, मोहम्मद सोहराब, शंकर नेवगी, राहुल शर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे.

विश्व साइकिल दिवस: राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने चलाई साइकिल

श्रीरामपुर (हुगली) : 'संडे ऑन साइकिल' और 'विश्व साइकिल दिवस' के विशेष अवसर पर राज्य सरकार के देशव्यापी जागरूकता अभियान के तहत हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया. श्रीरामपुर महकमा शासक (एसडीओ) के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में राज्य के माननीय राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. मंत्री ने न केवल रैली की शुरुआत की, बल्कि खुद भी साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण और अच्छे स्वास्थ्य का संदेश दिया.एसडीओ कार्यालय के सामने से हुई रैली की शुरुआतरविवार सुबह श्रीरामपुर के महकमा शासक कार्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने भारी उत्साह देखा गया. राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य और महकमा शासक ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर (पताका हिलाकर) इस साइकिल रैली का औपचारिक शुभारंभ किया. इसके बाद मंत्री स्वयं साइकिल पर सवार होकर रैली के अग्रभाग में शामिल हुए.रैली का रूट: यह जागरूकता रैली श्रीरामपुर शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों, ऐतिहासिक मार्गों और रिहायशी इलाकों से होते हुए गुजरी. पूरे शहर का चक्कर लगाने के बाद रैली वापस महकमा शासक कार्यालय परिसर में आकर ही संपन्न हुई.स्कूली बच्चों में दिखा भारी उत्साहइस रैली की सबसे खास बात विभिन्न स्थानीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं की व्यापक भागीदारी रही. रंग-बिरंगी साइकिलों के साथ पहुंचे सैकड़ों विद्यार्थियों ने इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. रैली के दौरान बच्चों ने 'साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ' और 'स्वस्थ भारत' के नारे भी लगाए.'प्रदूषण मुक्त समाज के लिए साइकिल जरूरी'- मंत्री भास्कर भट्टाचार्यरैली के समापन पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने कहा:'आज के समय में जब प्रदूषण और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, साइकिल चलाना हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए सबसे बेहतरीन विकल्प है. राज्य सरकार ने 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के जरिए आम लोगों, खासकर युवा पीढ़ी को यह संदेश देने की कोशिश की है कि वे अपने दैनिक जीवन में साइकिल का इस्तेमाल बढ़ाएं.'उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए श्रीरामपुर महकमा प्रशासन और रैली में शामिल हुए सभी छात्र-छात्राओं की सराहना की. इस कार्यक्रम के बाद शहर के प्रशासनिक और सामाजिक हलकों में इस पहल की काफी तारीफ हो रही है.

विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अंतर्गत सीयूएसबी परिसर में 620 पौधों का वृक्षारोपण

युवा शक्ति न्यूज

टिकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) अपने 300 एकड़ के परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह को विशेष रूप से मना रहा है और इसके अंतर्गत व्यापक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया.इस विशेष अभियान के तहत कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 620 पौधों का रोपण किया गया.यह कार्यक्रम भारत सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं हरित परिसर के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया.कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में वृक्ष विविधता को बढ़ावा देना, हरित आवरण का विस्तार करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करना था.विश्व पर्यावरण दिवस की इस वर्ष की थीम के अनुरूप विश्वविद्यालय ने पर्यावरणीय संतुलन एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः प्रदर्शित किया.साथ ही प्रधानमंत्री के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के

जिले में वैसे सभी स्पॉट चिन्हित करें जहां लगातार सड़क दुर्घटना होती है : केंद्रीय मंत्री

युवा शक्ति न्यूज

गया : केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शनिवार को आयोजित की गई.इस मौके पर जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने बताया कि वर्ष 2022 से 2026 अबतक कुल 2490 सड़क दुर्घटना हुई है, वर्ष 2025 में 601 सड़क दुर्घटना हुई है, वर्ष 2026 (जनवरी से मई) तक में 251 सड़क दुर्घटना हुए हैं.जिनमे हीट एंड रन के कुल 873 मामले हैं.केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गया जिला काफी बड़ा जिला है साथ ही जीटी रोड भी गया जिला में पड़ता है.गया पटना मुख्य मार्ग भी गया में ही है.सड़क दुर्घटनाएं की संख्या ज्यादा होती रहती है.उन्होंने कहा कि कई सारे ऐसे सड़क दुर्घटनाएं हैं जिनका मामला थाना में दर्ज नहीं हो पता है जिसके कारण उन मामलों को चिन्हित करने में कठिनाई होती है.उन्होंने निर्देश दिया है कि विभिन्न निजी एवं सरकारी अस्पतालों से भी सड़क दुर्घटनाएं का डाटा प्राप्त किया जाए ताकि वैसे सभी मामलों को भी प्राप्त करते हुए उन्हें सरकार की योजना से लाभान्वित किया जा सके.विगत दो माह पहले केंद्र सरकार द्वारा एक योजना लागू की गई है जिसमें यदि कहीं कोई सड़क दुर्घटना होती है तो उनका इलाज निशुल्क किया जाए और इलाज वाली शुल्क जिस अस्पताल में भर्ती होंगे उसे अस्पताल को सीधे परिवहन विभाग एवं केंद्र सरकार द्वारा उपचार का राशि मुहैया कराई जाएगी. इसके लिए उन्होंने डीटीओ को निर्देश दिए हैं कि सभी प्राइवेट अस्पतालों के प्रबंधकों के साथ बैठक कर उन्हें इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराते हुए उन सभी अस्पतालों का एनरोलमेंट करवाने का निर्देश दिए हैं. उन्होंने डीटीओ को निर्देश दिए हैं कि जिले में वैसे सभी स्पॉट चिन्हित है जहां लगातार सड़क दुर्घटना होती है, उन संबंधित स्पॉट के समीप सड़क सुरक्षा

के पर्याप्त साइनेज लगाया जाए.साथ ही पब्लिक अवेयरनेस भी करवाते रहें. सड़क दुर्घटना में जो गोल्डन आवर अर्थात सड़क हादसा के बाद 45 मिनट का जो वक्त होता है वह काफी गोल्डन आवर होता है.उस अवधि में घायल व्यक्ति को समुचित इलाज के अभाव के कारण ही उनकी मृत्यु होती है उस अवधि में उपचार होने से घायल व्यक्ति की जान बच सकती है.इसके लिए जो भी एसओपी है, उसका अच्छे से पालन करवाते हुए बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करवाये.मगध मेडिकल अस्पताल में ट्रामा सेंटर को पूरी तरीके से फंक्शनल करवाने का निर्देश दिए हैं.साथ ही उन्होंने बैठक के माध्यम से निर्देश दिए हैं कि शेरघाटी अस्पताल में भी ट्रामा सेंटर चालू करवाया जाए ताकि जीटी रोड पर यदि कहीं रोड एक्सीडेंट होते हैं तो मरीज को तुरंत इलाज करवाया जा सके.**संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक प्रत्येक तीन माह पर नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए.**

विधायक बाराचट्टी ने कहा कि सहयोग शिविर में सड़क दुर्घटना के मामले आए हैं,

जिसमें सड़क दुर्घटना से संबंधित जितने भी मामले आएंगे वहां आम जनता अपनी कागजात को जमा कर सकेंगे एवं आम जनता हेल्पलेस काउंटर से सड़क दुर्घटना के पश्चात राज्य सरकार की योजना का कैसे लाभ लेंगे इत्यादि संबंधित जानकारी ले सकेंगे.उन्होंने एसडीओ नीमचक बथानी को निर्देश दिए हैं कि टेउसा बाजार में दिन में बड़े वाहन नही जाए, इसे सुनिश्चित करवाये. **यातायात नियमों को पालन करवाया जाए--केंद्रीय मंत्री.**केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यातायात नियमों को पालन करवाया जाए.कोई भी वाहन अपने क्षमता से अधिक सवारी को नही बैठाए, इसे लगातार जांच करवाते रहे. सड़क पर कही भी बालू का ढेर नही रहे, इसे खनन विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करे.बालू घाटों से निकल रहे बालू लदे वाहनो को ढक कर ही परिचालन हो, सड़क पर एवं सड़क किनारे बालू बिखरा नही रहे, इसे भी देखते रहे. डीएम ने कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग को निर्देश दिए हैं कि बालू घाटों के समीप वाले सड़को की सफ़ाई करवाये, सड़को पर बिखरे बालू को सफ़ाई करवाये, सफाई में खर्च होने वाली राशि खनन विभाग के माध्यम से बालू घाटों के संवेदक से लिये जाएंगे.उन्होंने कहा कि जिस भी सड़क पर पूर्व से लाइट लगे हुए है, वह सभी लाइट रात्रि अवधि में जले, इसे सुनिश्चित करवाये, जो लाइट बंद पड़े है, तो ठीक करवाया जाए, ताकि सड़क दुर्घटना कम हो सके.बैठक में अध्यक्ष बिहार विधानसभा, विधायक गुरुआ/ बाराचट्टी/अतरी, एसएसपी, नगर आयुक्त, डीडीसी, आरटीए मगध प्रमण्डल, डीटीओ, सड़क सुरक्षा के सभी सदस्य गण, ज़िला स्तरीय पदाधिकारी गण उपस्थित थे.

शहर के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : बिहार विधानसभा अध्यक्ष सह नगर विधायक डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितीश मिश्रा, विभागीय प्रधान सचिव, नगर आयुक्त गया, बुडको प्रबंध निदेशक,बुडको के अधिकारियों एवं गया नगर निगम के पदाधिकारियों के साथ गया शहर के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक रविवार को आयोजित की गई.बैठक में शहर की जलनिकासी व्यवस्था, गंगा जलापूर्ति योजना, पार्किंग, सड़क निर्माण, हरित विकास, पर्यटन अवसंरचना तथा नगर निगम की विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई.

बैठक में डॉ. प्रेम कुमार ने गया शहर के ड्रेनेज सिस्टम को शीघ्र सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए.उन्होंने फल्गु नदी में प्रदूषित जल के प्रवाह को रोकने हेतु सीवरेज लाइन एवं एसटीपी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया. साथ ही गंगा जलापूर्ति योजना के अंतर्गत शेष घरों तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने एवं सर्वेक्षण कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने को कहा.

बैठक के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने विष्णुपद एवं बोधगया क्षेत्र में अंडरग्राउंड केबलिंग, घाटों के चौड़ीकरण तथा दोनों धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया.उन्होंने कहा कि गया एवं बोधगया विश्वस्तरीय धार्मिक और पर्यटन केंद्र हैं, इसलिए यहां की आधारभूत सुविधाओं का विकास उच्च मानकों के अनुरूप होना चाहिए.डॉ. प्रेम कुमार ने शहर में बढ़ती पार्किंग समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शहरीकरण एवं व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार के कारण पार्किंग की समुचित व्यवस्था विकसित करना समय की मांग है.

उन्होंने आधुनिक पार्किंग सुविधाओं के विकास के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया.बैठक में नगर निगम एवं विभागीय योजनाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने पर भी विशेष चर्चा हुई.

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि विकास योजनाओं में सार्वजनिक धन का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा सामग्री की खरीद, वाहन संचालन एवं अन्य कार्यों की नियमित समीक्षा कर अनावश्यक व्यय पर रोक लगाई जाए.उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने और प्राप्त शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया.बोधगया मास्टर प्लान, डेल्हा बस स्टैंड विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने के संबंध में भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ.

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गया एवं बोधगया के विकास के लिए राज्य सरकार और विभागीय एजेंसियां समन्वित रूप से कार्य करें ताकि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके.बैठक में नगर विकास एवं आवास मंत्री नितीश मिश्रा ने भी विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में समयबद्धता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर बल दिया.डॉ. प्रेम कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के समन्वित प्रयासों से गया शहर में आधारभूत सुविधाओं का और अधिक विस्तार होगा तथा नागरिकों को बेहतर शहरी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी.

संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी का गया आगमन पर किया गया भव्य स्वागत

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : बिहार सरकार के खान एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी के आगमन पर गया परिसदन में उनका भव्य स्वागत किया गया.इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद सहित अनेक कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं गणमान्य नागरिकों ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया.स्वागत करते हुए राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने मंत्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रमोद चंद्रवंशी एक कुशल संगठनकर्ता, लोकप्रिय जननेता एवं समर्पित जनसेवक हैं.उन्होंने अपने राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में सदैव जनता की समस्याओं के समाधान तथा प्रदेश के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है.उनके नेतृत्व में खान एवं कला-संस्कृति विभाग निरंतर नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है तथा राज्य की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैंउन्होंने कहा कि आज गया की पावन धरती पर मंत्री का स्वागत करने का अवसर प्राप्त होना हम सभी के लिए गौरव एवं सौभाग्य का विषय है.उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संगठन को निरंतर मजबूती मिल रही है तथा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है.मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने भी सभी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का स्नेह और कार्यकर्ताओं का सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है.उन्होंने राज्य के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा जनकल्याण के कार्यों को और अधिक गति देने के अपने संकल्प को दोहराया.राजेंद्र प्रसाद ने मंत्री के स्वस्थ, सफल एवं यशस्वी सार्वजनिक जीवन की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं.

पिकअप से 1076 लीटर विदेशी शराब जब्त, भोजपुर का युवक गिरफ्तार

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के आमस थाना क्षेत्र में मद्यनिषेध विभाग ने शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से 1076.400 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की है.गुप्त सूचना के आधार पर राज विगहा के समीप चलाए गए विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान टीम ने संदिग्ध पिकअप वाहन संख्या गक-10इइ-6823 को रोककर तलाशी ली.जांच में वाहन के अंदर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब छिपाकर ले जाई जा रही थी.मौके पर ही वाहन को जब्त कर लिया गया और चालक को गिरफ्तार कर लिया गया.अधिकारियों के अनुसार बरामद शराब की कुल संख्या 2760 बोतल है, जिसे बिहार के विभिन्न इलाकों में खपाने की तैयारी थी.गिरफ्तार युवक की पहचान विकाश कुमार (23 वर्ष), पिता जय कुमार सिंह, निवासी कुम्हैला गांव, थाना चारपोखरी, जिला भोजपुर के रूप में हुई है.अधिकारियों का मानना है कि यह खेप किसी संगठित तस्करी गिरोह से जुड़ी हो सकती है.मामले में मद्यनिषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है.

आशीष तानी पूर्ति ने भारत को मेंस अंडर 18 एशिया कप का स्वर्ण पदक दिलाया

काकामिगाहारा : जापान के काकामिगाहारा में आयोजित मेंस अंडर 18 एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद, जमशेदपुर स्थित नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) भारतीय हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मना रही है. एनटीएचए के दो प्रमुख कैडेट आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय ने भारतीय अंडर 18 राष्ट्रीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई. भारत ने फाइनल मुकाबले में मेज़बान जापान को 4-1 से हराकर शानदार अंदाज़ में खिताब अपने नाम किया.इस टूर्नामेंट ने राष्ट्रीय टीम के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने वाले प्रमुख केंद्र के रूप में एनटीएचए की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया. अकादमी के कैडेट्स ने भारत के अपराजित रहते हुए खिताब जीतने के अभियान में प्रत्यक्ष और महत्वपूर्ण योगदान दिया.जापान में आयोजित इस चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट के दौरान, जमशेदपुर स्थित एनटीएचए में मिले उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, सामरिक कौशल और शारीरिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला. टूर्नामेंट के सबसे बड़े स्टार के रूप में उभरते हुए आशीष ने आधुनिक डिफेंसिव ड्रैग-फ्लिकिंग का शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने 13

गोल के साथ एशिया कप के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट का समापन किया. खास बात यह रही कि दबाव वाले अहम मुकाबलों में उन्होंने अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. सेमीफाइनल और जापान के खिलाफ फाइनल दोनों में लगातार हैट्रिक लगाकर उन्होंने भारत की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई. फाइनल में उन्होंने दूसरे, 28वें और 34वें मिनट में गोल दागे. उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.भारतीय मिडफील्ड के प्रमुख खिलाड़ी के रूप में प्रेमचंद ने अपनी शानदार समझ, तेज़ खेल और बेहतरीन नियंत्रण से भारत के खेल की रफ्तार तय की. उन्होंने विपक्षी टीमों की रक्षा पंक्ति को तोड़ते हुए लगातार फॉरवर्ड खिलाड़ियों के लिए मौके बनाए. चीनी ताइपे के खिलाफ उनका महत्वपूर्ण फील्ड गोल भी भारत की सफलता में अहम रहा. उनके प्रदर्शन ने पूरे टूर्नामेंट में एशियाई टीमों पर भारत की बढ़त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए एनटीएचए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर गुरमीत सिंह राव ने कहा: 'नवल टाटा हॉकी अकादमी और पूरे झारखंड के लिए यह बेहद गर्व का क्षण है. अशीष और प्रेमचंद को सिर्फ भारतीय टीम का हिस्सा ही नहीं, बल्कि एशियाई स्तर के फाइनल जैसे बड़े मुकाबले का रुख तय करते देखना हमारी अकादमी की सोच और प्रशिक्षण व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता है. जब हमने इन खिलाड़ियों का चयन किया था, तभी हमें उनके असाधारण प्रतिभाशाली होने का विश्वास था. आज उन्हें सुनियोजित और पेशेवर प्रशिक्षण के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मंच पर टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर और बेहतरीन मिडफील्ड खिलाड़ी के रूप में उभरते देखना बेहद संतोष और गर्व की बात है. उन्होंने साबित कर दिया है कि हमारी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रणाली विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर रही है.'

डॉ सिगब्तुल्लाह खान उर्फ टूटू खान हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के बनाए गए जिलाध्यक्ष

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : डॉ सिगब्तुल्लाह खान उर्फ टूटू खान हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के जिलाध्यक्ष बनाए गए.प्रदेश अध्यक्ष बिहार प्रदेश हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (सेक्युलर) सह पूर्व मंत्री डॉ अनिल कुमार ने पत्र जारी कर गया जिला का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया.जारी पत्र में लिखा गया कि दलहित में आपको हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के बिहार प्रदेश के गया जिला का अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया जाता है.आपसे अपेक्षा की जाती है कि दल के संगठन मजबूत करने में भूमिका निभाएगें.साथ ही लिखा गया कि पत्र प्राप्ति के एक माह के अंदर बिहार प्रदेश के गया जिला में कार्यकारिणी का गठन कर राज्य मुख्यालय को भेजेंगे.वहीं इस संबंध में शनिवार को डॉ सिगब्तुल्लाह खान उर्फ टूटू खान ने बताया कि मुझे जिलाध्यक्ष बनाने के लिए पार्टी के जितना राम मांझी, संतोष सुमन, अतरी विधायक रोमित कुमार एवं प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह को धन्यवाद एवं आभार जताता हूँ.जिन्होंने मुझे इस पद की जिम्मेदारी दी है.उन्होंने बताया कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है उसे निर्वहन करूंगा.साथ ही कहा कि संगठन को और मजबूत बनाऊंगा.

सी.पी. सिन्हा के प्रथम पुण्यतिथि पर कुशवाहा समाज के सभी संगठनों ने एकता बद्ध होने का लिया संकल्प

पटना: (बिहार) शनिवार दिनांक - 06 जून 2026 को सी.सी. सिन्हा फाउंडेशन के तत्वाधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश महासचिव, डॉक्टर शक्ति कुमार शोला की अध्यक्षता में रविंद्र भवन, पटेल पथ, पटना में पूर्व विधान - परिषद सदस्य एवं बिहार राज्य किसान आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक, स्वर्गीय सी.पी. सिन्हा का प्रथम पुण्यतिथि मनाया गया! कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार - सरकार के योजना एवं विकास मंत्री, भगवान सिंह कुशवाहा तथा पंचायती राज मंत्री, दीपक प्रकाश ने संयुक्त रूप से मिलकर किया! इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री सह विधायक जयंत राज कुशवाहा, जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी मनीष वर्मा, विधान - परिषद सदस्य सह सचेतक, संजय कुमार सिंह, इंद्र राज़ सिंह सैनी, हरियाणा के पूर्व सांसद, गुरुदयाल सिंह सैनी, सैनी समाज के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष, सुलोचना कुमार मौर्य, अखिल भारतीय कुशवाहा महासचिव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, शंकर मेहता, राकेश महतो कुशवाहा सहित जगदेव सेना के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, मनोरंजन कुशवाहा, महासचिव नागरिक परिषद, अजय कुशवाहा, छोटू सिंह, विधायक प्रत्याशी, वैशाली, सूर्यकांत कुमार कुशवाहा, संयोजक सी.पी. सिन्हा फाउंडेशन, आलोक

कुशवाहा, युगल किशोर कुशवाहा, राष्ट्रीय संरक्षक कुशवाहा महासभा, पाल सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सावित्री बाई फुले ट्रस्ट दिल्ली, उदय शंकर कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष, कुशवाहा महासभा, दिल्ली, विक्रम सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, कुशवाहा महासभा उत्तराखंड, अनुपम सैनी कुशवाहा महासभा, हिमाचल प्रदेश सहित 13 राज्यों के प्रमुख साथियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत किया, तथा स्वर्गीय सी.पी. सिन्हा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लेने के लिए समाज को प्रेरित किया! इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय सी.पी. सिन्हा जी समाज के प्रखर विचारक थे! जीवन में सादगी एवं सरल व्यवहार तथा कड़ी मेहनत, उनके उच्च विचार, लोगों की सेवा करना और समाज का विकास तथा एकता उनके जेहन में शामिल था! उन्होंने प्रदेश एवं देश के अनेकों छोटे नेताओं को बड़ा बनाने में अहम भूमिका का निर्वहन किया था! ज्ञात हो कि आयोजित कार्यक्रम में सी.पी.सिन्हा फाउंडेशन से जुड़े हुए सभी लोगों ने एकमत से उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया, तथा उनके अधूरे सपनों को पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध दिखे! बताया गया कि कार्यक्रम में लगभग 2,000 लोगों ने भाग लिया था, और तमाम लोगों ने स्वर्गीय सी.पी. सिन्हा के पुत्र, डॉक्टर शक्ति कुमार शोला को नेतृत्व करने का आग्रह किया, और सभी लोगों ने हाथ उठाकर एकमत से समर्थन भी किया, तथा तन - मन - धन से डॉक्टर शक्ति कुमार शोला को मजबूती देने का वादा किया, और बिहार - सरकार से मांग किया है, कि स्वर्गीय सी.पी. सिन्हा के पुत्र, डॉक्टर शक्ति कुमार शोला को सदन में भेजा जाए! जिससे स्वर्गीय सी.पी. सिन्हा के अधूरे सपनों को पूरा किया जा सके! ज्ञात हो कि संवाददाता को इस बात की जानकारी सोशल - मीडिया के माध्यम से ही प्रेस - विज्ञप्ति जारी करते हुए जगदेव सेना के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, मनोरंजन कुशवाहा ने दिया है!

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | सोमवार | 8 जून, 2026

युद्ध खत्म होगा या नहीं?

युद्धविराम और समझौते की कथित बातचीत के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने हुंकार भरी है कि ईरान 21 दिन में खत्म हो जाएगा. वह सब कुछ तबाह कर देंगे. फिर ट्रंप युद्धविराम की नई परिभाषा देते हुए कहते हैं कि सीमित और संयमित गोलीबारी युद्धविराम ही है. कमोबेश बमबारी, मिसाइलों की बौछार और विनाशक हमले तो बंद हैं. अमरीकी राष्ट्रपति किन 21 दिनों की बात कर रहे हैं? 8 अप्रैल से तो कथित युद्धविराम है. अब शांति-समझौता करना चाहते हैं अथवा युद्ध आगे भी जारी रह सकता है? दूसरी तरफ ईरान के आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमले कर तबाही मचा दी है. इन्हें अमरीकी सैन्य ठिकाने भी माना जाता है. कुवैत हवाई अड्डे का टर्मिनल-1 तो विनष्ट हो गया. वहां एक भारतीय (उज्जैन निवासी) मारा गया और 13 घायल हुए हैं. अन्य घायलों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है. ईरान ने एक ही रात में चार देशों पर हमले कर अमरीकी पक्ष को थर्रा दिया है. ईरानी नौसेना ने ओमान खाड़ी में अमरीकी युद्धपोत पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया है. अमरीका के कान खड़े हो गए होंगे! युद्ध के सायरन बजने लगे हैं. लड़ाकू विमान आसमान में मंडराने, गरजने लगे हैं. राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ समझौते को लेकर उम्मीद जताते हैं, तो दूसरी तरफ तबाही की धमकियां देते हैं! यह युद्धविराम कैसा है अथवा ईरान युद्ध का दूसरा चरण शुरू हो चुका है? इसी बीच अमरीकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान रोका जाए और सैनिकों की वापसी शुरू की जाए. प्रस्ताव में यह निर्देश भी है कि यदि भविष्य में युद्ध की कार्रवाई अपरिहार्य हो, तो पहले कांग्रेस (संसद) की मंजूरी ली जाए. प्रस्ताव के पक्ष में 215 और उसके खिलाफ 208 वोट आए. राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 4 सांसदों ने भी क्रॉस वोटिंग की और डेमोक्रेट्स का समर्थन किया. इससे पहले सीनेट में भी ट्रंप-समर्थक सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिए थे. संसद में पारित प्रस्ताव के जरिए राष्ट्रपति की निरंकुश युद्ध-शक्तियों को भी सीमित किया गया है. यह घटनाक्रम और परिदृश्य राष्ट्रपति ट्रंप के लिए राजनीतिक और संसदीय आघात से कम नहीं है. फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप पारित प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' करार देते हुए 'वीटो' कर सकते हैं, लेकिन वह राष्ट्रपति और संसद के बीच टकराव की नौबत से बचना चाहेंगे. यदि अमरीकी संसद राष्ट्रपति की 'वीटो' को बेअसर करना चाहेगी, तो 290 सांसदों को प्रस्ताव के पक्ष में वोट करना होगा. वह 'महाभियोग' सरीखी स्थिति ही होगी, लिहाजा हमें असंभव लगती है. बहरहाल 'वॉल स्ट्रीट जरनल' जैसे विख्यात अखबार ने यह खबर छापी है कि ईरान के संदर्भ में युद्धविराम कभी भी टूट सकता है! युद्धविराम है ही कहां? तब राष्ट्रपति ट्रंप सेनाओं को हमलों की इजाजत भी दे सकते हैं. ट्रंप बेहद असमंजस में हैं, क्योंकि उन्हें युद्ध खत्म करने का संसदीय आदेश मिला है, वह खुद भी युद्ध के बाहर आने को आतुर, व्याकुल हैं, लेकिन परिस्थितियां उनके खिलाफ हैं. अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी 'मूडीज' का नया आकलन है कि यदि एक सप्ताह में युद्ध नहीं रोका गया, तो उसके भयावह नतीजे होंगे. अमरीका में ही 'आर्थिक मंदी' फैल सकती है. युद्ध के कारण तेल-गैस की कीमतें 4-5 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी हैं, नतीजतन उत्पादन और परिवहन की लागत बढ़ गई है. मुद्रास्फीति का स्तर करीब 4.2 फीसदी तक बढ़ चुका है, जो अमरीका में अभूतपूर्व, अप्रत्याशित है. अमरीका ही नहीं, यूरोप में उर्वरक के दाम 70 फीसदी तक बढ़ चुके हैं. उससे भारत भी अछूता नहीं है, लिहाजा किसानों को सलाह दी जा रही है कि कम खाद का इस्तेमाल करें. भारत सरकार को खाद, उर्वरकों पर ही करीब 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी देनी पड़ रही है. खाद्य और ऊर्जा के संकट इतने विकराल होते जा रहे हैं कि अकाल और भुखमरी की नौबत सामने दिखाई देने लगी है. विश्व में स्थायी शांति की जरूरत है. युद्धों से किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता. समस्याओं को सुलझाने के लिए बेहतर तरीका बातचीत यानी संवाद ही है. दोनों पक्षों को मिल बैठकर हर मसले को बातचीत से सुलझाना चाहिए. विश्व के सक्षम देशों को आगे आकर मध्यस्थता करनी चाहिए तथा दोनों पक्षों को युद्ध खत्म करने के लिए राजी करवाना चाहिए. ट्रंप अगर शांति का नोबेल चाहते हैं, तो उन्हें संवाद के गहन अर्थ भी समझ लेने चाहिए.

'जीरो टॉलरेंस' की नीति बने

– डॉ. सुधीर कुमार

आज का युवा जब हाथ में लेटेस्ट स्मार्टफोन लेकर 5 जी की रफ़्तार से दुनिया फतह करने का सपना देखता है, उसी समय उसकी दूसरी हथेली में 'जम्बो' का एक छोटा सा पुड़ियानुमा पैकेट उसके अस्तित्व को 'शून्य' करने की साजिश रच रहा होता है. यह सिर्फ एक नशा नहीं, यह भारत के भविष्य का 'केमिकल लोचा' है. 21वीं सदी के भारत की चमक-धमक, स्टार्टअप्स और वैश्विक नेतृत्व के दावों के पीछे एक गहरा काला साया हमारी 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी युवा शक्ति को निगल रहा है. दिल्ली के आलीशान पबों से लेकर पंजाब, हरियाणा और मुंबई की गलियों तक फैला यह 'जम्बो' महज़ एक नशा नहीं, बल्कि घातक रसायनों का ऐसा कॉकटेल है जिसे 'मौत का सीधा आमंत्रण' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा. 'जम्बो' वास्तव में कोई एक दवा नहीं, बल्कि मेफेड्रोन, हेरोइन और जानवरों को दिए जाने वाले ट्रांक्विलाइज़र जैसे ज़ाइलाज़ीन जैसे घातक रसायनों का एक अनियंत्रित 'कॉकटेल' है. तस्कर इसकी अत्यधिक तीव्रता के कारण इसे 'जम्बो' कहते हैं, जिसकी एक सूक्ष्म खुराक भी व्यक्ति को हफ़्तों तक मदहोश रख सकती है. वैज्ञानिक दृष्टि से यह मिश्रण मस्तिष्क के डोपामाइन सिस्टम को पूरी तरह नष्ट करने के साथ-साथ सीधे श्वसन और हृदय तंत्र पर प्रहार करता है, जो इसे सामान्य नशों की तुलना में कहीं अधिक जानलेवा बनाता है. भारत में नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए 'स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985' (एन-डी-पी-एस) सबसे सशक्त कानूनी हथियार है. इसकी धारा 8 मादक पदार्थों के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, जबकि धारा 15 से 25 के तहत 'व्यावसायिक मात्रा' में ड्रग्स पाए जाने पर 20 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है. हालाँकि, 'जम्बो' जैसे आधुनिक 'डिजाइनर ड्रग्स' कानून के लिए चुनौती बने हुए हैं. इनके निर्माता नशीले पदार्थों की 'आणविक संरचना' में सूक्ष्म बदलाव कर देते हैं, जिससे ये प्रतिबंधित सूची से बाहर रह जाते हैं. यह कानूनी पेचीदगी स्पष्ट करती है कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में कानून को निरंतर अपडेट करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है. न्यायपालिका ने ड्रग तस्करी को समाज के विरुद्ध एक 'संगठित अपराध' मानते हुए सख्त रुख अपनाया है. 'स्टेट ऑफ पंजाब बनाम बलदेव सिंह (1999)' के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था को खोखला कर रहा है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है. इसी कड़ी में, हाल के वर्षों में अदालतों ने जमानत याचिकाएं खारिज कर पुनः यह स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के सौदागर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए. आज के दौर में रेव पार्टियां 'नशे' को एक 'स्टेटस सिंबल' और 'कूल' दिखने के माध्यम के रूप में परोस रही हैं. सोशल मीडिया और वेब सीरीज के मायाजाल से भ्रमित होकर युवा इसे महज एक रोमांचक 'प्रयोग' समझते हैं, जबकि यह 'प्रयोग' वास्तव में उनके जीवन की अंतिम यात्रा का टिकट साबित हो सकता है. पर्दे पर नशे का महिमामंडन 'स्वतंत्रता' लग सकता है, लेकिन हकीकत की जमीन पर यह केवल हंसते-खेलते परिवारों की बर्बादी की पटकथा लिखता है. युवाओं को यह समझना होगा कि दिखावे के 'स्वैगर' और जीवन के संघर्ष के बीच एक बहुत बारीक रेखा है; क्योंकि अस्पताल के बिस्तर या जेल की सलाखों के पीछे कोई 'एटीट्यूड' काम नहीं आता, वहां सिर्फ पछतावा शेष रह जाता है. नशा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक त्रासदी है. एक व्यक्ति का नशा उसके माता-पिता के सपनों, अपनों के भरोसे और स्वयं के सुनहरे भविष्य को जड़ से खत्म कर देता है. नशा मुक्ति के लिए कानून, तकनीक और संवेदना का समन्वय आवश्यक है. कानूनी स्तर पर, एन-डी-पी-एस मामलों के लिए 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' और साइबर-निगरानी को कड़ा करना होगा, वहीं दूसरी ओर, सामाजिक स्तर पर, शिक्षा के माध्यम से जमीनी जागरूकता फैलानी होगी. दृष्टिकोण में बदलाव लाते हुए नशा करने वालों को अपराधी के बजाय उपचार योग्य रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए. आधुनिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुधार कर समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए. आज नशा 'डिजिटल ट्रैपिंग' के जरिए युवाओं के घर तक पहुंच चुका है, जहां डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड ऐप्स ने इसे बेहद सुलभ बना दिया है. निस्संदेह, नशा अक्सर मानसिक तनाव या अकेलेपन का एक भ्रामक समाधान होता है. असली बहादुरी रसायनों के पीछे छिपने में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का बिना किसी कृत्रिम सहारे के सामना करने में है. 'जम्बो' जैसे जानलेवा पदार्थों से लड़ने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए समाज और परिवारों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अनिवार्य है. विंस्टन चर्चिल ने ठीक ही कहा था, जीत अंतिम नहीं है, हार घातक नहीं है; जारी रखने का साहस ही मायने रखता है. समय आ गया है कि हम अपनी तकनीक और प्रगति का उपयोग जहर फैलाने के लिए नहीं, बल्कि एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए करें. हमारी आज की जागरूकता ही कल की पीढ़ियों की सुरक्षा की गारंटी है. भारत का भविष्य स्मार्टफोन की धुंधली स्क्रीन पर नहीं, बल्कि उसके युवाओं के फौलादी स्वास्थ्य और सुदृढ़ चरित्र में सुरक्षित है.

(लेखक कुरुक्षेत्र वि.वि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं)

नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज होने जा रहा एक नया रिकॉर्ड

– महेन्द्र तिवारी

भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है. यहाँ जनता समय-समय पर अपने नेताओं का चयन करती है और सत्ता परिवर्तन के माध्यम से लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाती है. स्वतंत्रता के बाद से देश ने अनेक प्रधानमंत्रियों को देखा, लेकिन कुछ नेता ऐसे रहे जिन्होंने केवल शासन नहीं किया बल्कि भारतीय राजनीति की दिशा और स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं के बाद यदि किसी प्रधानमंत्री ने सबसे अधिक प्रभाव छोड़ा है तो वह नरेंद्र मोदी हैं. 10 जून 2026 का दिन इसी कारण राजनीतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे रिकॉर्ड के साथ चर्चा के केंद्र में होंगे जो भारतीय राजनीति में उनके लंबे और प्रभावशाली सफर का प्रतीक माना जा रहा है. नरेंद्र मोदी ने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी. उस समय भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था. यह जीत इसलिए ऐतिहासिक थी क्योंकि लगभग 30 वर्षों बाद किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिला था. उस दौर में देश भ्रष्टाचार, आर्थिक सुस्ती और राजनीतिक अस्थिरता जैसे मुद्दों से जूझ रहा था. जनता एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में थी जो निर्णायक दिखाई दे और देश को नई दिशा दे सके. नरेंद्र मोदी ने विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व के नारों के साथ चुनाव अभियान चलाया और जनता ने उन्हें भारी समर्थन दिया. 2014 की जीत केवल एक चुनावी विजय नहीं थी बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत थी. लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहने वाली कांग्रेस पार्टी पहली बार इतनी कमजोर स्थिति में पहुँच गई. दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी. नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व इस परिवर्तन का मुख्य केंद्र बन गया. गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पहचान पहले से ही एक विकासवादी नेता की बन चुकी थी और उसी छवि को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार मिला. इसके बाद 2019 का लोकसभा चुनाव आया. सामान्यतः किसी सरकार के 5 वर्षों के बाद सत्ता विरोधी लहर देखी जाती है, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहले से भी अधिक सीटें जीत लीं. इस विजय ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी केवल एक लोकप्रिय नेता नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्व बन चुके हैं. 2019 की जीत के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई. जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, तीन तलाक कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी सरकार ने कई ऐसे फैसले लिए जिनका व्यापक राजनीतिक प्रभाव पड़ा. 2024 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने. स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है. लगातार तीन बार सत्ता में लौटना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आसान नहीं होता. इसके लिए केवल चुनावी रणनीति ही नहीं बल्कि व्यापक जनसमर्थन, मजबूत संगठन और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता होती है. यही कारण है कि मोदी की तीसरी पारी को भारतीय राजनीति के बड़े घटनाक्रमों में गिना जाता है. 10 जून 2026 को नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन को लेकर चर्चा इसलिए तेज है क्योंकि वे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री बने रहने वाले नेताओं की सूची में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करेंगे. भारतीय राजनीति में लंबे कार्यकाल का विशेष महत्व माना जाता है क्योंकि लोकतंत्र में जनता हर चुनाव में सरकार को बदलने का अधिकार रखती है. ऐसे में यदि कोई नेता लगातार वर्षों तक जनता का समर्थन बनाए रखता है तो यह उसकी राजनीतिक क्षमता और जनस्वीकार्यता को दर्शाता है. स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू लगभग 16 वर्ष 286 दिन तक लगातार

प्रधानमंत्री रहे. यह रिकॉर्ड आज भी सबसे लंबा लगातार प्रधानमंत्रित्व माना जाता है. नेहरू ने 15 अगस्त 1947 से लेकर 27 मई 1964 तक देश का नेतृत्व किया. उनके सामने विभाजन की त्रासदी, आर्थिक कमजोरी, संस्थाओं के निर्माण और अंतरराष्ट्रीय पहचान जैसी अनेक चुनौतियाँ थीं. उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव मजबूत करने, सार्वजनिक क्षेत्र के विकास और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने का प्रयास किया. आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है. दूसरी ओर नरेंद्र मोदी ऐसे समय में प्रधानमंत्री बने जब भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका था. उनके सामने चुनौती थी कि भारत को आर्थिक, सामरिक और तकनीकी दृष्टि से और अधिक शक्तिशाली बनाया जाए. मोदी ने राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और मजबूत नेतृत्व को अपनी राजनीति का मुख्य आधार बनाया. उन्होंने विदेश नीति में भी सक्रियता दिखाई. अमेरिका, फ्रांस, रूस, जापान और खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को नई गति मिली. अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली दिखाई देने लगी. मोदी सरकार के दौरान अनेक कल्याणकारी योजनाएँ भी शुरू की गईं. जन धन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोले गए. उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए. आयुष्मान योजना के जरिए गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने का प्रयास हुआ. स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया. कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन योजना ने करोड़ों लोगों को राहत दी. इन योजनाओं ने गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के बीच मोदी सरकार की लोकप्रियता बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई. हालांकि विपक्ष लगातार सरकार की आलोचना भी करता रहा है. बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट और सामाजिक तनाव जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश की गई. कई विश्लेषकों का मानना है कि आर्थिक असमानता अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है. युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराना आने वाले समय में सरकार के सामने सबसे कठिन कार्यों में से एक होगा. किसान आंदोलन ने भी यह दिखाया कि बड़े जनसमूह सरकार की नीतियों का विरोध कर सकते हैं. लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद नरेंद्र मोदी की राजनीतिक लोकप्रियता लंबे समय तक बनी रही. भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक शक्ति भी मोदी की सफलता का एक बड़ा कारण रही है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा का विशाल कार्यकर्ता तंत्र बूथ स्तर तक सक्रिय रहता है. चुनाव प्रबंधन, प्रचार अभियान और मतदाताओं तक सीधा संपर्क भाजपा की विशेषता बन चुके हैं. इसके अलावा विपक्ष की एकजुटता की कमी ने भी भाजपा को लाभ पहुँचाया. कई राज्यों में विपक्षी दल आपसी मतभेदों के कारण मजबूत चुनौती प्रस्तुत नहीं कर सके. आधुनिक राजनीति में संचार माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है. नरेंद्र मोदी ने डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया. सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता ने उन्हें युवाओं और नए मतदाताओं से सीधे जोड़ने में सहायता की. रेडियो कार्यक्रमों, वीडियो संदेशों और विशाल जनसभाओं के माध्यम से उन्होंने लगातार जनता के साथ संवाद बनाए रखा. यह शैली पहले के प्रधानमंत्रियों से अलग मानी जाती है. नेहरू के समय में संचार के साधन सीमित थे, जबकि आज राजनीति का बड़ा हिस्सा डिजिटल मंचों पर भी संचालित होता है. इतिहास केवल आँकड़ों से नहीं बनता बल्कि जनमानस की स्मृतियों से भी बनता है. जवाहर लाल नेहरू को आधुनिक भारत की संस्थाओं के निर्माण के लिए याद किया जाता है. इंदिरा गांधी को निर्णायक नेतृत्व और राजनीतिक साहस के लिए जाना जाता है. अटल बिहारी वाजपेयी को संवाद और सहमति की राजनीति का प्रतीक माना जाता है. नरेंद्र मोदी की छवि एक ऐसे नेता की बनी है जिसने भारतीय राजनीति को अत्यधिक केंद्रीकृत नेतृत्व की दिशा दी और राष्ट्रवाद को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में स्थापित किया. 10 जून 2026 का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह दिन भारतीय राजनीति में नेतृत्व की निरंतरता और बदलते जनादेश दोनों का प्रतीक बन रहा है. लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना असाधारण उपलब्धि माना जाता है. यह केवल चुनावी जीत नहीं बल्कि जनता के विश्वास का संकेत भी होता है. नरेंद्र मोदी के समर्थक इसे मजबूत नेतृत्व की विजय मानते हैं, जबकि आलोचक इसे भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व आधारित राजनीति के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखते हैं. लेकिन दोनों पक्ष इस बात से सहमत दिखाई देते हैं कि पिछले एक दशक से अधिक समय में भारतीय राजनीति का केंद्र नरेंद्र मोदी ही रहे हैं. भविष्य में इतिहास नरेंद्र मोदी के कार्यकाल का मूल्यांकन कई आधारों पर करेगा. आर्थिक विकास, सामाजिक समरसता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिति, विदेश नीति की उपलब्धियाँ और आम नागरिक के जीवन में आए बदलाव इन सबके आधार पर उनके शासन को परखा जाएगा. यदि आने वाले वर्षों में भारत आर्थिक और तकनीकी शक्ति के रूप में और मजबूत होता है तो मोदी के कार्यकाल को विशेष महत्व दिया जाएगा. वहीं यदि बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसी समस्याएँ बढ़ती हैं तो आलोचनाएँ भी तेज होंगी. यही लोकतंत्र की विशेषता है कि किसी भी नेता का अंतिम मूल्यांकन इतिहास और जनता दोनों मिलकर करते हैं. इस प्रकार 10 जून 2026 केवल एक तारीख नहीं बल्कि भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण दौर का प्रतीक बनने जा रही है. यह दिन उस राजनीतिक यात्रा की याद दिलाता है जिसमें एक साधारण परिवार से निकला व्यक्ति देश का सबसे प्रभावशाली नेता बनता है और लगातार वर्षों तक सत्ता में बना रहता है. नेहरू से मोदी तक की यह यात्रा भारतीय लोकतंत्र की शक्ति, जनता के बदलते विश्वास और नेतृत्व की निरंतर बदलती परिभाषा को भी दर्शाती है. भारतीय राजनीति में रिकॉर्ड बनते और टूटते रहेंगे, लेकिन कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो इतिहास में स्थायी रूप से दर्ज हो जाते हैं. 10 जून 2026 को लेकर चल रही चर्चा भी भारतीय लोकतंत्र के ऐसे ही एक ऐतिहासिक क्षण की ओर संकेत करती है.

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

8 जून

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 8 जून है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह शनि है. इस माह का अधिपति ग्रह बुध है. आप बुध एवं शनि ग्रह के जीवनपर्यन्त प्रभावी रहेंगे. आपकी महत्वकांक्षाएँ काफी ऊँची रहेगी. आप अल्पभाषी, विचारवान, जागरुक एवं दूरदर्शी व्यक्ति हैं. आप अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम होंगे. आपका व्यक्तित्व दूसरों को सम्मोहित करने वाला होगा. आपके जीवन में आकस्मिक रूप से घटनाएँ घटित होंगी. आपके जीवन में अनेकों बार उतार-चढ़ाव के क्षण आयेंगे. स्वाभिमान की भावना आप में अधिक रहेगी. जनकल्याण की ओर आपका रुझान अधिक रहेगा. व्यर्थ का दिखावा आप पसन्द नहीं करेंगे. आप भौतिकवादी प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं. आप आर्थिक पक्ष को ज्यादा महत्व देंगे. भौतिक सुख सुविधा के लिए आप सदैव प्रयत्नशील रहेंगे. धार्मिक आध्यात्मिक कृत्यों की ओर आपका झुकाव अधिक रहेगा. आप क्रोधी स्वभाव के होंगे. क्रोध की अधिकता से आप अपना ही अहित कर बैठेंगे. आपका दाम्पत्य जीवन सामान्य सा रहेगा. आपका जनसम्पर्क श्रेष्ठ रहेगा. सुख-समृद्धि के लिए अपने इष्ट देवी-देवता की अर्चना बराबर करें. अपने दैनिक जीवन में हरा, नीला, भूरा एवं काले रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें. शनिवार के दिन काले रंग की वस्तुओं का दान करें. अपनी परम्परा के अनुसार धर्म का पालन अवश्य करें. गरीबों एवं असहायों की सेवा व सहायता निष्काम भाव से करें. आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ शं शनैश्चराय नम:	मास	:	जनवरी, अप्रैल एवं दिसम्बर
व्रत	:	शनिवार	वर्ष	:	8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
दिन	:	सोमवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	:	हरा, नीला, काला एवं भूरा
दिनांक	:	8, 17, 26	जन्मरत्न	:	नीलम
उपरत्न	:	नीली	अंक	:	2, 4, 6, 7
जड़ी	:	लाल चन्दन की जड़			

यंत्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 जनवरी से 20 फरवरी, 20 सितम्बर से 20 अक्टूबर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : अधूरी योजना साकार होने की ओर, भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, वाक्पटुता से कार्यों में अनुकूलता, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, मन प्रसन्न.

वृषभ : प्रतियोगिता में सफलता, धन सम्पत्ति विषयक मसला पक्ष में सुलझने की ओर, स्वाध्याय की ओर रुझान, रचनात्मक क्रियाकलापों की ओर अभिरुचि.

मिथुन : कार्य व्यवसाय में विस्तार या परिवर्तन हेतु नवयोजना की शुरुआत संभव, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास सार्थक, मनोविनोद के अवसर सुलभ.

कर्क : आरोग्य सुख में कमी, कार्यों के प्रति असंतोष, किसी खास व्यक्ति से धोखे की आशंका, आपसी सम्बन्धों में ताल-मेल का अभाव, विरोधियों का वर्चस्व.

सिंह : कार्यों में उन्नति का सुयोग, सुपरिचितों के सहयोग से समस्या का समाधान, शारीरिक अनुकूलता, राजनीतिक गति-विधियों की ओर रुझान, आत्मिक शांति.

कन्या : आर्थिक व्यावसायिक पक्ष में प्रगति हेतु नवप्रयास सार्थक, वाद-विवाद की स्थिति में कमी, किसी योजना का सुपरिणाम प्राप्त, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, यात्रा संतोषजनक.

तुला : स्वास्थ्य बेहतर, आत्मविश्वास से कुछेक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता, पुराने विवाद के समापन का मार्ग प्रशस्त, उन्नति की दिशा में प्रयास सार्थक.

वृश्चिक : समय विपरीत, जल्दबाजी में किया गया कार्य व लिया गया निर्णय अहितकर, आत्मीयजनों में कटुता, स्वास्थ्य में व्यवधान, निजी इच्छा की पूर्ति में बाधा.

धनु : व्यक्तित्व का विकास, कुछेक समस्याएं आपके पक्ष में सुलझने की ओर, पराक्रम से कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूलता, सामाजिक गतिविधियों की ओर रुझान.

मकर : कार्य व्यवसाय में लाभ का सुअवसर प्राप्त, पारिवारिक समस्याओं का समाधान संभव, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुयोग.

कुम्भ: विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, समस्या विशेष के समाधान के सन्दर्भ में स्वयं का निर्णय लाभप्रद, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, मनोविनोद के अवसर सुलभ.

मीन: पुरुषार्थ के प्रति अरुचि, आर्थिक व्यवसायिक प्रगति में बाधा, प्रियजनों से विश्वासघात होने की आशंका, वैवाहिक सुख में अड़चनें, कर्ज से परेशानी.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

भारत के लिए भारतीय जीवन शैली

– हृदयनारायण दीक्षित

पृथ्वी व्यथित है. पृथ्वी की व्यथा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तमाम प्रयास हुए. परसों अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस का आयोजन हुआ. पृथ्वी के अंगभूत जल, वायु, वनस्पति और सभी प्राणी आधुनिक जीवनशैली के हमले के शिकार हैं. पृथ्वी असाधारण संरचना है. ऋग्वेद के अनुसार वह पर्वतों का भार वहन करती है. वन वृक्षों का आधार है. वही वर्षा करती है. वह बड़ी और दृढ़ है. प्रकाशवान है. अमेरिकी विद्वान ब्लूमफील्ड ने अथर्ववेद का अनुवाद किया और पृथ्वी सूक्त की प्रशंसा की पृथ्वी ऊंची है, ढलान और मैदान भी हैं. यह वनस्पतियों का आधार है और बहुविधि कृपालु है. पृथ्वी सूक्त के कवि अथर्वा हैं. अथर्वा कहते हैं पृथ्वी का गुण गंध है. यह गंध सबमें है, वनस्पतियों में है. यह पृथ्वी संसार की धारक व संरक्षक है. वह पर्जन्य की पत्नी है. यह विश्वम्भरा है. पृथ्वी पर जन्मे सभी प्राणी दीर्घायु रहें. हम माता पृथ्वी को कष्ट न दें. यह माता है. पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, सभी जीव पर्यावरण चक्र के घटक हैं और जीवन के संरक्षक भी. इनमें वायु महत्वपूर्ण हैं. ऋग्वेद का ऋषि (ऋ0 1.90.6) कवि वायु को ही प्रत्यक्ष ब्रह्म या ईश्वर बताता है त्वमेव प्रत्यक्ष ब्रह्म असि. वायु प्राण है. वायु से आयु है. विश्व पर्यावरण के सूत्र भारत की ही धरती पर खोजे गए थे. शुद्ध पर्यावरण ही जीवन का आधार है. भारत के जनगणमन की प्राचीन संवेदनशीलता के खो जाने के कारण आज का भारत भूमण्डलीय ताप के खतरे में संवेदनशील है. पुरातन के गर्भ से युगानुकूल अधुनातन का विवेक चाहिए. विकास की भारतीय परिभाषा के सूत्र भी इसी में हैं. पर्यावरण का असंतुलन विश्व विनाश की आहट है. पृथ्वी अशांत है, भूस्खलन और भूकम्प है. वायु अशांत है, आंधी और तूफान है. जल अशांत है, बाढ़, अतिवृष्टि. अनावृष्टि के कोप हैं. वन उपवन अशांत हैं. अपनी प्राण रक्षा करें तो कैसे करें. सभी जीव अशांत हैं. पक्षी कहां रैन बसेरा बनाएं? यजुर्वेद (यजु 36.17) के कवि ऋषि ने सहस्त्रों वर्ष पहले अभिलाषा की थी अंतरिक्ष शांत हो. पृथ्वी शांत हो. वायु और जल शांत हों. वनस्पतियां औषधियां शांत हों. सर्वत्र सबकुछ शांत प्रशांत हो. यह ऋषि कवि संभवतः भविष्य का ताप उत्ताप देख रहा था. उसने शांतिपाठ के माध्यम से भरतजनों का मार्ग दर्शन किया था. विश्वबैंक आदि संस्थाओं के आकलन भी ऐसे ही आते हैं लेकिन दोनों में आधारभूत अंतर है. ऋषि के सामने जीडीपी गिरावट की समस्या नहीं थी. वह संपूर्ण विश्व का आनंद अभ्युदय ही देख रहा था. मूलभूत प्रश्न है कि आखिरकार क्या वन उपवन उजाड़ कर, कंक्रीट के महलों से प्राणवायु, रस या गंध का आनंद ले सकते हैं? ऐसे टिकाऊ विकास में हम टिकाऊ नहीं हैं. हमारा जीवन क्षणभंगुर और विकास टिकाऊ? दुनिया विकास के नाम पर ही नष्ट होने के कगार पर है. विकास की परिभाषा क्या है? क्या हम प्राणलेवा विषभरी वायु में मर जाने के बदले विकास चाहते हैं? क्या हम विकास के नाम पर औद्योगिक कचरे के आर्सेनिक, लेड आदि रसायनों से भरे पानी को पीने के लिए विवश है? साल 2005 में संयुक्त राष्ट्र का सहस्त्राब्दी पर्यावरण आकलन-मिलेनियम इको सिस्टम ऐसेसमेन्ट आया था. इसके अनुसार पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं. दुनिया की प्रमुख नदियों में पानी की मात्रा घट रही है. रिपोर्ट में चीन की येलो, अफ्रीका की नील और उत्तरी अमेरिका की कोलराडो नदियों में पानी घटने का उल्लेख था. गंगा-यमुना आदि नदियां जलहीन हो रही हैं. पक्षियों की अनेक प्रजातियों नष्ट हो चुकी हैं. जैव विविधता जलवायु का आधार है. अनेक जीव प्रजाति नष्ट हो चुके हैं. इस रिपोर्ट के पहले 2000 ई0 में पेरिस में 'अर्थचार्टर कमीशन' ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे लेकिन परिणाम शून्य रहा. पृथ्वी की ताप बढ़त को अधिकतम 2 डिग्री सेल्सियस तक रोकने पर भी सहमति बनी. बीते 150 वर्ष में 0.80 सेल्सियस की वृद्धि पहले हो चुकी है. वाहन बढ़े हैं. खतरनाक गैसे बढ़ी हैं. वन क्षेत्र घटा है. साल 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 सूत्र लक्ष्य तय किये थे. पर्यावरण भी इनमें महत्वपूर्ण सूत्र है. बदलते भूमण्डलीय ताप ने दक्षिण एशिया को कुप्रभावित किया है. भारत इसी क्षेत्र का प्रमुख हिस्सा है. विश्वबैंक की रिपोर्ट आई है. दक्षिण एशियाई हाट स्पाट: तापमान के प्रभाव और जीवर स्तर का परिवर्तन शीर्षक की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन से 2050 तक भारत की जीडीपी को 2.8 प्रतिशत की क्षति हो सकती है. रिपोर्ट का मन्तव्य साफ है. बढ़ते तापमान से ऋतु चक्र अव्यवस्थित होगा. कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा होगा. सूखा, बाढ़ और तूफान बढ़ सकते हैं. कृषि को नुकसान होगा. मानव जीवन अव्यवस्थित होगा. एनएसबीसी बैंक ने भी दक्षिण एशिया में भारत को सबसे ज्यादा नुकसान वाला क्षेत्र बताया था. बांग्लादेश व पाकिस्तान को कम क्षति वाले क्षेत्र बताए गए थे. रिपोर्ट में उत्तरी, उत्तर पश्चिम के क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील बताए गए थे. भारत जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की गिरफ्त में है, बावजूद इसके हम भारत के लोग अपनी जीवनशैली में बदलाव को तैयार नहीं हैं. हम परंपरागत प्राकृतिक स्वाभाविक जीवनशैली से दूर हैं. वैदिक भारत के लोगों की जीवनशैली पर्यावरण प्रेमी थी. तब यही भारत जलवायु और पर्यावरण संरक्षण का अति संवेदनशील भूखण्ड था. धरती से लेकर आकाश तक पर्यावरण की शुद्धता भारत की बेचैनी थी. विश्व इतिहास में पृथ्वी और जल को माता बताने की घोषणा ऋग्वेद के पूर्वजों ने की. उन्होंने पृथ्वी को माता और आकाश को पिता कहा. अथर्ववेद के कवि ऋषि ने 'मात भूमिः पुत्रो अहम् पृथिव्या' की घोषणा की थी. ऋग्वैदिक समाज ने वर्षा के इन्द्र, वरूण आदि कई देवता थे. लेकिन पर्जन्य नाम के वर्षा देव निराले हैं. वे प्रकृति की अनेक शक्तियों से भरे-पूरे हैं. समूचे जल प्रपंच के देव है पर्जन्य. ऋग्वेद (1.164) बताते हैं सत्कर्म से समुद्र का जल ऊपर जाता है. वाणी जल को कंपन देती है. पर्जन्य वर्षा लाते हैं. भूमि प्रसन्न होती है. यहां वर्षा पर्जन्य की कृपा है. आकाश पिता हैं. उनका रस पर्जन्य है. पर्जन्य वस्तुतः ईकोलाजिकल साईकिल-पर्यावरण चक्र हैं. तभी तो वे मंत्रों स्तुतियों से ही प्रसन्न नहीं होते. वे पृथ्वी, जल, वायु नदी, वनस्पति और कीट पतिंग सहित सभी प्राणियों के संरक्षण से ही प्रसन्न होते हैं. पर्यावरण के सभी घटकों का संरक्षण ऋग्वैदिक जीवन का सीधा सूत्र है. हम संस्कृति और परम्परा को पिछड़ा बताते हैं, आयातित जीवनशैली को आधुनिक कहते हैं. अपनी प्राचीनता के भीतर से आधुनिकता का विकास नहीं करते. वृक्ष वनस्पतियां पृथ्वी परिवार के अंग हैं. वृक्ष कट रहे हैं. वन क्षेत्र घट रहे हैं. पेड़ कटाई की अनुमति सामान्य कर्मकाण्ड है. पेड़ कटाई की अनुमति में पर्यावरण कोई विषय नहीं होता. नगरों-महानगरों के अराजक विस्तार में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई होती है. नगरीय विस्तार की कोई सीमा नहीं है. नगर अपने विस्तार में जल, जंगल और जमीन को निगलते रहते हैं. नगर क्षेत्र विस्तार की पर्यावरण मित्र नीति बनानी चाहिए. पेड़ भी प्राणी है. वे प्रकृति से ही सभी जीवों के लिए प्राणवायु देते हैं. कथित विकास मानव जीवन से दूर है और उपभोक्तावादी हैं. वैदिक पूर्वज पेड़ों को नमस्कार करते थे. आधुनिक मन को यह हास्यास्पद लग सकता है लेकिन इसकी मूल भूमि पर्यावरण संरक्षण ही है. भारत को भारत की जीवनशैली ही अपनानी चाहिए. क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर की उपासना करते हुए ही जीवन का अविरल प्रवाह संभव है. ***(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं)***

गुजरात के सूरत में ईटीपी प्लांट की टंकी में उतरे 4 सफाई कर्मियों की मौत

सूरतः गुजरात के सूरत शहर के खांड बाजार क्षेत्र में रविवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया. यहां की चौर्यासी डेयरी के पास स्थित रतिह ज्वेलर्स में अंडरग्राउंड ईटीपी(इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की टंकी की सफाई करने उतरे चार श्रमिकों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर चारों श्रमिकों को बाहर निकाला. उन्हें तत्काल उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया. मृतकों की पहचान निमेष विठ्ठलभाई सावलिया (26 वर्ष) सुपरवाइजर, विकास कुमार संतोषभाई सोनावणे (24 वर्ष), विजय भीखाभाई आहिरे (24 वर्ष),योगेश नानाभाई जादव के रूप में हुई है.

बताया जा रहा है कि सबसे पहले योगेश टैंक की सफाई के लिए अंदर उतरा था. उसके फंसने पर उसे बचाने के लिए विकास और विजय नीचे गया, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए. इसके बाद सुपरवाइजर निमेष सावलिया ने फायर विभाग को सूचना दी और खुद भी बचाव के लिए टंकी में उतरे, जहां वे भी बेहोश हो गए. इस तरह चारों की मौत हो गई.

वराछा जोन-ए के डिविजनल फायर ऑफिसर रणजीतसिंह खड़िया ने बताया कि सुबह 10:22 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति पानी के गड्ढे में गिर गया है. मौके पर पहुंचने पर पता चला कि रतिह ज्वेलर्स के एव्झ प्लांट में चार लोग फंसे हुए हैं. उन्होंने बताया कि किसी भी श्रमिक ने पीपीई किट या अन्य सुरक्षा उपकरण नहीं पहने थे. आसपास भी सुरक्षा उपकरण नहीं मिले. प्रथम दृष्टया यह गंभीर लापरवाही का मामला प्रतीत होता है, हालांकि वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी.

सूरत डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि ज्वेलरी प्रोसेसिंग के दौरान निकलने वाले अपशिष्ट को एकत्र करने के लिए यह टंकी बनाई गई थी, जिसकी नियमित सफाई हर दो महीने में की जाती है. सुबह सफाई के दौरान टंकी में मौजूद जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण चारों श्रमिक बेहोश हो गए. प्राथमिक तौर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के अभाव की चर्चा है.

मोदी सरकार के कैबिनेट विस्तार में पंजाब से ये दो बन सकते हैं मंत्री

राघव चड्ढा को भी मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्लीः मोदी कैबिनेट का विस्तार इस महीने के आखिरी में या फिर अगले महीने हो सकता है. केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह पहला मंत्रिमंडल विस्तार होने जा रहा है. इसमें उन राज्यों पर भी फोकस हो सकता है, जिसमें आने वाले सालों में विधानसभा चुनाव होने हैं. उत्तर प्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में अगले साल ही चुनाव हैं और यूपी में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी मजबूत स्थिति में है, जबकि पंजाब में अकेले दम पर जीतने की तैयारी कर रही है. इसी वजह से केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को राज्यसभा टिकट नहीं दिया गया और उन्हें संभवत: विधानसभा चुनाव लड़वाया जा सकता है. इसके अलावा भी कई दिग्गज पंजाब के नेताओं को चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी है. वहीं, चर्चाएं हैं कि कैबिनेट विस्तार में पंजाब से दो बड़े नेताओं को जगह मिल सकती है. एक हैं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और दूसरे अभी हाल ही में आम आदमी पार्टी से आए लोकप्रिय राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा. सूत्रों के अनुसार, इन दोनों नेताओं को पंजाब कोटे से मोदी मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया जा सकता है. तरुण चुघ की गिनती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भरोसेमंद नेताओं में होती है. वह पंजाब के अमृतसर जिले से आते हैं और एचआर में एमबीए की डिग्री हासिल की है. वह लंबे समय से आरएसएस से जुड़े रहे हैं और इस समय पार्टी के महासचिव हैं. वहीं, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, लद्दाख में भाजपा के इनचार्ज हैं. उन्होंने राज्य इगझ सचिव और राज्य भाजपा ट्रेनिंग सेल के इंचार्ज के तौर पर काम किया. 1997 में भाजपा युवा विंग पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष और युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर भी काम कर चुके हैं. सूत्रों की मानें तो मोदी सरकार में तरुण चुघ को कोई अहम मंत्रालय दिया जा सकता है.

पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट और बड़ी संख्या में युवाओं में लोकप्रिय राघव चड्ढा का भी नाम उन नेताओं में शामिल हैं, जिनके मोदी मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना है. राघव एक समय आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के करीबी हुआ करते थे, लेकिन पिछले दिनों उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली. उनको मिलाकर सात आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों ने भाजपा का दामन थामा.

इसमें हरभजन सिंह, संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल समेत तमाम अन्य सांसदों के नाम हैं. राघव लंबे समय से युवाओं पर केंद्रित मुद्दों को सदन में उठाते रहे हैं, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हुए और इंस्टाग्राम पर उनकी रील्स को लाखों युवाओं ने देखा.

हालांकि, जब आप छोड़ी तो फॉलोवर्स भी कम हुए. हालांकि, अब अगले साल पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए और चर्चित चेहरा राघव चड्ढा को अहम मंत्रालय भी मिल सकता है. केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को यूपी भाजपा अध्यक्ष बनाया गया है तो ऐसे में उनकी भी मंत्रिमंडल से छुट्टी होना तय है. कयास लगाए जा रहे हैं कि उनकी जगह पर राघव को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है.

भाजपा के नेता अब सड़कों पर सिलेंडर लेकर क्यों नहीं उतर रहे : खरगे

नई दिल्लीः कांग्रेस ने रविवार को घरेलू गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला किया और पूछा कि भाजपा नेता अब सिलेंडर लेकर सड़कों पर विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं, जबकि वे संप्रग सरकार के दौरान महंगाई पर शोर मचाते रहते थे. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में पश्चिम एशिया संघर्ष के जवाब में 41 देशों में ईंधन के स्रोत होने के बड़े-बड़े दावे किए थे, उनका क्या हुआ? उन्होंने पूछा कि आज भी ग्रामीण इलाकों में एलपीजी की कमी क्यों है. कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़ाकर 942 रुपये करने के बाद आई है, जबकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थी सालाना पहले चार रिफिल पर 300 रुपये प्रति रिफिल की सब्सिडी मिलने के बाद प्रभावी रूप से 642 रुपये प्रति सिलेंडर का भुगतान करते रह सकेंगे. खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, घरेलू एलपीजी के दामों में आग की लपटें आम जनता की रसोई को भस्म करने पर तुली हुई हैं. मोदी सरकार ने पिछले 4 महीनों में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 89 रुपये की बढ़ोतरी की है.

उन्होंने कहा, हमारे तीन सवाल हैं. संसद में मोदी जी ने लंबे-चौड़े दावे किए थे कि वह पश्चिम एशिया युद्ध के चलते 41 देशों से ईंधन प्राप्त कर रहे हैं. उसका क्या हुआ? ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की किल्लत क्यों है? खरगे ने कहा, 2025-26 में उज्ज्वला योजना में 5.56 करोड़ परिवारों ने केवल एक या एक भी रिफिल नहीं करवाया. इनमें से 3.30 करोड़ ने तो एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं लिया.

यह तो पश्चिम एशिया संकट के पहले की बात है. क्या यह मोदी सरकार की लूट का नतीजा नहीं है? कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, मोदी जी और भाजपा नेता संप्रग सरकार के दौरान महंगाई का शोर मचाते थे. क्या ये सच नहीं है कि मोदी सरकार ने 12 सालों में घरेलू एलपीजी के दामों में 530 रुपये की बढ़ोतरी की है? अब भाजपा के नेता सड़कों पर सिलेंडर लेकर क्यों नहीं बैठ रहे हैं?

नेपाल ने माना भारत का लोहा, सीमा विवाद पर बोला- खुले मन से होगी बातचीत

नई दिल्लीः सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की टिप्पणी के बाद अब नेपाल नरम पड़ता दिख रहा है. नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत की ताकत का लोहा मानते हुए कहा कि भारत एक बड़ी तकनीकी और आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है. उन्होंने कहा कि नेपाल भारत के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत के जरिए ही सीमा विवाद का हल चाहता है.

भारत दौरे पर आए खनाल ने कहा, जब हम सीमा की ओर देखते हैं तो भारत एक आर्थिक महाशक्ति के तौर पर नजर आता है. उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक स्तर पर खुद को साबित किया है और अर्थव्यवस्था के मामले में मजबूत हुआ है. उन्होंने कहा कि नेपाल की नई सरकार भारत को किसी भी मायने में विरोधी के तौर पर नहीं देखती है.

खनाल ने कहा कि हम अब अतीत के मामलों के साथ बंधे नहीं रहना चाहते हैं बल्कि भारत के साथ परस्पर लाभकारी संबंध चाहते हैं. उन्होंने कहा, हम भारत के साथ सीमा मुद्दे को 'खुले मन' से और द्विपक्षीय ढांचे के आधार पर हल करना चाहते है. हम 21वीं सदी की भू-राजनीति के विकृत, अति संवेदनशील नजरिए से भारत को नहीं देखते. बता दें कि खनाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच एक दिन पहले ही बातचीत हुई है. खनाल भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए हैं.

खनाल ने कहा कि जब हम खुले मन से साथ बैठेंगे तो सब साफ हो जाएगा और कोई भी मुद्दा इतना जटिल नहीं है कि जिसका हल ना निकल सके. आंकड़ों और तथ्यों के आधार पर सारी बातचीत होगी तो हल भी निकल आएगा. जयशंकर के साथ बैठक के दौरान खनाल ने कहा कि नेपाल भारत के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार नयी दिल्ली के साथ ठोस और सार्थ रूप से जुड़ने के लिए तैयार है. 'भारत और नेपाल के बीच एक विशेष संबंध है, जो सीमा पार संपर्क और साझा सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं की मजबूत नींव पर आधारित है.' बालेंद्र शाह ने 31 मई को कहा था कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद पर चर्चा के अलावा, काठमांडू चीन और ब्रिटेन के साथ भी संपर्क में है.

चंडीगढ़ पुलिस का एएसआई रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

नई दिल्लीः केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने चंडीगढ़ पुलिस के सेक्टर-39 थाने में तैनात सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) हितेश कुमार को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. आरोपित पर सड़क दुर्घटना मामले में वाहन को छोड़ने और शिकायतकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज नहीं करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है. सीबीआई ने रविवार को बताया कि इस मामले में 6 जून को शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि एएसआई हितेश कुमार ने सड़क दुर्घटना से जुड़े एक मामले में उसका वाहन छोड़ने और उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं करने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी.

जांच के दौरान बातचीत के बाद आरोपित 40 हजार रुपये लेने पर सहमत हो गया. इसके बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और 6 जून को आरोपित एएसआई को शिकायतकर्ता से 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया. गिरफ्तार एएसआई को चंडीगढ़ की सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा. सीबीआई ने आरोपित के ठिकानों पर तलाशी अभियान भी शुरू किया है. मामले की जांच जारी है.

किम जोंग उन की बहन का अमेरिका को सीधा संदेश

सपने देखना बंद करो, नहीं छोड़ेंगे परमाणु हथियार

प्योंगयांगः उत्तर कोरिया की नेता और तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने अमेरिका को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि उनका देश परमाणु हथियारों से कभी मुक्त नहीं होगा. रविवार को जारी बयान में किम जोंग उन की बहन ने अमेरिका के परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रयासों को बीते जमाने का अव्यावहारिक सपना करार दिया. किम यो जोंग ने साफ कहा कि अमेरिकी खतरों के बावजूद उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों का भंडार लगातार बढ़ाता रहेगा. उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका का कोई भी दावा उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में दिए गए दर्जे को चुनौती नहीं दे सकता और न ही उसका कोई कानूनी महत्व है.

बता दें कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सोमवार को उत्तर कोरिया की यात्रा पर पहुंच रहे हैं. यह उनकी पिछले सात वर्षों में पहली उत्तर कोरिया यात्रा होगी, जहां वे किम जोंग उन से मुलाकात करेंगे.

किम यो जोंग ने पिछले महीने बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनफिंग के बीच हुई शिखर वार्ता के बाद अमेरिका के दावों को झूठी जानकारी बताया. वाइट हाउस ने दावा किया था कि दोनों नेताओं ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण के साझा लक्ष्य की पुष्टि की है. किम यो जोंग ने कहा कि कुछ अमेरिकी अधिकारी अब भी वास्तविकता से दूर हैं और पुराने सपनों से बाहर नहीं निकल पाए हैं.

2019 में किम जोंग उन और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता विफल हो जाने के बाद उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेजी से विस्तार दिया है. विशेषज्ञों का मानना है कि किम जोंग उन अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में औपचारिक मान्यता दिलाना चाहते हैं, ताकि देश पर लगे आर्थिक प्रतिबंध हटाए जा सकें. रविवार को राज्य मीडिया केसीएनए ने रिपोर्ट किया कि किम जोंग उन ने सप्ताहांत में एक प्रमुख गोला-बारूद कारखाने का निरीक्षण किया और वहां उत्पादन क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए. इसका उद्देश्य पर्याप्त मात्रा में मिसाइलों की आपूर्ति सुनिश्चित करना था.

किम यो जोंग ने अमेरिका-चीन शिखर सम्मेलन के दौरान उत्तर कोरिया के परमाणु मुद्दे पर हुई कथित चर्चाओं की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया.

न्यूज कॉर्नर

यूएन अवॉर्ड से मेजर अभिलाषा बराक ने बढ़ाया देश का मान, प्रधानमंत्री मोदी बोले- ये नारी शक्ति की प्रेरणा हैं

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेजर अभिलाषा बराक को संयुक्त राष्ट्र मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर ढेरों बधाई दी हैं. प्रधानमंत्री ने देश और मानवता के लिए उनकी उत्कृष्ट सेवा की जमकर सराहना की. उन्होंने कहा कि मेजर बराक की यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय युवाओं और खासकर उन लड़कियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जो समाज और देश की सेवा करना चाहती हैं. आपको बता दें कि मेजर बराक भारत की पहली महिला कॉम्बैट हेलीकॉप्टर पायलट हैं और वह यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड पाने वाली देश की तीसरी महिला अधिकारी बन गई हैं. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, मेजर अभिलाषा बराक को संयुक्त राष्ट्र मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर बहुत-बहुत बधाई. मेजर बराक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के तहत एंगेजमेंट टीम कमांडर और जेंडर फोकल प्वाइंट के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं. यह सम्मान उनकी बेहतरीन ड्यूटी को दर्शाता है और साथ ही यूएन शांति मिशन में भारत के लंबे और मजबूत योगदान को भी दिखाता है. उनकी यह कामयाबी हमारी उन बेटियों के लिए प्रेरणा है जो देश की सेवा का सपना देखती हैं. संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पुरस्कार देते हुए मेजर बराक की तारीफ में कहा कि वह उन सभी लोगों के लिए एक आदर्श हैं जिनकी वह सेवा करती हैं और जिनके साथ काम करती हैं. इस बड़े सम्मान को हासिल करने के बाद लेबनान में तैनात मेजर बराक ने एक बेहद खूबसूरत बात कही. उन्होंने कहा, सपनों का कोई जेंडर नहीं होता और न ही लीडरशिप, साहस या मानवता की सेवा करने की इच्छाशक्ति का कोई जेंडर होता है. यह पुरस्कार इस बात की याद दिलाता है कि दुनिया में स्थायी शांति तभी आ सकती है जब हर किसी की आवाज सुनी जाए और सबको आगे बढ़ने के बराबर मौके मिलें. आपको बता दें कि लेबनान इस समय संयुक्त राष्ट्र का सबसे खतरनाक शांति-स्थापना वाला इलाका माना जाता है.

दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से तीन-भाषा नीति के क्रियान्वयन को स्थगित करने का किया आग्रह

नई दिल्लीः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर सीबीएसई द्वारा नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए चालू शैक्षणिक सत्र के बीच में तीन-भाषा नीति को अनिवार्य रूप से लागू किए जाने पर चिंता जतायी और इसे फिलहाल स्थगित करने का आग्रह किया है. शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि पर्याप्त शिक्षकों, पाठ्यपुस्तकों और नयी व्यवस्था लागू किए जाने से पहले तैयारी के बिना सत्र के बीच में इस नीति को अचानक लागू करने से गंभीर अव्यवस्था पैदा हो सकती है. स्थिति कुछ वैसी ही हो सकती है जैसी सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को जल्दबाजी में लागू करने के दौरान उत्पन्न हुई. मोदी को लिखे पत्र में सिंह ने कहा, मैं सीबीएसई की नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए मौजूदा सत्र के बीच तीन-भाषा नीति को अनिवार्य रूप से लागू किए जाने का विरोध करने वाले चिंतित अभिभावकों के एक समूह का ज्ञापन आपको भेज रहा हूं. सिंह ने कहा कि उनके संज्ञान में यह भी लाया गया है कि दिसंबर 2025 में हुई बैठक में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के शासी निकाय ने पाठ्यक्रम समिति की उस सिफारिश को मंजूरी दी थी, जिसके अनुसार 'एनसीईआरटी द्वारा भाषाओं की स्तरीय पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक स्कूल मौजूदा अध्ययन योजना, विशेषकर भाषा संबंधी व्यवस्था को जारी रखें.राज्यसभा सदस्य ने कहा कि अपनी ही शासी निकाय के निर्णय के बावजूद सीबीएसई ने 15 मई 2026 को एक परिपत्र जारी कर एक जुलाई 2026 से नौवीं कक्षा में तीसरी भाषा की पढ़ाई लागू करने का निर्देश दिया.

आकाश में 8 से 10 जून तक दिखेगा बृहस्पति और शुक्र का सबसे करीबी कंजंक्शन

भोपालः खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए अगले तीन दिन बेहद खास होने जा रहे है. दरअसल, 8 से 10 जून तक शाम को पश्चिम आकाश मे खूबसूरत और दुर्लभ खगोलीय नजारा दिखने को मिलेगा. हमारे सौर मंडल के दो सबसे चमकदार ग्रह शुक्र (वीनस) और बृहस्पति (जुपिटर) आकाश में एक-दूसरे के बेहद करीब आ रहे हैं.

मध्य प्रदेश की नेशनल अवार्ड प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने रविवार को इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि दोनों ग्रह 8 जून को पास आना शुरू होंगे और 9 जून को एक-दूसरे के सबसे ज्यादा नजदीक या पीक कंजंक्शन पर होंगे. इसके बाद 10 जून को फिर दोनों एक दूसरे से दूर होना शुरू हो जाएंगे. उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में होने वाली इस घटना को खगोलविज्ञान में कंजंक्शन कहा जाता है.

सारिका ने बताया कि ब्रह्मांड में ये ग्रह एक-दूसरे से करोड़ों किलोमीटर दूर हैं, लेकिन पृथ्वी से देखने पर इनका लाइन-ऑफ-साइट संरेखण ऐसा होगा कि ये लगभग आपस में मिलते हुए दिखाई देंगे. इस दौरान मंगलवार, 09 जून की शाम दोनों ग्रहों के बीच की कोणीय दूरी या एंगुलर डिस्टेंस घटकर मात्र 1.5 से 1.6 डिग्री रह जाएगी. इसे समझने का आसान तरीका यह है कि यदि आप अपने हाथ को सीधा फैलाकर आसमान की तरफ छोटी उंगली उठाएंगे, तो दोनों ग्रह उस एक छोटी उंगली की चौड़ाई के पीछे छिप सकेंगे.

सारिका ने बताया कि इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए टेलीस्कोप की जरूरत नहीं है आप इसे सूर्यास्त के ठीक बाद पश्चिम आकाश की ओर देखें. इस मिलन में इवनिंग स्टार कहा जाने वाला शुक्र ग्रह सबसे तेज सफेद रोशनी के साथ चमकेगा, जबकि उसके ठीक पास सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति अपनी पीली-सफेद आभा बिखेरता नजर आएगा.

सारिका ने यह भी जानकारी दी कि इस घटना के बाद 11 से 15 जून की अवधि में में बुध ग्रह भी इस कतार में शामिल हो जाएगा, जिससे पश्चिम के आसमान में एक सुंदर प्लैनेट परेड दिखाई देगा. इसके बाद 16 और 17 जून को हंसियाकार चंद्रमा भी इनके करीब आकर इस दृश्य की खूबसूरती में चार चांद लगाएगा. इस सप्ताह शाम के समय कुछ पल निकालकर प्रकृति और अंतरिक्ष के इस अनोखे और मनमोहक दृश्य का आनंद लेने के लिए तैयार रहें.

अन्नामलाई के जाने से भाजपा पर नहीं पड़ेगा कोई असर, कमल ही पार्टी का असली चेहरा: तमिलिसाई सौंदरराजन

चेन्नई : तमिलनाडु की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के पार्टी छोड़कर नया राजनीतिक संगठन शुरू करने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है. इस बीच प्रदेश भाजपा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तमिलिसाई सौंदरराजन ने पार्टी के भीतर भ्रम और अस्थिरता की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा किसी एक नेता के भरोसे नहीं चलती, बल्कि उसकी ताकत उसकी विचारधारा, संगठन और समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है.

तमिलिसाई सौंदरराजन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा का वास्तविक चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि उसका चुनाव चिह्न 'कमल' है. उन्होंने कहा कि पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए किसी वैकल्पिक चेहरे की आवश्यकता कभी नहीं पड़ी और भविष्य में भी नहीं पड़ेगी.

उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी का एकमात्र चेहरा कमल का चेहरा है. किसी अन्य चेहरे को दिखाकर भाजपा के लिए वैकल्पिक शक्ति खोजने की आवश्यकता हमें कभी नहीं पड़ी और न ही पड़ेगी. इस बात को लेकर मैं पूरी तरह आश्वस्त हूं.उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यक्ति पार्टी छोड़कर चला गया है, उसे भाजपा की ओर से न तो कोई विशेष समर्थन मिलेगा और न ही शुभकामनाएं.

भाजपा के भीतर कथित अस्थिरता और भ्रम की चर्चाओं को विपक्ष की राजनीतिक रणनीति बताते हुए तमिलिसाई ने कांग्रेस और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) नेताओं पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कई राजनीतिक घटनाक्रमों के बावजूद भाजपा मजबूती से खड़ी है और यही बात विपक्षी दलों को परेशान कर रही है. उनके अनुसार, कांग्रेस नेता माणिकम टैगोर और वीसीके के नेता वन्नियारसु भाजपा को कमजोर दिखाने के लिए तरह-तरह की कहानियां गढ़ रहे हैं, लेकिन पार्टी इन आरोपों और अटकलों की कोई परवाह नहीं करती.

जब पत्रकारों ने पूछा कि कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय रहे अन्नामलाई ने भाजपा क्यों छोड़ी, तो तमिलिसाई ने कहा कि इसका जवाब स्वयं अन्नामलाई ही दे सकते हैं. उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह धारणा बना चुके हैं कि अन्नामलाई के कारण ही भाजपा मजबूत हुई थी, जबकि वास्तविकता इससे अलग है. उन्होंने कहा, अन्नामलाई के आने से भाजपा मजबूत नहीं हुई थी और उनके जाने से भी भाजपा कमजोर नहीं होगी. यह पार्टी पहले भी मजबूत थी और आज भी मजबूत है. भाजपा की शक्ति किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं करती.

तमिलिसाई ने कहा कि भाजपा के सच्चे और समर्पित कार्यकर्ता आज भी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी ताकत साबित करने के लिए किसी से प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है. उनका कहना था कि जो लोग वास्तव में पार्टी और उसकी विचारधारा से प्रेम करते हैं, वे किसी भी परिस्थिति में संगठन का साथ नहीं छोड़ते.

तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि भाजपा के प्रमुख नेता पार्टी छोड़ने की सोच भी नहीं रहे हैं. उन्होंने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने हाल ही में सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर दिया है कि वह भाजपा में ही बने रहेंगे. उन्होंने कहा, जो लोग वास्तव में पार्टी के प्रति निष्ठावान होते हैं, वे कभी पार्टी नहीं छोड़ते. जब कोई पार्टी छोड़ देता है, तब यह सवाल उठता है कि उसकी निष्ठा कितनी मजबूत थी. हालांकि जो लोग पार्टी छोड़ चुके हैं, वे यदि सच्चाई को समझें तो वापस लौट सकते हैं.

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई के अलग होने के बाद तमिलनाडु भाजपा के सामने नेतृत्व और संगठन को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं. ऐसे समय में तमिलिसाई सौंदरराजन का यह बयान भाजपा नेतृत्व की ओर से एक स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि पार्टी किसी एक नेता के जाने से कमजोर नहीं होगी. उनके बयान से यह संकेत देने की कोशिश की गई है कि भाजपा की पहचान उसके नेताओं से अधिक उसकी विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता से जुड़ी हुई है. यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व अन्नामलाई के अलग होने को कोई बड़ा झटका मानने के बजाय संगठन की निरंतर मजबूती पर जोर दे रहा है.

युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी की कीमतें बढ़ीं, मोदी ने प्रभावी तरीके से स्थिति संभाली: फडणवीस

नागपुरः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को ईंधन और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर विपक्षी दलों की ओर से की जा रही आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि कीमतों में उतार-चढ़ाव का कारण ईरान-अमेरिका संघर्ष है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्थिति को कुशलतापूर्वक संभाला है और ऐसे समय में भी ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए कदम उठाए हैं, जब कई अन्य देशों में पेट्रोल, डीजल तथा गैस के दाम काफी बढ़ गए हैं. विपक्ष लगातार आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना कर रहा है. इससे पहले दिन में, राकांपा (शप) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बार-बार हो रही बढ़ोतरी से आम आदमी पर बोझ बढ़ रहा है और इसके लिए सरकार को राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी.

फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, पूरी दुनिया युद्ध जैसी स्थिति से परिचित है और कोई भी देश इससे अछूता नहीं है. हर देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतें ऊंची हैं. भारत में प्रधानमंत्री ने कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए बहुत प्रयास किए हैं. मेरा मानना है कि जब तक युद्ध जैसी स्थिति बनी रहेगी, तब तक कुछ प्रभाव जारी रहेंगे. लेकिन हमने पहले भी देखा है कि कीमतें घटी हैं, इसलिए जब मांग और उपलब्धता में बदलाव आएगा, तो कीमतें भी कम होंगी. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और उचित समय पर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे. घरेलू रसोई गैस के दाम में प्रति सिलेंडर 29 रुपये की बढ़ोतरी की गई है. पिछले तीन महीने में यह दूसरी बढ़ोतरी है. इससे पहले सात मार्च को भी प्रति सिलेंडर 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी. पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं.

बीएसआरटीसी बिहार में पंजीकृत मंदिरों, मठों की चल और अचल संपत्तियों का आकलन करेगा

पटनाः बिहार राज्य धार्मिक ट्रस्ट परिषद (बीएसआरटीसी) ने राज्य भर में पंजीकृत मंदिरों और मठों की सभी चल और अचल संपत्तियों का आकलन करने का निर्णय लिया है, ताकि उनके द्वारा संपत्तियों की अवैध बिक्री या खरीद पर रोक लगाई जा सके. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. बीएसआरटीसी ने सभी पंजीकृत मंदिरों और मठों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया है कि निजी संगठनों या सरकारी निकायों द्वारा उनके परिसर में कोई भी गतिविधि बीएसआरटीसी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त किए बिना न हो. बीएसआरटीसी के अध्यक्ष रणबीर नंदन ने बताया, बीएसआरटीसी ने राज्य भर में पंजीकृत मंदिरों और मठों की सभी चल और अचल संपत्तियों का आकलन करने का निर्णय लिया है. इस

संबंध में राज्य के लगभग 2,500 पंजीकृत मंदिरों और मठों को पत्र भेजा जाएगा. यह निर्णय पंजीकृत मंदिरों/मठों/ट्रस्ट की संपत्तियों की अवैध बिक्री/खरीद पर रोक लगाने के लिए लिया गया है. नंदन ने कहा कि राज्य सरकार पंजीकृत मंदिरों/मठों/ट्रस्ट की संपत्तियों की अवैध खरीद-बिक्री में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी. उन्होंने कहा कि बिहार हिंदू धार्मिक न्यास अधिनियम-1950 के अनुसार राज्य के सभी सार्वजनिक मंदिरों/मठों, ट्रस्ट और धर्मशालाओं का बीएसआरटीसी में पंजीकरण अनिवार्य है. बीएसआरटीसी अध्यक्ष ने कहा, हमने एक धार्मिक कैलेंडर जारी करने का भी निर्णय लिया है, जिसमें सनातन धर्म के सभी त्योहारों, पूजाओं और अन्य धार्मिक गतिविधियों का उल्लेख होगा. ये कैलेंडर राज्य भर में पंजीकृत मंदिरों और मठों के माध्यम से जनता के बीच वितरित किए जाएंगे. बीएसआरटीसी द्वारा संकलित नवीनतम आंकड़ों (35 जिलों से प्राप्त) के अनुसार, राज्य में लगभग 2,499 पंजीकृत और 2,512 अपंजीकृत मंदिर या मठ हैं. आंकड़ों के मुताबिक, सारण जिले में सबसे अधिक 206 पंजीकृत मंदिर और मठ हैं, जिसके बाद मुजफ्फरपुर (187), मधुबनी (156), पटना (144), पूर्वी चंपारण (137) और पश्चिमी चंपारण (136) का स्थान आता है.

राम मंदिर में चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब : अखिलेश यादव

लखनऊः समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गये. यादव ने इस मामले में अदालत से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया. उन्होंने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है. यादव ने पोस्ट में कहा, ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है. कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है.

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अदालत से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम

में गहरी आस्था से जुड़ा है. सरकार की चुप्पी संदिग्ध है. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेन्द्र दास ने अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पत्रकारों से कहा, अगर इस मामले में किसी ने कुछ गलत किया है, तो भगवान राम स्वयं उन्हें दंडित करेंगे. उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय ट्रस्ट को स्वीकार्य है. दास ने कहा, अगर कोई गलती हुई है, तो वह सामने आ जाएगी. अगर कोई कुकर्म हुआ है, तो जिम्मेदार लोगों को उसके परिणाम भुगतने होंगे.

खान ग्लोबल स्टडीज में अग्नि सुरक्षा जांच के दौरान संरचनात्मक खामियां पाई गईं: अधिकारी

पटनाः बिहार पुलिस ने रविवार को पटना स्थित खान ग्लोबल स्टडीज (केजीएस) में अग्नि सुरक्षा निरीक्षण के दौरान कई संरचनात्मक खामियां पाईं. इसने कहा कि संस्थान को एक सप्ताह के भीतर इन खामियों को दूर करने के लिए नोटिस जारी किया जाएगा. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. मुजफ्फरपुर जिले के एक निजी अस्पताल में लगी आग में कम से कम सात लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद यह अग्नि सुरक्षा जांच की गयी. केजीएस पटना स्थित एक कोचिंग संस्थान है, जिसकी स्थापना फैसल खान ने की थी, जिन्हें खान सर के नाम से जाना जाता है. यह कोचिंग संस्थान छात्रों को प्रतियोगी और सरकारी भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए प्रसिद्ध है. सहायक जिला अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा ने

पत्रकारों को बताया, अग्नि सुरक्षा निरीक्षण के दौरान हमें केजीएस में कुछ खामियां मिली हैं और जल्द ही नोटिस जारी किया जाएगा. यदि वे एक सप्ताह के भीतर अनुपालन करने में विफल रहते हैं, तो उचित कार्रवाई की जाएगी. शर्मा ने बताया कि केजीएस में 'फायर अलार्म सिस्टम' में खामियां पाई गईं, जबकि फायर पंप भी नहीं लगाया गया है. उन्होंने कहा कि ओवरहेड वॉटर टैंक की क्षमता भी अपर्याप्त थी और कोई स्थायी अग्निशमन प्रणाली भी नहीं थी. बार-बार कोशिश करने के बावजूद, केजीएस के अधिकारियों से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका.

राज्यव्यापी ऑडिट अभियान का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा, दिल्ली और मुजफ्फरपुर में हाल ही में हुई आग की घटनाओं के मद्देनजर, सभी होटलों, अस्पतालों और विभिन्न संस्थानों के लिए बड़े पैमाने पर अग्नि सुरक्षा ऑडिट और जांच की जा रही है. उन्हें उचित अग्नि सुरक्षा प्रणाली स्थापित करने और अग्निशमन विभाग से प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं.

राज्यपाल सचिवालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बिहार के 1,943 अस्पतालों में से 1,679 और राज्य के 4,020 होटलों में से 3,744 में अग्नि सुरक्षा ऑडिट और संबंधित अनुपालन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है.

लापता किशोरी मेनका मामले में प्रभारी थानाध्यक्ष लाइन क्लोज, अनुसंधानकर्ता निलंबित

किशनगंजः सदर थाना क्षेत्र के डुमरिया भट्ठा निवासी 13 वर्षीय किशोरी मेनका कुमारी के गुमशुदगी एवं मौत मामले में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए तत्कालीन प्रभारी थानाध्यक्ष को लाइन क्लोज तथा मामले के अनुसंधानकर्ता को निलंबित कर दिया है. दोनों अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज करने में विलंब और जांच में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप है. रविवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार, किशनगंज थाना कांड संख्या-574/26 में गुमशुदगी की शिकायत मिलने के बावजूद समय पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई. जांच में यह भी सामने आया कि शिकायतकर्ता लक्ष्मण कुमार साह जब अपनी पुत्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचे थे, तब उनके आवेदन में बदलाव कराया गया और मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया. मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी संतोष कुमार 4 जून को स्वयं रमजान नदी स्थित शिवगंगा छठ घाट पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया था, जहां किशोरी का शव बरामद हुआ था.

देश का रक्षा उत्पादन लगातार बढ़ रहा और अधिकांश उपकरण अब देश में ही बन रहे : रक्षा मंत्री

लखनऊः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि देश का रक्षा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और अधिकांश उपकरण अब देश में ही बन रहे हैं. लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने कैंट विधानसभा के कैंट मंडल-एक में आयोजित प्रबुद्धजन एवं वरिष्ठ जन संवाद कार्यक्रम में यह बात कही. उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में यहां सांसद बनने के बाद लखनऊ की प्रमुख समस्या यातायात जाम थी और इसे दूर करने के लिए रिंग रोड परियोजना को प्राथमिकता दी गई, जिसका लाभ आज शहरवासियों को मिल रहा है.

एक बयान के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लखनऊ महानगर इकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी भी मौजूद रहे.

रक्षा मंत्री ने कहा, लखनऊ अब रक्षा उत्पादन और अनुसंधान का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है. ब्रह्मोस

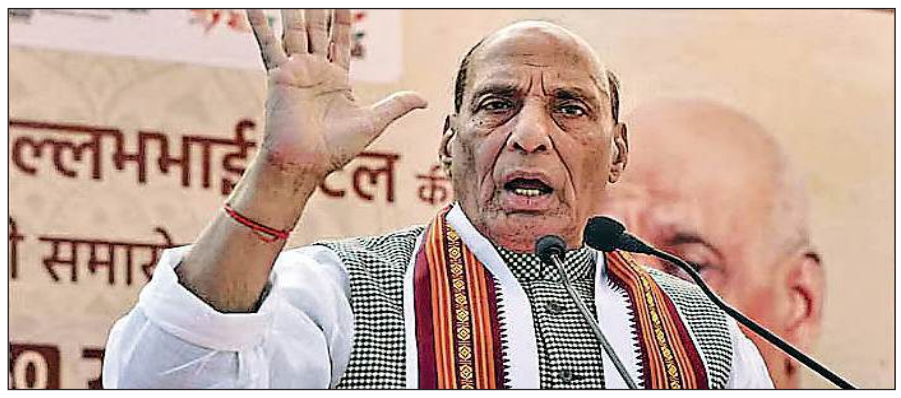

मिसाइल परियोजना समेत कई रक्षा इकाइयों को बढ़ावा दिया गया है. उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के विस्तार से युवाओं को शोध और नवाचार के नए अवसर मिल रहे हैं. सिंह ने बताया कि देश का रक्षा उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और अधिकांश उपकरण अब स्वदेशी ही बन रहे हैं. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है.

सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. उन्होंने कहा, प्रदेश में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण हो चुका है. लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे जैसी अहम परियोजनाएं भी जल्द शुरू होंगी. लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर समेत अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं. रक्षा मंत्री ने कहा कि आज देश में लगभग दो लाख स्टार्टअप हैं. सिंह ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा और नवाचार देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं. उन्होंने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत मजबूत स्थिति में है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का मस्तक किसी भी परिस्थिति में झुकने नहीं दिया जाएगा.

पटना में पीएमसीएच छात्र का शव बरामद, पिता का आरोप- लेन-देन के विवाद में हुई हत्या

पटना : राजधानी पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. थाना क्षेत्र स्थित हीरा चंद्र झा के मकान में किराए पर रह रहे एक छात्र का शव कमरे के अंदर लटका हुआ मिला. मृतक की पहचान गुड्डू राजा के रूप में हुई है. मृतक गुड्डू राजा पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नेत्र विभाग में टेक्नीशियन की पढ़ाई कर रहा था और सत्र 2025-2027 का छात्र था. घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया. पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है.

जानकारी के अनुसार, गुड्डू राजा 4 जून को अपने घर से वापस पटना लौटा था. वह पांच बहनों के बीच इकलौता भाई था. हाल ही में 13 मई को उसकी बहन की शादी हुई थी, जिसमें शामिल होने के लिए वह घर गया था. घटना के बाद पुलिस को कमरे से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसकी जांच की जा रही है.

हालांकि मृतक के परिजन इस मामले को आत्महत्या मानने को तैयार नहीं हैं. मृतक के पिता नरेश राय ने अपने बेटे की हत्या किए जाने की आशंका जताई है. उन्होंने आरोप लगाया कि

उनके बेटे का दो दोस्तों अनिकेत और नीरज के साथ पैसों का लेनदेन था. पिता के अनुसार, गुड्डू राजा ने दोनों को करीब चार लाख रुपये दिए थे, लेकिन वे राशि लौटाने में आनाकानी कर रहे थे. मृतक के पिता एक सरकारी विद्यालय में शिक्षक हैं.

वहीं मृतक की बहन मनीषा रानी ने भी आत्महत्या की संभावना से इनकार किया है. उन्होंने कहा कि उनके भाई से हाल ही में बातचीत हुई थी और उसने रविवार को कमरे की सफाई के लिए उन्हें बुलाया था. बहन का कहना है कि गुड्डू राजा के जीवन में किसी प्रकार की आर्थिक या पारिवारिक परेशानी नहीं थी. ऐसे में आत्महत्या की बात पर विश्वास करना मुश्किल है.

इधर मामले पर बुद्धा कॉलोनी थाना प्रभारी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है. उन्होंने कहा कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और घटनास्थल से कुछ ऐसे तथ्य मिले हैं जो आत्महत्या की ओर संकेत करते हैं. हालांकि परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों को भी गंभीरता से लिया जा रहा है.

बेतिया में वीडियो बनाने के दौरान बड़ा हादसा, रील बनाने की सनक ने ली दो दोस्तों की जान

बेतिया : बिहार के बेतिया में मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के अमवा मझार स्थित गंडक नहर में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में दो युवकों की डूबकर मौत हो गई. बताया जा रहा है कि दोनों युवक मोबाइल फोन से रील बनाने में व्यस्त थे, तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नहर के गहरे पानी में समा गए. इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है, वहीं मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बारी टोला गांव निवासी धर्म कुमार (18 वर्ष), पिता विनोद यादव तथा करण कुमार (19 वर्ष), पिता नंदलाल महतो के रूप में हुई है. दोनों युवक अपने कुछ दोस्तों के साथ रविवार को अमवा मझार स्थित गंडक नहर के 55 पुल बड़ा केवड़ा के समीप घूमने गए थे, इसी दौरान वे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए मोबाइल फोन से रील बना रहे थे. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वीडियो बनाने के क्रम में दोनों

युवक नहर के किनारे खड़े होकर अलग-अलग एंगल से शूट कर रहे थे. तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और दोनों नहर के तेज बहाव वाले गहरे पानी में जा गिरे. मौके पर मौजूद साथियों और आसपास के लोगों ने उन्हें बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन नहर का तेज बहाव और अधिक गहराई उनके लिए जानलेवा साबित हुई. वहीं घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे. काफी मशक्कत और खोजबीन के बाद दोनों युवकों के शव को नहर से बाहर निकाला गया.

लोन दिलाने के नाम पर सैकड़ों महिलाओं से ठगी, कंपनी का संचालक फरार

भागलपुरः जिले के नवगछिया अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में एक कथित फाइनेंस कंपनी द्वारा सैकड़ों महिलाओं को झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है. ठगी का आरोप आईबीएल फाइनेंशियल लिमिटेड नामक एक कंपनी पर लगा है, जिसने नवगछिया में एनएच 31 के समीप ब्रांच कार्यालय खोलकर महिलाओं को कम समय में भारी ऋण उपलब्ध कराने का प्रलोभन दिया और बाद में कार्यालय बंद कर फरार हो गई. बताया जा रहा है कि नवगछिया के संतोष धर्मकांटा के समीप एक अर्द्धनिर्मित भवन में कंपनी का कार्यालय संचालित किया जा रहा था.

कंपनी के कथित कर्मचारी पिछले कई दिनों से नवगछिया के इस्माइलपुर प्रखंड सहित नारायणपुर, बिहपुर तथा पसराहा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जाकर महिलाओं से संपर्क कर रहे थे. महिलाओं को बताया गया कि यदि वे कंपनी में 10 हजार रुपये जमा करती हैं तो मात्र 12 घंटे के भीतर उन्हें दो लाख रुपये का व्यवसायिक ऋण उपलब्ध करा दिया जाएगा. कंपनी के प्रतिनिधियों ने महिलाओं को भरोसे में लेने के लिए लगातार गांव-गांव जाकर बैठकें कीं और योजनाओं की जानकारी दी. उनके झांसे में आकर बड़ी संख्या में महिलाओं ने नकद एवं ऑनलाइन माध्यम से 10-10 हजार रुपये जमा कर दिए. बताया जा रहा है कि करीब 200 से अधिक महिलाओं से राशि ली गई है.

पीड़ित महिलाओं के अनुसार, उन्हें कहा गया था कि रात 12 बजे तक अथवा 12 घंटे के भीतर उनके खाते में ऋण की राशि भेज दी जाएगी. महिलाएं पूरी रात और अगले दिन तक अपने खातों की जांच करती

रहीं, लेकिन किसी के खाते में राशि नहीं पहुंची. जब महिलाएं अगले दिन कार्यालय पहुंचीं तो वहां ताला लटका मिला. कार्यालय बंद मिलने के बाद महिलाओं ने मकान मालिक से जानकारी ली.

मकान मालिक ने बताया कि कार्यालय संचालित करने वाले लोग ताला लगाकर चले गए हैं. बताया जाता है कि कार्यालय के लिए भवन किराये पर लेने संबंधी कुछ दस्तावेज भी उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन कंपनी के प्रतिनिधियों का कोई पता नहीं चल सका. इसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं आक्रोशित हो गईं और नवगछिया साइबर थाना पहुंचकर हंगामा करने लगीं.

साइबर थाना में पहुंची महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने व्यवसायिक ऋण की उम्मीद में कई जगहों से उधार लेकर या ब्याज पर पैसे उठाकर कंपनी को राशि दी थी. अब उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है. साइबर थाना पहुंचे पीड़ितों में कई महिलाएं रोती-बिलखती नजर आईं.

फिलहाल साइबर थाना में ऑनलाइन लेन-देन से संबंधित विवरण एकत्र किए जा रहे हैं तथा पीड़ित महिलाओं से आवेदन लिया जा रहा है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कंपनी के नाम पर कार्य कर रहे तीन-चार युवकों ने विभिन्न क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को अपने जाल में फंसाया और कथित रूप से लाखों रुपये की ठगी को अंजाम दिया. पुलिस का कहना है कि प्राप्त आवेदन और बैंकिंग लेन-देन के आधार पर मामले की जांच की जाएगी तथा दोषियों की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

'100 से ऊपर जा सकता है कटऑफ', बीएड प्रवेश परीक्षा के सवालों से गदगद दिखे अभ्यर्थी

पटना: बिहार में शिक्षक बनने की दिशा में पहला और सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जाने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा रविवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई. राज्य के 11 शहरों में बनाए गए 180 परीक्षा केंद्रों पर दोपहर 11 बजे से 1 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें करीब 1.23 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए. राजधानी पटना में ही 40 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे. परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्रों से बाहर निकलने वाले अधिकांश अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को अपेक्षाकृत आसान बताया और इस बार कटऑफ ऊंचा जाने की संभावना जताई.

असल में बीएड प्रवेश परीक्षा राज्य के उन लाखों युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, जो भविष्य में शिक्षक बनने का सपना देखते हैं. बिहार समेत देश के अधिकांश राज्यों में विद्यालय शिक्षक बनने के लिए बीएड डिग्री अनिवार्य है. इसके बाद अभ्यर्थियों को राज्य स्तरीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अथवा केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) उत्तीर्ण करनी होती है. तभी वे शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने के योग्य बनते हैं. यही वजह है कि हर वर्ष बड़ी संख्या में अभ्यर्थी इस परीक्षा में भाग लेते हैं. इस वर्ष आयोजित परीक्षा में 120 मिनट के भीतर 120 प्रश्नों का उत्तर देना था. कुल 120 अंकों की इस परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामान्य विज्ञान, गणित, रीजनिंग, भाषा दक्षता और टीचिंग एप्टीट्यूड से जुड़े प्रश्न

पूछे गए थे. परीक्षा देकर बाहर निकले अधिकांश अभ्यर्थियों का कहना था कि प्रश्नों का स्तर काफी सामान्य था और बेहतर तैयारी करने वाले छात्रों को प्रश्न हल करने में विशेष कठिनाई नहीं हुई.

पटना के बीएन कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते हुए छात्रा नेहा कुमारी ने कहा कि जीके-जीएस 40 अंक के पूछे गए थे और मैथ और रिजनिंग भी 25 अंक का था, जो बहुत आसान थे. हिंदी से भी आसान प्रश्न थे. प्रश्न आसान थे तो मुझे उम्मीद है कि 100 अंक से अधिक कटऑफ इस बार जाएगा. उन्होंने बताया कि अधिकांश प्रश्न बेसिक कॉन्सेप्ट पर आधारित थे.

छात्रा अंबिका कुमारी ने भी प्रश्नपत्र को आसान बताते हुए कहा कि जीके-जीएस के प्रश्न बहुत आसान थे और मुझे 100 अंक से अधिक आ जाएगा. मेरी नजर में प्रश्न बहुत ही आसान स्तर का था. सभी विषयों से बहुत ही बेसिक प्रश्न पूछे गए थे और जिसने भी थोड़ी बहुत भी पढ़ाई की होगी उसे प्रश्न सॉल्व करने में कोई दिक्कत नहीं हुई होगी.

इसी तरह छात्रा छोटी कुमारी ने कहा कि मैंने सभी सवालों को अटेंप्ट किया है और उम्मीद है कि 100 अंक से अधिक आ जाएगा और कटऑफ भी 100 अंक से अधिक जाएगा. जीके-जीएस में बहुत ही बेसिक प्रश्न थे. उदाहरण के तौर पर एक प्रश्न पूछा गया था कि मौर्य वंश की स्थापना किसने की थी. बहुत ही सतही प्रश्न सभी विषयों से पूछे गए थे और समय से पहले ही मैंने सभी सवालों को बना लिया था. परीक्षा देकर बाहर निकली खुशी कुमारी ने भी प्रश्नपत्र को आसान करार दिया.

उन्होंने कहा, मेरी नजर में प्रश्नपत्र बहुत ही आसान स्तर का था. मुझे उत्तर देने में कोई दिक्कत महसूस नहीं हुई और 100 अंक से अधिक मुझे आसानी से आ जाएंगे. प्रश्न आसान था तो कटऑफ अधिक रहने का अनुमान है. इस संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से बिहार के सरकारी और गैर-सरकारी बीएड कॉलेजों की करीब 37250 सीटों पर नामांकन होगा. राज्यभर के लगभग 380 बीएड कॉलेज इस प्रवेश प्रक्रिया का हिस्सा हैं. शिक्षा क्षेत्र के जानकार कुमार प्रियांक का मानना है कि यदि अधिकांश अभ्यर्थियों की तरह प्रश्नपत्र वास्तव में आसान रहा है तो इस वर्ष मेरिट और कटऑफ दोनों पिछले वर्षों की तुलना में अधिक जा सकते हैं. अब अभ्यर्थियों की नजर परीक्षा परिणाम और काउंसिलिंग प्रक्रिया पर टिकी है, क्योंकि यही परीक्षा उनके शिक्षक बनने के सफर की पहली महत्वपूर्ण सीढ़ी होती है.

न्यूज कॉर्नर

फुट ओवरब्रिज से मालगाड़ी पर कूदा युवक, हाईटेंशन तार में फंसकर बुरी तरह झुलसा

समस्तीपुर: बिहार के समस्तीपुर जंक्शन पर शनिवार देर रात एक चौंकाने वाला हादसा हो गया. फुट ओवरब्रिज से नीचे खड़ी मालगाड़ी पर छलांग लगाने वाले एक युवक की हाई टेंशन तार से टकराते ही बुरी तरह जल गई. युवक करीब 70-80 प्रतिशत तक झुलस गया. घटना लाइन नंबर 5 पर खड़ी मालगाड़ी की है. छलांग लगाते समय युवक हाई टेंशन तार में फंस गया और उसका शरीर धू-धूकर जलने लगा. रेलवे अधिकारियों ने तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कर दी. प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से पूरी तरह झुलसे युवक को नीचे उतारा गया. युवक काफी देर से फुट ओवरब्रिज पर खड़ा था. आरपीएफ की टीम ने घायल युवक को तुरंत समस्तीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया. वहां से हालत गंभीर होने पर उसे दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया. युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. आरपीएफ इंस्पेक्टर अविनाश क्रोशिया ने बताया कि युवक मानसिक रूप से बीमार प्रतीत होता है. उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उच्चउकभेजा गया है. आरपीएफ इस पूरे मामले की जांच कर रही है. पुलिस और आरपीएफ अभी यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि युवक ने जानबूझकर छलांग लगाई या कोई अन्य कारण था. आत्महत्या का प्रयास माना जा रहा है, लेकिन जांच जारी है.

हाथरस में युवती से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

हाथरसः उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के चंदपा थाना क्षेत्र के एक गांव में 20 वर्षीय एक युवती से दुष्कर्म करने के आरोप में शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, युवती शनिवार सुबह अपने घर के पास एक प्लॉट पर गई थी, तभी उसी गांव के रहने वाले आरोपी रुपेश उर्फ रूपा (24) ने उसे दबोच लिया और उससे कथित तौर पर दुष्कर्म किया. शिकायतकर्ता ने बताया कि युवती ने इस घटना की जानकारी अपनी भाभी को दी, जिसने बाद में परिवार को सूचित किया. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर शनिवार शाम को ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. सादाबाद के क्षेत्राधिकारी (सीओ) जे. एन. अस्थाना ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच की जा रही है.

कंपनी में काम करते समय कर्मचारी तीसरी मंजिल से नीचे गिरा, उपचार के दौरान मौत

नोएडाः थाना फेस- वन क्षेत्र के सेक्टर 1 में स्थित एक कंपनी में काम करते समय एक व्यक्ति तीसरी मंजिल से नीचे गिर गया. गंभीर हालत में उसको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी आज मौत हो गई.थाना फेस -वन के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने रविवार को बताया कि अमित कुमार पुत्र मुनमुन कुमार उम्र 29 वर्ष मूल निवासी जनपद छपरा बिहार सेक्टर 1 में स्थित एक कंपनी में काम करते थे. उन्होंने बताया कि 31 मई को काम करते समय वह कंपनी के तीसरी मंजिल से नीचे गिर गए. उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया. जहां पर उपचार के दौरान आज उनकी मौत हो गई है. उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

लखनऊ में बड़े भाई ने की छोटे भाई की हत्या

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर को आपसी विवाद में बड़े भाई ने सिलेण्डर से प्रहार करके छोटे भाई की हत्या कर दी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपित को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी. थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि जानकीपुरम विस्तार सेक्टर थ्री निवासी रामानंद मिश्रा के दो पुत्र अभिषेक और आर्यन में विवाद हो गया. मारपीट के दौरान बड़े भाई अभिषेक मिश्रा ने छोटे भाई आर्यन मिश्रा को सिलेण्डर से चोट पहुंचाई. घटना के उपरांत घायल आर्यन मिश्रा को उनके चाचा परमानन्द उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ ले गए, जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

न्यूज कॉर्नर

भारतीय कंपनियों को चीनी कंपनियों की तुलना में मिली बहुत कम सरकारी मदद

नयी दिल्लीः भारतीय कंपनियों को साल 2005 से 2024 के दौरान चीनी कंपनियों की तुलना में काफी कम सरकारी मदद प्राप्त हुई है. आर्थिक सहयोग और विकास संगठन की एक रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है. 'ओईसीडी मैजिक डेटाबेस ऑफ इंडस्ट्रियल सब्सिडीज' ये आकलन करता है कि कंपनियों को वास्तव में क्या प्राप्त होता है. इसमें 2005-24 के दौरान 15 प्रमुख सेक्टरों में दुनिया की 525 सबसे बड़ी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों का सब्सिडी, आयकर रियायतें और बाजार दर से कम ब्याज पर लोन, इन तीन साधनों के माध्यम से आकलन किया गया है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2005 और 2024 के बीच, चीनी कंपनियों को ओईसीडी देशों में स्थित कंपनियों की तुलना में औसतन 3 से 8 गुना ज्यादा सरकारी मदद प्राप्त हुई, जो एक न्यूनतम अनुमान है. ये अनुदान ब्राजील, भारत और इंडोनेशिया जैसी नॉन-ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में स्थित कंपनियों को प्राप्त सहायता से भी बहुत ज्यादा था.'' ओईसीडी एक अंतर-सरकारी निकाय है, जिसमें मुख्य रूप से 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं. ये सदस्य देशों के बीच आर्थिक वृद्धि, व्यापार, निवेश और नीति समन्वय को बढ़ावा देने के लिए काम करता है. इसके सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश शामिल हैं.

जएउऊकी रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि 2005 और 2023 के बीच विकास करने वाली कंपनियों के वैश्विक बाजार हिस्सेदारी में हुई बढ़ोतरी का लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा उन्हें प्राप्त सब्सिडी के कारण है. रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कंपनियों के मामले में उनकी वैश्विक बाजार हिस्सेदारी में हुई लगभग 60 प्रतिशत बढ़ोतरी को, उन्हें मिली सरकारी सहायता से जोड़ा जा सकता है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, सब्सिडी की जानकारी न देने वाले विश्व व्यापार संगठन (थढज) के सदस्यों की संख्या 1995 में 26 से बढ़कर 2025 में 117 हो गई है. यानी 23 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत, जिससे वैश्विक बाजारों में भरोसा कम हुआ है. बताते चलें कि भारत स्टील, सीमेंट, फर्टिलाइजर, भारी मशीनरी और ग्लास/सिरेमिक जैसे कई सेक्टरों में एक प्रमुख प्लेयर भी है.

किसानों ने एक क्विंटल प्याज के लिए मांगे 3000 रुपये, बोले- मौजूदा खरीद कीमत पर लागत निकलना भी मुश्किल

मुंबईः महाराष्ट्र के किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्याज खरीद के मानकों में दी गई ढील का स्वागत किया है, लेकिन उनका कहना है कि इससे उन्हें कोई खास राहत नहीं मिलेगी. किसानों ने सरकार से प्याज के लिए 3000 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम खरीद मूल्य तय करने की मांग की है. किसानों का कहना है कि भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) द्वारा लगभग 1,580 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही खरीद किसानों की लागत निकालने के लिए भी पर्याप्त नहीं है. केंद्र सरकार ने प्याज खरीद के लिए आकार और गुणवत्ता संबंधी मानकों में ढील दी है. इसके तहत स्वीकार्य आकार सीमा को 45-65 मिमी. से बढ़ाकर 35-70. मिमी कर दिया गया है. इसके साथ ही रंग, छिलके की खामियों और हल्की धूप से हुई क्षति जैसी गुणवत्ता संबंधी शर्तों को भी आसान बनाया गया है. हालांकि, किसान नेताओं का कहना है कि मुख्य समस्या खरीद मानकों की नहीं, बल्कि कम कीमतों की है. महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के नासिक जिला अध्यक्ष जयदीप भदाने ने कहा कि नियमों में ढील दी गई है, लेकिन किसान अब भी घाटे में हैं. असली सवाल ये है कि प्याज के दाम कब बढ़ेंगे. उन्होंने बताया कि पहले की ग्रेडिंग व्यवस्था में अगर कोई किसान 30 क्विंटल प्याज खरीद केंद्र पर लाता था, तो उसमें से केवल लगभग 25 क्विंटल ही स्वीकार किए जाते थे और बाकी प्याज उसे कम कीमत पर बाजार में बेचना पड़ता था.संघ के अध्यक्ष भरत दिघोले ने कहा कि प्याज उत्पादन की औसत लागत लगभग 1,800 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि किसानों को इससे कम कीमत पर फसल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. उनके अनुसार, उत्पादन लागत से कम दाम मिलने से किसान आर्थिक संकट में फंस रहे हैं.

कौड़ियों के भाव वाले इन शेयरों ने 3 महीने में दिया 80% तक का बंपर रिटर्न

नयी दिल्लीः घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है. मिडिल-ईस्ट के मौजूदा हालातों की वजह से बढ़ रही कच्चे तेल की कीमतें और भारतीय रुपये में चल रही गिरावट, बाजार को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं. हालांकि, बाजार में गिरावट के इस दौर में ऐसी भी कई कंपनियां हैं, जिनके शेयरों ने बंपर तेजी दिखने को मिल रही है. यहां आपको उन पेनी स्टॉक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने बीते 3 महीनों में 80 प्रतिशत तक का बंपर रिटर्न दिया है.पेनी स्टॉक्स अपनी कम कीमत और हाई रिटर्न की संभावना के कारण निवेशकों का ध्यान खींचते रहते हैं. हालांकि, इनमें काफी ज्यादा रिस्क होता है. कम लिक्विडिटी, बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव और सीमित पारदर्शिता की वजह से इनमें भारी नुकसान की आशंका बनी रहती है.बीएसई से मिली जानकारी के मुताबिक, आईटी सर्विस मैनेजमेंट कंपनी के शेयरों ने पिछले 3 महीनों में 80.42 प्रतिशत का बंपर रिटर्न दिया है. शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर 4.89% की तेजी के साथ 13.73 रुपये के भाव पर बंद हुए थे.

'महामारी' में कामकाज ठप होने के बाद अब अपने कारोबार में सुधार को लेकर आशान्वित हैं 'डब्बावाले'

मुंबईः मुंबई का चर्चित 'डब्बावाला' नेटवर्क 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम करने) की संस्कृति, ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने पहुंचाने वाले मंच और क्लाउड किचन के उभार से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है.'मुंबई टिफिन बॉक्स सप्लायर्स एसोसिएशन' के अनुसार, डब्बावालों के कार्यबल में लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट आई है. महामारी से पहले जहां इनकी संख्या करीब 5,000 थी, वहीं अब यह घटकर लगभग 3,000 रह गई है. काम कम होने से कई डब्बावाले पैतृक गांवों को लौट गए, जबकि कई अन्य व्यवसायों में चले गए.यह नेटवर्क हमेशा से बेहद लोकप्रिय रहा है क्योंकि मुख्य रूप से पुणे जिले के मावल, जुन्नर, आंबेगांव, राजगुरुनगर, हवेली और मुलशी तालुका से आने वाले ये डब्बावाले मुंबई के भारी यातायात, भीड़भाड़ और भारी बारिश के बावजूद समय पर टिफिन पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं.इनकी इसी खूबी के कारण वर्ष 1998 में प्रतिष्ठित 'फोर्ब्स' पत्रिका ने इसकी तुलना 'सिक्स सिग्मा' गुणवत्ता मानकों से की थी. वर्ष 2003 में यह नेटवर्क तब अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया, जब ब्रिटेन के तत्कालीन प्रिंस चार्ल्स (अब किंग चार्ल्स तृतीय) ने मुंबई में इनसे मुलाकात कर इनकी समयबद्धता की सराहना की थी.एसोसिएशन के अध्यक्ष रामदास करवंदे ने कहा, 'कोविड के समय लॉकडाउन के दौरान हमारा परिचालन पूरी तरह ठप हो गया था. स्थिति सामान्य होने के बाद भी ग्राहकों की संख्या पुरानी स्थिति में नहीं लौटी है.'उन्होंने बताया कि काम करने की हाइब्रिड और 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था के कारण ग्राहकों की संख्या में काफी कमी आई है.

पश्चिम एशिया तनाव, तेल कीमतें और मुद्रास्फीति आंकड़े पर निर्भर होंगी सोने की कीमतें: विश्लेषक

नयी दिल्लीः इस सप्ताह सोने की कीमतें पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर रहेंगी. विश्लेषकों ने यह संभावना जताई है. निवेशक चीन और अमेरिका के व्यापार एवं मुद्रास्फीति के आंकड़ों, मध्य माह में आने वाले अमेरिका के उपभोक्ता धारणा (कंज्यूमर सेंटिमेंट) के आंकड़ों तथा भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति (सीपीआई) पर नजर रखेंगे.विश्लेषकों के अनुसार, इसके साथ ही यूरोपीय केंद्रीय बैंक के मौद्रिक नीति निर्णय पर भी बाजार की नजर रहेगी, क्योंकि इससे सर्राफा और अन्य जिंस बाजारों पर असर पड़ सकता है.जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी-जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, ''सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं के लिए गति अब भी सुधारात्मक प्रतीत होती है.''घरेलू जिंस बाजार में सप्ताह का अंत गिरावट के साथ हुआ, जिसमें अगस्त माह में आपूर्ति के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव 5,317 रुपये या 3.3 प्रतिशत टूटकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया.जुलाई आपूर्ति वाली चांदी 18,461 रुपये यानी सात प्रतिशत गिरकर 2.48 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई.एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (शोध विश्लेषक जिंस एवं मुद्रा जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते निवेशकों का ध्यान सुरक्षित निवेश विकल्पों से हट गया, जिससे पिछले सप्ताह सोने का प्रदर्शन कमजोर रहा.''

टॉप 10 में शामिल सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक गिरा

नई दिल्लीः घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सात कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि तीन कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई. शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई.

इनमें सबसे अधिक नुकसान देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में दूसरा स्थान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने हासिल किया. दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची तीन कंपनियों के मार्केट कैप में 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) सबसे आगे रही, जबकि आईसीआईसीआई बैंक दूसरे स्थान पर रही.

इस सप्ताह के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 1,25,670.23 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई. दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 21,278.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई.

सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए चार दिन के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 39,718

करोड़ रुपये घट कर 17,47,321.40 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया. इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 7,95,346.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इसके अलावा, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 18,736.04 करोड़ रुपये कम होकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 16,880.20 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 14,610.74 करोड़ रुपये फिसल कर 5,05,873.32 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 9,681.36 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,53,580.97 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 5,909.23 करोड़ रुपये घट कर 4,98,301.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 12,692.09 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,02,523.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 4,101.47 करोड़ रुपये उछल कर 11,50,743.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,47,321.40 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही. इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 11,50,743.31 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,96,150.49 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,05,074.77 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 9,02,523.63 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 7,95,346.09 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,53,580.97 करोड़ रुपये), लार्सन एंड टूब्रो (कुल मार्केट कैप 5,43,956.44 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,05,873.32 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 4,98,301.31 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे.

एफपीआई ने जून के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार से 43,000 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्लीः विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से अपनी हिस्सेदारी कम करना जारी रखा है और जून के पहले सप्ताह में करीब 43,000 करोड़ रुपये की निकासी की है. यह रुझान वैश्विक पूंजी के प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े अवसरों की ओर झुकाव तथा रुपये में जारी कमजोरी के बीच देखने को मिला है.नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस निकासी के साथ ही वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयरों से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है, जो पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक है.

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों, रुपये में गिरावट और वैश्विक बाजारों में विशेषकर प्रौद्योगिकी एवं एआई क्षेत्र में आकर्षक निवेश अवसरों के कारण एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना रहे हैं.एल्फा एएमसी के संस्थापक राजेश सिंगला ने कहा, 'अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और डॉलर की मजबूती के अलावा, वैश्विक निवेशक वर्तमान में दुनिया भर में उभर रहे सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और एआई-संबंधित सार्वजनिक बाजार के अवसरों की ओर पूंजी को स्थानांतरित कर रहे हैं. आगामी स्पेसएक्स के आईपीओ और अग्रणी एआई कंपनियों के इर्द-गिर्द संभावित पूंजी बाजार गतिविधियों के कारण वैश्विक नकदी वहां आकर्षित हो रही है. इससे भारत सहित अन्य उभरते बाजारों से अस्थायी रूप से पूंजी बाहर जा रही है.'आंकड़ों के अनुसार, 2026 में फरवरी को छोड़कर हर महीने एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे हैं. जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जबकि फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया, जो पिछले 17 महीनों में सबसे अधिक मासिक निवेश था.हालांकि, मार्च में बिकवाली तेज हो गई और विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी की. अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपये और मई में 32,963 करोड़ रुपये की निकासी जारी रही. जून के पहले सप्ताह में भी 42,927 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई.विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये में लगातार कमजोरी भी विदेशी निवेश की निकासी का एक प्रमुख कारण है. भारतीय मुद्रा 2026 में अब तक लगभग छह प्रतिशत और पिछले एक वर्ष में करीब 10 प्रतिशत कमजोर हुई है.जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि सरकारी प्रतिभूतियों में एफपीआई निवेश से होने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ को कर से मुक्त करने के सरकार के फैसले के साथ-साथ हाल के आरबीआई के उपायों से नए विदेशी निवेश को समर्थन मिल सकता है.

वाणिज्यिक वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक, हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी में निवेश जारी रखेगी टाटा मोटर्स: चेयरमैन

नयी दिल्लीः टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन आधारित प्रौद्योगिकी में निवेश जारी रखेगी. उनका मानना है कि स्वच्छ परिवहन की ओर बढ़ने के लिए केवल एक प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहने के बजाय इलेक्ट्रिक, हाइड्रोजन और अधिक स्वच्छ आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) प्रौद्योगिकी का संतुलित उपयोग आवश्यक है.

वित्त वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) परिवहन उत्पादों के डिजाइन, उपयोग और सेवाओं को तेजी से बदल रहे हैं. उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ता रुझान, सुरक्षा संबंधी बढ़ती अपेक्षाएं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव प्रतिस्पर्धा की नई परिभाषा तय कर रहे हैं.

उन्होंने बताया कि कंपनी शून्य-उत्सर्जन वाले इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन के पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है, वहीं भारी वाहनों के लिए हाइड्रोजन आधारित प्रौद्योगिकी के विकास पर भी ध्यान दे रही है. उनके अनुसार, भविष्य की सुरक्षित, कुशल और बुद्धिमान परिवहन व्यवस्था के लिए कनेक्टेड व्हीकल्स, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस प्रणाली (एडीएएस), डेटा आधारित फ्लीट सेवाएं और नई पावरट्रेन प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण होंगी.चंद्रशेखरन ने कहा कि मजबूत बही-खाते, बेहतर वित्तीय प्रदर्शन और जुझारू क्षमता कंपनी की लाभदायक विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करेगी. कंपनी का लक्ष्य उभरते परिवहन रुझानों के अनुरूप पूंजी का विवेकपूर्ण निवेश करते हुए उद्योग में अग्रणी विकास, लाभप्रदता और बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करना है.उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में टाटा मोटर्स ने 83,855 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक राजस्व दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 76,359 करोड़ रुपये की तुलना में 9.8 प्रतिशत अधिक है.

घरेलू सर्राफा बाजार में थमा नहीं गिरावट का दौर, सोना और चांदी की घटी चमक

एक सप्ताह में 4,690 रुपये तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्लीः घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को जबरदस्त गिरावट का रुख नजर आ रहा है. चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज सोना 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है. चेन्नई में सोने की कीमत में 2,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है. इस गिरावट के बावजूद अभी भी चेन्नई में सोना सबसे महंगा बना हुआ है. सोना की तरह ही चांदी की कीमत में भी आज 9,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आ गई है.

साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना की कीमत में कमजोरी दर्ज की गई है. पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 4,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई. इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया. चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई. इस गिरावट के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में 15 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई.

भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,910 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

रिलायंस इंडस्ट्रीज के 39,718 करोड़ डूबे, देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ घटा

यी दिल्लीः घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच पिछले हफ्ते सेंसेक्स की सबसे बड़ी 10 में से 7 कंपनियों का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ रुपये घट गया. जबकि, बाकी की 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 21,278.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई. बताते चलें कि पिछले हफ्ते बीएसई का 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 532.40 अंकों (0.71 प्रतिशत) की गिरावट दर्ज की गई थी, जबकि एनएसई का निफ्टी 181.05 अंक (0.76 प्रतिशत) टूटकर बंद हुआ था.पिछले हफ्ते रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ. ये लगातार दूसरा हफ्ता था, जब रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ. रिलायंस के अलावा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में गिरावट आई. वहीं दूसरी ओर, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में इजाफा हुआ.

इस दौरान, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया. यानी, रिलायंस के निवेशकों की संपत्ति

पिछले हफ्ते 17,47,321.40 करोड़ रुपये कम हो गई. बताते चलें कि पिछले हफ्ते रिलायंस के मार्केट कैप में 46,078.30 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई थी. मिडिल-ईस्ट में शुरू हुए तनाव के बाद बाजार में जारी गिरावट के बीच रिलायंस के मार्केट कैप में लाखों करोड़ रुपये की गिरावट देखी जा चुकी है. रिलायंस के मार्केट कैप में जारी गिरावट से कंपनी के निवेशकों की संपत्ति भी लगातार कम होती जा रही है.इसके अलावा, टीसीएस की वैल्यूएशन 20,134.66 करोड़ रुपये घटकर 7,95,346.09 करोड़ रुपये रह गई. भारती एयरटेल की मार्केट वैल्यू 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये पर आ गई. एलएंडटी का मार्केट कैप 16,880.20 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये पर आ गया. इसके अलावा एलआईसी का मार्केट कैप 14,610.74 करोड़ रुपये घटकर 5,05,873.32 करोड़ रुपये हो गया. बजाज फाइनेंस की मार्केट वैल्यू 9,681.36 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,580.97 रुपये रह गई. हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यूएशन 5,909.23 करोड़ रुपये घटकर 4,98,301.31 करोड़ रुपये पर आ गई. वहीं दूसरी ओर, एसबीआई का मार्केट कैप 12,692.09 करोड़ रुपये बढ़कर 9,02,523.63 करोड़ रुपये हो गया. आईसीआईसीआई बैंक की मार्केट वैल्यू 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गई और एचडीएफसी बैंक की वैल्यूएशन 4,101.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,50,743.31 करोड़ रुपये हो गई.

दीर्घकालिक पूंजी के लिए भारत दुनिया का सबसे आकर्षक गंतव्य: आईएचसी

मुंबईः अबू धाबी स्थित दिग्गज निवेश कंपनी 'इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी' (आईएचसी) की वरिष्ठ अधिकारी मरियम बिंत मोहम्मद अल्महेइरी ने कहा कि ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूद व्यापक अवसरों के साथ भारत दीर्घकालिक पूंजी के लिए दुनिया के सबसे आकर्षक गंतव्यों में से एक के रूप में उभर रहा है.अदाणी समूह द्वारा आयोजित निवेशक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अल्महेइरी ने कहा कि भारत वैश्विक निवेशकों को बड़े पैमाने पर वृद्धि के अवसरों के साथ-साथ दीर्घकालिक और मजबूत साझेदारी बनाने का मौका दे रहा है.उन्होंने कहा, ''अदाणी समूह के साथ हमारी एक बहुत बड़ी साझेदारी है, जिसमें हम निवेश कर रहे हैं और हमें इस पर बेहद गर्व है.''करीब 234 अरब अमेरिकी डॉलर के बाजार पूंजीकरण के साथ पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों में से एक आईएचसी ने अदाणी समूह के साथ मिलकर नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी भंडारण, बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) और परमाणु से जुड़े अवसरों सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग दो अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है.इस सम्मेलन में 800 से अधिक निवेशकों, बैंकरों, फंड प्रबंधकों और कंपनियों के अधिकारियों ने भाग लिया.कार्यक्रम में शामिल लोगों के अनुसार, इस सम्मेलन में अदाणी समूह ने अपने विस्तार के अगले चरण की योजनाओं की रूपरेखा साझा की और खुद को भारत के बुनियादी ढांचे तथा ऊर्जा निर्माण के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया.अदाणी समूह के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवसर का उपयोग ऊर्जा, लॉजिस्टिक, हवाई अड्डों, परिवहन बुनियादी ढांचे, डेटा सेंटरों और शहरी विकास से जुड़ी निवेश योजनाओं की रूपरेखा पेश करने के लिए किया.समूह ने पहले अगले चार वर्षों में लगभग 100 अरब डॉलर निवेश करने की योजना की घोषणा की थी, जहां अब अधिकारियों ने संकेत दिया कि परियोजनाओं के आगे बढ़ने के साथ यह आंकड़ा बढ़ सकता है.कार्यक्रम में शामिल लोगों के मुताबिक, सागर अदाणी ने प्रतिभागियों से कहा कि जैसे-जैसे बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ेगाा.

अगले सप्ताह सिर्फ एक कंपनी के आईपीओ की लॉन्चिंग, छह कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

नई दिल्लीः सोमवार यानी आठ जून से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है. इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी अपना आईपीओ लॉन्च कर रही है. ये आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है. इस सप्ताह मेनबोर्ड सेगमेंट का कोई आईपीओ नहीं खुलने वाला है. इस इकलौते आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह खुले चार आईपीओ में भी इस सप्ताह निवेशक बोली लगा सकेंगे. इन चार आईपीओ में से तीन एसएमई सेगमेंट के हैं, जबकि एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है. इस सप्ताह छह कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं.

इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 12 जून को हॉरिजॉन रिक्लेम इंडिया का 54.27 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा. इस इश्यू में 16 जून तक बोली लगाई जा सकेगी. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 103 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 19 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है.

इस नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह चार जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले वाह केमिकल्स के 13.45 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 11 जून को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं. अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 6.48 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है.

इसी तरह चार जून को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले यूएचएम वैकेसन के 36.02 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानी आठ जून तक बोली लगाई

जा सकती है. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 157 रुपये प्रति शेयर से लेकर 166 रुपये प्रति सेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 11 जून को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं. अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 66 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है.

इसके अलावा पिछले सप्ताह पांच जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हेक्सागॉन न्यूट्रिशन के 138.87 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार यानी नौ जून तक बोली लगाई जा सकती है. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 42 रुपये प्रति शेयर से लेकर 45 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 333 शेयर का है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 जून को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं. अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 1.65 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है.

पांच जून को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले जेनएक्साई एनालिटिक्स के 54.84 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी नौ जून तक बोली लगाई जा सकती है. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 110 रुपये प्रति शेयर से लेकर 116 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 जून को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं. अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 60 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है.इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आठ जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर मैट्रिमॉनिक्स की लिस्टिंग हो सकती है. इसके बाद 10 जून को सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं. इसके अगले दिन 11 जून को वाह केमिकल्स और यूएचएम वैकेशन के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं. इसके बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन हेक्सागॉन न्यूट्रिशन के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं. इसी दिन जेनएक्साई एनालिटिक्स के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होकर स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं.

पदार्पण में चमके सुथार, अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की मजबूत पकड़

डेब्यूटेंट मानव सुथार के 3 विकेट, अफगानिस्तान 113/5

मुल्लांपुर: पदार्पण कर रहे बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार की कलात्मक गेंदबाजी ने भारतीय क्रिकेट को उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखाई और उनके तीन विकेटों की बदौलत भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन पूरी तरह दबदबा कायम कर लिया. भीषण गर्मी के बीच भारत ने वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 52) के संयमित अर्धशतक और सुथार के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रन की उपयोगी साझेदारी के बाद अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित कर दी. दिन का खेल समाप्त होने तक अफगानिस्तान की टीम 113 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी. सुथार ने 15.5 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने सात ओवर में 27 रन देकर दो विकेट झटके. पहली पारी में 41 गेंदों पर 28 रन की उपयोगी पारी खेलने के बाद सुथार ने गेंदबाजी में भी प्रभाव छोड़ा. चाय से पहले आखिरी ओवर में गेंदबाजी के लिए बुलाए गए सुथार ने अब्दुल मलिक (16) को आउट कर अपना पहला टेस्ट विकेट हासिल किया. मलिक शुरुआती तीन गेंदों पर असहज दिखे और चौथी गेंद पर स्वीप खेलने के प्रयास में विकेट गंवा बैठे. राजस्थान के श्रीगंगानगर के 23 वर्षीय सुथार की पारंपरिक शैली और कलात्मक रन-अप देखने लायक था. ऐसे दौर में जब टी20 क्रिकेट के प्रभाव से स्पिन गेंदबाजी विकेट चटकाने की जगह रन रोकने का हथियार बनती जा रही है, सुथार ने 'फ्लाइट' और 'टर्न' जैसे बुनियादी गुणों के दम पर अलग छाप छोड़ी. सुथार की 'फ्लाइटेड' गेंद को हवा में अतिरिक्त समय मिलने के कारण बल्लेबाजों को लगातार परेशान कर रही थी. उनकी सबसे बड़ी विशेषता लगातार एक जैसी लाइन और लेंथ बनाए रखते हुए टर्न और उछाल में विविधता लाने की रही. टेलीविजन पर दिखाई गई पिच मैप से स्पष्ट था कि वह एक ही स्थान पर गेंद डालकर अलग-अलग प्रभाव पैदा कर रहे थे. कुछ गेंदें ज्यादा टर्न ले रही थीं, कुछ अतिरिक्त उछाल के साथ सीधी निकल रही थीं, जबकि कुछ पारंपरिक 'आर्म बॉल' के रूप में अंदर आती दिखीं. अब्दुल मलिक का विकेट ऐसी ही गेंद पर मिला, जो सीधी रही और अतिरिक्त उछाल के कारण उनका स्वीप शॉट गलत साबित हुआ. कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (12) को भी उन्होंने चतुराई से फंसाया. पहले कुछ सीधी गेंदें डालकर उन्हें आगे आने से रोका और फिर उसी स्थान से दायें हाथ के बल्लेबाज के लिए बाहर निकलती हुई गेंद लेकर बल्ले का किनारा लेती हुई दूसरी स्लिप में खड़े साई सुदर्शन के हाथों में चली गई. उनका तीसरा विकेट अफसर जजई (तीन) के रूप में मिला. पिच पर टप्पा खाने के बाद गेंद की गति थोड़ी धीमी हो गयी और सुथार ने आसानी से कैच लपक लिया. भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी सुथार पर पूरा भरोसा जताया और उन्हें एक छोर से लगातार 13 ओवर गेंदबाजी कराई, जबकि दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव का उपयोग करते रहे. सुथार की यह प्रभावशाली शुरुआत अगर बेहतर भविष्य का संकेत है, तो भारतीय चयनकर्ताओं को लाल गेंद क्रिकेट में रविंद्र जडेजा के बाद के दौर को लेकर ज्यादा चिंता नहीं करनी पड़ेगी. इससे पहले ऋषभ पंत ने 121 गेंदों पर 81 रन की आकर्षक पारी खेलकर आलोचकों को जवाब दिया जबकि अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम ने 140 रन देकर छह विकेट चटकाए. कम दर्शकों की मौजूदगी में पंत ने अपने आक्रामक अंदाज और संयम का बेहतरीन मिश्रण पेश किया. उन्होंने 121 गेंदों की पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए. पंत शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन ऑफ स्पिनर हशमुतुल्लाह शाहिदी ने अचानक अपनी गेंद की गति काफी धीमी कर दी. पंत ने उसे आगे बढ़कर खेलना चाहा लेकिन उनका शॉट हवा में लहरा गया और वह कैच आउट हो गए. अफगानिस्तान की ओर से आईपीएल स्टार अजमतुल्लाह ओमरजई बदकिस्मत नजर आए. दूसरी नयी गेंद से उन्होंने प्रभावशाली गेंदबाजी की और कई बार बल्लेबाजों को परेशान किया, लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली. पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी भारतीय बल्लेबाजों को जीवनदान मिला. गेंद पंत के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में गई, लेकिन विकेटकीपर और क्षेत्ररक्षकों ने अपील नहीं की. सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को मैच के पहले दिन इसी तरह का जीवनदान मिला था. भारत ने सुबह अपनी पारी तीन विकेट पर 368 रन से आगे बढ़ाई और पहले सत्र में 25 ओवर में 107 रन जोड़े. इस दौरान उसने कप्तान शुभमन गिल (177 गेंदों पर 126 रन), ध्रुव जुरेल (20 गेंदों पर 19 रन) और पंत के विकेट गंवाए. मैच के पहले दिन केएल राहुल ने 100 और साई सुदर्शन ने 81 रन बनाए थे. गिल सुबह के सत्र में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे. सलीम की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में समां गई. इसके साथ ही गिल और पंत के बीच 169 रन की साझेदारी समाप्त हो गई. गिल ने अपनी पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया. ध्रुव जुरेल ने विकेट के स्क्वायर क्षेत्र में कुछ खूबसूरत शॉट खेले, लेकिन सलीम की रिवर्स स्विंग लेती गेंद को उन्होंने छोड़ने का फैसला किया, जो उनकी विकेटों में समा गई. दर्शक हालांकि जुरेल के मुकाबले पंत के आउट होने से अधिक निराश थे. वॉशिंगटन सुंदर ने 68 गेंदों पर नाबाद 52 रन बनाए जबकि सुथार ने 41 गेंदों पर 28 रन का योगदान दिया. दोनों ने सातवें विकेट के लिए 54 रन जोड़कर भारत को 500 रन के पार पहुंचाया. अफगानिस्तान के गेंदबाजों के थकने का फायदा उठाते हुए वॉशिंगटन ने धैर्य के साथ स्ट्राइक रोटेट की और मौके मिलने पर बड़े शॉट भी लगाए. उनके अर्धशतक पूरा करते ही कप्तान गिल ने पारी घोषित करने का संकेत दे दिया.

कप्तानी की जिम्मेदारी के लिए मुझे अपना व्यक्तित्व बदलने की जरूरत नहीं: अय्यर

मुंबई: भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर ने रविवार को कहा कि उन्हें बचपन से ही चुनौतियों का सामना करना पसंद रहा है और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी मिलने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें अपना व्यक्तित्व बदलना होगा. इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को शनिवार को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया. उन्होंने सूर्यकुमार यादव की जगह ली है, जिनकी अगुआई में भारत ने मार्च में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था. सुर्यकुमार को टीम में भी जगह नहीं मिली है. अय्यर ने कहा कि वह वही व्यक्ति बने रहना चाहते हैं, जिसने मुंबई के बेहद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट माहौल में खेलते हुए अपनी पहचान बनाई. उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, मुझे अपना व्यक्तित्व बदलने की जरूरत नहीं है. मुझे वही इंसान बने रहना है जो मैं पहले था. मैं किसी और जैसा बनने या किसी की सरपरस्ती में रहने की कोशिश नहीं करूंगा. उन्होंने कहा कि मुंबई जैसे क्रिकेट-प्रेमी शहर में बड़े होने के कारण चुनौतियां उनके जीवन का हिस्सा रही हैं. अय्यर ने कहा, मुझे हमेशा चुनौतियां पसंद रही हैं. मुंबई में क्रिकेट का स्तर बहुत ऊंचा है और प्रतिस्पर्धा भी बेहद कड़ी होती है. वहां हर दूसरा बच्चा मुंबई का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखता है. अय्यर ने कहा कि उनकी सोच हमेशा जीत हासिल करने की रही है. उन्होंने कहा, मेरा नजरिया हमेशा अपने सामने मौजूद हर चुनौती को जीतने का रहा है. सीखना और जीतना अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन खेल का आनंद लेना और प्रतिस्पर्धी भावना विकसित करना आपको एक अलग स्तर पर पहुंचा देता है. उन्होंने कहा, जब आपको ऐसी जिम्मेदारी मिलती है तो आप उसे स्वीकार करना चाहते हैं. फिलहाल कप्तान के रूप में मिली यह भूमिका मेरे लिए बड़ी चुनौती है. इस बीच, भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि अय्यर ने राष्ट्रीय टीम की कप्तानी का अवसर अपने प्रदर्शन के दम पर अर्जित किया है. आयरलैंड दौरे पर दो टी20 मैचों की श्रृंखला में अय्यर पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे. उन्होंने दिसंबर 2023 में अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे. गांगुली ने कहा, श्रेयस ने अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्होंने यह जिम्मेदारी अपने प्रदर्शन के दम पर हासिल की है. मैं यह नहीं कहूंगा कि सूर्यकुमार यादव को हटाना अनुचित है. चयनकर्ताओं ने अपना फैसला लिया है.

हिमांशु, दीक्षा, सूरज ने टी4 राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में दर्ज की जीत

देहरादून: हरियाणा के हिमांशु ढिल्लों ने टी4 राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में रविवार को यहां पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल के बेहद रोमांचक मुकाबले में महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने को अंतिम निशाने पर पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया. फाइनल के 24वें और आखिरी निशाने से पहले हिमांशु अपने प्रतिद्वंद्वी से 0.2 अंक पीछे थे. उन्होंने इसके बाद 10.6 अंक वाला निशाना लगाया जबकि पार्थ ने 10.3 अंक बनाए. इस तरह बेहद करीबी अंतर से हिमांशु ने जीत अपने नाम की. हिमांशु ने कुल 252.2 अंक हासिल किए. इस स्पर्धा का कांस्य दिल्ली के पार्थ मखीजा ने जीता. महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उत्तर प्रदेश की दीक्षा वैश्य ने शानदार शुरुआत करते हुए पांच निशाने की दूसरी सीरीज में बढ़त हासिल की और दबाव में भी अपना संयम बनाए रखा. उन्होंने मजबूत चुनौती का सामना करते हुए आशी चौकसे को 1.2 अंकों से पीछे छोड़ दिया और 252.7 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता. रेलवे की सोनम उत्तम मस्कर ने कांस्य पदक हासिल किया. मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने दिन के तीसरे फाइनल में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा में 29 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया. उत्तराखंड के अंकुर गोयल 27 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि भावेश शेखावत 25 निशाने के साथ तीसरे स्थान पर रहे. राष्ट्रीय रैंकिंग में हालांकि पार्थ शीर्ष पर रहे, जबकि हिमांशु दूसरे स्थान पर पहुंचे. महिलाओं की एयर राइफल रैंकिंग में सोनम मस्कर को फायदा हुआ और वह एलावेनिल वलारिवन के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गईं. वहीं पुरुषों की आरएफपी रैंकिंग में नौसेना के अनुभवी ओंकार सिंह अनिश के बाद दूसरे स्थान पर पहुंचे. एशियाई खेलों के लिए 12 सदस्यीय शॉटगन टीम पहले ही घोषित की जा चुकी है, जबकि राइफल और पिस्टल टीमों की घोषणा ट्रायल के बाद की जाएगी.

अनिमेष ने ताइपे सिटी में 200 मीटर में रजत पदक जीता

ताइपे सिटी: राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी धावक अनिमेष कुजुर ने रविवार को न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन 2026 में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में 20.47 सेकंड का समय निकालते हुए दूसरा स्थान हासिल किया. यह समय उनके करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. इस 23 साल के धावक का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 20.32 सेकंड है. उन्होंने इससे पहले 20.40 और 20.45 सेकंड का समय भी दर्ज किया था, जिससे रविवार का प्रदर्शन उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ समयों में शामिल हो गया. इस प्रतियोगिता में थाईलैंड के पूरीपोल बोनसोन ने 20.03 सेकंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए पहला स्थान हासिल किया. वह इसके साथ ही एशिया के 200 मीटर इतिहास के संयुक्त रूप से तीसरे सबसे तेज धावक बन गए. इससे पहले शनिवार को लंबी कूद खिलाड़ी शैली सिंह ने स्वर्ण पदक जीता था जबकि महिला चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने भी पहला स्थान हासिल किया था. तेजस सिरसे ने 110 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक हासिल किया.

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में चौथे दिन न्यूजीलैंड को 115 रन से हराया

लंदन: ओली रोबिंसन और गस एटकिंसन की खतरनाक गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट को अपने नाम कर लिया है. मुकाबले का नतीजा चौथे दिन निकला क्योंकि तीसरे दिन बारिश होती रही थी और केवल 21.3 ओवरों का ही खेल हो सका था. इसके बाद चौथे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी और 40.3 ओवरों में मुकाबला को समाप्त कर दिया. मैच में बारिश ने लगभग हर दिन खलल डाला, जिसकी वजह से तेज गेंदबाजों को पिच से खूब मदद मिली. इसी का नतीजा रहा कि मुकाबले में कोई भी बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं बना सका और गेंदबाजों का दबदबा रहा. इंग्लैंड ने पहला मुकाबला जीतकर सीरीज में भी 1-0 से बढ़त बना ली है. मैच में 7 विकेट लेने वाले ओली रोबिंसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. इंग्लैंड की बल्लेबाजी पहली पारी में 140 रनों पर सिमट गई थी. इसके बाद मेजबान टीम के गेंदबाजों के लिए चुनौती थी कि वे कीवी टीम को बड़ी बढ़त हासिल करने से रोंके. हालांकि, चोट की वजह से लंबे समय बाद वापसी करने वाले रोबिंसन ने कमाल की गेंदबाजी की और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसा लिया. उन्होंने पहली पारी में 5 विकेट हासिल किए. उनकी थकरनाक गेंदबाजी का नतीजा ये रहा कि न्यूजीलैंड पहली पारी में 113 रनों पर सिमट गई और बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम ने 27 रनों की बढ़त हासिल कर ली. न्यूज़ीलैंड के गेंदबाजों ने दूसरी पारी में भी इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया. हालांकि, डेब्यू करने वाले एमिलियो गे ने कमाल की पारी खेली और अर्धशतक लगाया. इसी के साथ उन्होंने इंग्लैंड को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया. गे ने 57 रन बनाए. इंग्लिश टीम ने इसी के साथ 226 रन बनाए और पहली पारी में बढ़त के आधार पर उन्होंने न्यूजीलैंड को जीत के लिए 254 रनों का लक्ष्य दिया. न्यूज़ीलैंड की टीम 254 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी और ये आसाना नहीं होने वाला था क्योंकि लॉर्ड्स में ओवरकास्ट कंडीशन थी. कीवी टीम ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ही 55 रनों पर 5 विकेट गंवा दिए थे. चौथे दिन इंग्लैंड के गस एटकिंसन ने कमाल की बॉलिंग की और 5 कीवी बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया. इंग्लैंड ने मुकाबले को 115 रनों से अपने नाम कर लिया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है.

हीना राजगोर चमकीं, भारत विश्व योगासन चैंपियनशिप में 40 स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर

अहमदाबाद: गुजरात की हीना राजगोर ने रविवार को यहां पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारत को स्वर्ण पदक दिलाया जिससे मेजबान टीम ने तालिका में अपनी बढ़त और बढ़ा ली. भारत 40 स्वर्ण, आठ रजत और दो कांस्य सहित 50 पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा. जापान ने दो स्वर्ण सहित तीन पदक जीतकर अपने पदकों की कुल संख्या 10 कर ली जिससे देश तालिका में दूसरे स्थान पर है. सिंगापुर दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ तीसरे स्थान पर है. गुजरात के भुज की रहने वाली राजगोर ने सीनियर बी महिला वर्ग में 'फॉरवर्ड बेंड' स्पर्धा में 43.50 अंक से स्वर्ण पदक जीता. ओमान की प्रीति जैमानी ने रजत पदक जबकि रूस की स्वेतलाना लुकाशोवा और जॉर्डन की माया अल अलोस्ताथ ने कांस्य पदक साझा किया. भारतीयों ने उम्मीद के मुताबिक स्वर्ण पदक की रेस में दबदबा बनाया. वहीं जापान ने दो स्वर्ण जीते जबकि रूस और उज्बेकिस्तान ने एक-एक स्वर्ण जीता.

सिर्फ दो टीमों ने लगाई बोली, वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल ऑक्शन को लेकर किया बड़ा खुलासा

नयी दिल्ली: भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल नीलामी को लेकर बड़ा खुलासा किया है. 15 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा कि जब आईपीएल ऑक्शन में उनका नाम आया था, तब उन्हें उम्मीद थी कि कई फ्रेंचाइजी उन पर दांव लगाएंगी. हालांकि, जब सिर्फ राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स ने ही उनके लिए बोली लगाई तो वह हैरान रह गए थे. वैभव ने यह भी माना कि अब पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें लगता है कि राजस्थान रॉयल्स से जुड़ना उनके करियर के लिए सबसे अच्छा साबित हुआ. राजस्थान रॉयल्स द्वारा साझा किए गए एक इंटरव्यू में वैभव ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब मेरा चयन हुआ, तब मेरे मन में यही सवाल था कि सिर्फ दो टीमों ने ही मेरे लिए बोली क्यों लगाई? मैं अच्छा खेल रहा था और प्रदर्शन भी कर रहा था, इसलिए मुझे लगा था कि दूसरी टीमें भी दिलचस्पी दिखाएंगी.' नीलामी में राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला हुआ था, जिसके बाद राजस्थान ने उन्हें 1.10 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा. वैभव ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ बिताए गए डेढ़ साल ने उनके खेल और व्यक्तित्व दोनों को निखारा है. उन्होंने कहा, 'अब मैं भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं कि मुझे राजस्थान रॉयल्स जैसी टीम मिली. यहां का माहौल परिवार जैसा है. कोच, सपोर्ट स्टाफ, सीनियर खिलाड़ी और मैनेजमेंट सभी युवा खिलाड़ियों की मदद करते हैं. मुझे यहां बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है.' वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया. राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 237.31 का रहा और उन्होंने एक शतक के साथ पांच अर्धशतक भी लगाए. शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने ऑरेंज कैप जीती और टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी भी चुने गए. उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने उन्हें देश के सबसे चर्चित युवा क्रिकेटरों में शामिल कर दिया. आईपीएल में शानदार प्रदर्शन का इनाम वैभव को भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला. उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है. चूंकि वैभव अभी केवल 15 साल के हैं, इसलिए बीबीसीआई ने उनके लिए विशेष व्यवस्था की है. बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि विदेश दौरों के दौरान जरूरत पड़ने पर उनके माता-पिता को भी साथ यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी, ताकि युवा खिलाड़ी नए माहौल में सहज महसूस कर सके.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 हो सकता है नेमार का आखिरी टूर्नामेंट, स्टार फुटबॉलर ने दिए संन्यास के संकेत

नयी दिल्ली: ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने संकेत दिए हैं कि आगामी फीफा वर्ल्ड कप उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है. 34 वर्षीय फॉरवर्ड ने सोशल मीडिया पर की गई एक टिप्पणी से अपने भविष्य को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है. फीफा ने हाल ही में नेमार के करियर की यादगार तस्वीरों के साथ एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें लिखा था, हमने उन्हें बड़ा होते देखा है. इस पोस्ट पर नेमार ने कमेंट करते हुए सिर्फ तीन शब्द लिखे-द लास्ट डांस. उनके इस जवाब को कई लोग वर्ल्ड कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने के संकेत के रूप में देख रहे हैं. 'द लास्ट डांस' वाक्यांश खेल जगत में काफी प्रसिद्ध है. यह एनबीए के महान खिलाड़ी माइकल जॉर्डन के शिकागो बुल्स के साथ 1997-98 सीजन से जुड़ा हुआ है.

आईजीयू ने जापान में होने वाले एशियाड के लिए चुनी छह सदस्यीय टीम

नयी दिल्ली: भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने इस साल के आखिर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए रविवार को छह सदस्यीय गोल्फ टीम का चयन किया जिसमें युवराज संधू और अदिति अशोक भी शामिल हैं. एलपीजीए टूर की नियमित गोल्फर अदिति ने चीन के हांग्झोऊ में 2022 एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रजत पदक जीता था. भारतीय गोल्फ संघ द्वारा चुनी गई टीम में संधू (विश्व नंबर 451), वीर अहलावत (विश्व नंबर 558) और सप्तक तलवार (विश्व नंबर 576) तीन पुरुष सदस्य हैं जबकि अदिति (विश्व नंबर 135), दीक्षा डागर (विश्व नंबर 221) और प्रणवी उर्स (विश्व नंबर 270) तीन महिला खिलाड़ी हैं. पुरुष और महिला दोनों के लिए गोल्फ स्पर्धा 30 सितंबर से तीन अक्टूबर तक कसुगई कंट्री क्लब ईस्ट कोर्स में होंगे. ब्रजिंदर सिंह की अगुआई वाली आईजीयू ने कहा कि प्रविष्टियां एशियाई खेलों के लिए उसकी चयन नीति के हिसाब से तय की गई थीं. सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हमारे पास एक बहुत प्रतिभाशाली और कुशल टीम है जिसमें युवराज संधू जैसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले साल पीजीटीआई सर्किट पर सात बार जीत हासिल की थी. फिर अदिति अशोक और दीक्षा डागर जैसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर कई बार जीत हासिल की है. प्रविष्टियां पूरी तरह से विश्व रैंकिंग के जरिए तय की गईं. मुझे पूरा भरोसा है कि भारतीय टीम इस बार पोडियम पर पहुंचेगी.'' भारत का एशियाई खेलों में गोल्फ में शानदार इतिहास रहा है जिसमें उसने अब तक तीन स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते हैं. लक्ष्मण सिंह, ऋषि नारायण, अमित लूथरा और राजीव मोहता की भारतीय चौकड़ी ने 1982 में नयी दिल्ली में हुए एशियाई खेलों में टीम स्वर्ण पदक जीता था. लक्ष्मण सिंह ने एक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी जीता था. शिव कपूर ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था. 2006 के दोहा एशियाई खेलों में अनिर्बान लाहिड़ी, गगनजीत भुल्लर और जोसेफ चकोला की भारतीय टीम ने रजत पदक जीता. 2010 के ग्वांग्झू एशियाई खेलोंमें राशिद खान, राहुल बजाज, अभिनव लोहान और अभिजीत सिंह चड्ढा वाली भारतीय टीम ने रजत पदक जीता था.

बल्लेबाज के तौर पर सूर्यकुमार को और मौके मिलने चाहिए थे, टी20 टीम से बाहर किए जाने पर बोले अश्विन

नयी दिल्ली: पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि सूर्यकुमार यादव को बल्लेबाज के रूप में खुद को साबित करने के लिए थोड़ा और समय दिया जा सकता था, बजाय इसके कि टी20 विश्व कप खिताब जिताने के सिर्फ दो महीने बाद ही उन्हें भारत की टी20 टीम से पूरी तरह बाहर कर दिया जाए. बल्लेबाज के तौर पर सूर्यकुमार का टी20 विश्व कप साधारण रहा था. उन्होंने 136.72 के स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाए थे. इसके बाद आईपीएल में भी वह लय हासिल नहीं कर सके और 147.54 के स्ट्राइक रेट से 270 रन ही बना पाए. अश्विन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि यह एक बहुत दिलचस्प मिसाल है. मैं एक पल के लिए ख़ुद को सूर्यकुमार यादव की जगह रखकर सोचता हूं कि इस समय वह कैसा महसूस कर रहे होंगे. मुझे यकीन है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम से बाहर किए जाने पर दुखी होने का पूरा हक है और अगर वह बुरा महसूस कर रहे हैं, तो यह पूरी तरह जायज़ है. उन्होंने कहा, 'लेकिन जिस तरह यह फैसला लिया गया है, उसे लेकर मुझे थोड़ी झिझक है क्योंकि मैं अपने मन में सोच रहा हूं... अगर मैं खुद को सूर्यकुमार की जगह रखूं तो? ठीक है, मेरी बल्लेबाज़ी का फॉर्म पिछले 18 महीनों या 15 महीनों में मेरा साथ नहीं दे पाया. मैं उस स्तर पर नहीं खेल पाया, जैसा खेल सकता था. लेकिन फिर भी मैं देश के लिए टी 20 विश्व कप जीतने में क़ामयाब रहा.' अश्विन ने कहा, 'बल्लेबाज के तौर पर मेरा विश्व कप बहुत शानदार नहीं रहा, लेकिन टीम के बाकी लोगों- कोच, उप-कप्तान, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की तरह, क्या मैं भी एक सफल कप्तान नहीं हूं? मैंने भी तो अपनी भूमिका निभाई है.' अश्विन ने आगे कहा कि इतना कठोर फैसला भविष्य के चयन के लिए एक नई मिसाल भी कायम करेगा. उन्होंने कहा, 'क्या हम बड़े-बड़े दिग्गज खिलाड़ियों को उनकी जगह रखकर देख सकते हैं? क्या कभी ऐसा हुआ है कि टी 20 विश्व कप जीतने वाले कप्तान को बिना किसी अंतिम चेतावनी के टीम से बाहर कर दिया गया हो? मुझे यकीन है कि उनसे बातचीत हुई होगी, इसको लेकर मुझे कोई संदेह नहीं है. लेकिन चयन के लिहाज़ से यह एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि अगली बार जब भी ऐसा कोई मामला सामने आएगा, तो इसे एक मिसाल के तौर पर देखा जाएगा.' श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार का उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि उन्होंने दो साल से अधिक समय से भारत के लिए कोई टी 20 मैच नहीं खेला था. हालांकि इस दौरान उन्होंने आईपीएल में बड़ी सफलता हासिल की है. उन्होंने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाया और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया. अश्विन का कहना है कि नए कप्तान के तौर पर सीधे टीम में आना श्रेयस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा. अश्विन ने कहा, 'हाल ही में हमने इस बात पर चर्चा की थी कि श्रेयस अय्यर टी 20 टीम में जगह पाने के हकदार हैं. मैं पूरी तरह इसके पक्ष में हूं. लेकिन फिर मैं सोचता हूं, अगर मैं उस टी 20 विश्व कप जीतने वाली टीम के बाकी 14 खिलाड़ियों में से एक होता, तो शायद मैं एक-दूसरे को देखकर कहता, 'हम काफी समय से यहां हैं, क्या हमने कप्तानी के लिए पर्याप्त प्रदर्शन नहीं किया है? एक बात जो शायद श्रेयस के पक्ष में गई है, वह यह है कि उन्होंने केकेआर के कप्तान के तौर पर आईपीएल खिताब जीता है. मैं इस बात पर कोई सवाल नहीं उठाऊंगा कि वह आईपीएल में शानदार कप्तान रहे हैं.

न्यूज कॉर्नर

फर्जी एफएमजीई प्रमाण-पत्र से डॉक्टर बने तीन और गिरफ्तार

जयपुरः विदेश से एमबीबीएस करने के बाद भारत में चिकित्सकीय पंजीयन के लिए अनिवार्य एफएमजीई (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन) स्क्रीनिंग परीक्षा के फर्जी प्रमाण-पत्र बनवाकर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तीन और डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है. मामले की जांच में अब तक 100 से अधिक संदिग्ध विदेशी मेडिकल स्नातकों की पहचान की जा चुकी है. अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में चौमूं (जयपुर) निवासी दीपक यादव (28), डीग (भरतपुर) के रामबाग निवासी राजू गुर्जर (28) तथा कठूमर (अलवर) निवासी नरेश गुर्जर (30) शामिल हैं.एसओजी की जांच में सामने आया कि दीपक यादव ने कजाकिस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद कई बार एफएमजीई परीक्षा दी, लेकिन सफलता नहीं मिली. इसके बाद उसने मुख्य आरोपी भानाराम माली के नेटवर्क के जरिए करीब 24 लाख रुपये देकर फर्जी एफएमजीई प्रमाण-पत्र बनवाया और उसके आधार पर राजकीय मेडिकल कॉलेज दौसा में इंटर्नशिप की. इसी प्रकार राजू गुर्जर ने भी कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद एफएमजीई परीक्षा में असफल रहने पर करीब 27 लाख रुपये खर्च कर फर्जी प्रमाण-पत्र तैयार कराया तथा राजकीय मेडिकल कॉलेज हनुमानगढ़ में इंटर्नशिप की. वहीं नरेश गुर्जर ने 23 लाख रुपये देकर फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट हासिल किया और राजकीय मेडिकल कॉलेज अलवर में इंटर्नशिप की. जांच में यह भी सामने आया कि नरेश ने अन्य कई व्यक्तियों के लिए फर्जी एफएमजीई प्रमाण-पत्र तैयार करवाने में भूमिका निभाई थी.विशाल बंसल ने बताया कि इस संबंध में एसओजी थाना जयपुर में 4 फरवरी 2026 को दर्ज प्रकरण की जांच की जा रही है.

चार करोड़ रुपए की मादक पदार्थ सहित दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

जयपुरः जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्पेशल टीम (सीएसटी) ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए करीब 23 क्विंटल (2300 किलोग्राम) अवैध डोडा चूरा बरामद किया है. सीएसटी ने बस्सी थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है. बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार करोड़ रुपए आंकी गई है. फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है. पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के नेटवर्क की निगरानी कर पुख्ता सूचना के आधार पर बस्सी थाना क्षेत्र में नाकाबंदी की है.पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली. ट्रक में प्लास्टिक के 91 कट्टों में भरा करीब 23 क्विंटल डोडा चूरा मिला. पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मौके से तस्कर शाहिद खान निवासी मोडर रांची (झारखंड) तथा सायर राम जाट निवासी बिलाड़ा जिला जोधपुर को को गिरफ्तार किया है.पुलिस जांच में सामने आया कि तस्कर खेप को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ट्रक के आगे एक इनोवा क्रिस्टा चला रहे थे. यह वाहन रास्ते की रेकी करने और पुलिस गतिविधियों पर नजर रखने का काम कर रहा था. पुलिस ने इनोवा को भी जब्त कर वाहन पर लगे नंबरों की भी जांच की जा रही है.वहीं पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि डोडा चूरा की यह खेप कहां भेजी जानी थी तथा इसके पीछे सक्रिय मुख्य सरगना कौन है.

मोबाइल को लेकर नाराज बेटी ने डिग्गी में लगाई छलांग, बचाने कूदी मां भी डूबी; दोनों की मौत

बाड़मेर बालोतरा जिले के गुड़ामालानी थाना क्षेत्र के सीलू गांव में शनिवार को एक हादसे में मां-बेटी की डूबने से मौत हो गई. मोबाइल नहीं मिलने से नाराज 18 वर्षीय बेटी ने पानी की डिग्गी में छलांग लगा दी. उसे बचाने के लिए मां भी पानी में कूद गई, लेकिन गहरे पानी के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सकीं.जानकारी के अनुसार सीलू गांव निवासी अनिता उर्फ इंद्रा (38) पत्नी राजूराम दोपहर में अपने घर पर थीं. इसी दौरान उनकी बड़ी बेटी सुमन (18) ने मोबाइल मांगा. मां ने छोटे बच्चों के सोने का हवाला देते हुए शाम को मोबाइल देने की बात कही. इस बात से नाराज होकर सुमन घर के पास स्थित पानी की डिग्गी के किनारे जाकर बैठ गई.कुछ देर बाद अनिता उसे समझाने के लिए डिग्गी के पास पहुंचीं. पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार मां को अपनी ओर आते देख सुमन ने अचानक डिग्गी में छलांग लगा दी. बेटी को पानी में डूबता देख अनिता ने भी उसे बचाने के लिए बिना देर किए डिग्गी में छलांग लगा दी.हालांकि डिग्गी में पानी अधिक होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सकीं.घटना के समय पास में बकरियां चरा रहे लोगों ने शोर सुनकर ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दी. मौके पर पहुंचे लोगों ने काफी मशक्कत के बाद मां-बेटी को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी. सूचना मिलने पर गुड़ामालानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को गुड़ामालानी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया. पुलिस ने बताया कि पीहर पक्ष को सूचना दे दी गई है.

घर से स्विमिंग पूल के लिए निकला छात्र नहर में बहा, तलाश में जुटी टीमें

यमुनानगरः यमुनानगर के हमीदा हेड क्षेत्र में रविवार को एक 17 वर्षीय छात्र पश्चिमी यमुना नहर में बह गया. घटना के बाद पुलिस, गोताखोरों और स्थानीय लोगों ने कई घंटों तक तलाश अभियान चलाया, लेकिन देर शाम तक छात्र का कोई पता नहीं चल सका. लापता छात्र की पहचान शादीपुर निवासी शिवम के रूप में हुई है, जो दसवीं कक्षा का विद्यार्थी था और अपने माता-पिता की इकलौती संतान बताया गया है.परिजनों के अनुसार शिवम रविवार दोपहर घर से स्विमिंग पूल जाने की बात कहकर निकला था. उसके साथ पटेल नगर निवासी उसका मित्र किरणजीत भी मौजूद था. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों युवकों ने बाद में स्विमिंग पूल जाने का विचार बदलकर हमीदा हेड के निकट पश्चिमी यमुना नहर में स्नान करने का निर्णय लिया. नहर में उतरने के दौरान अचानक तेज जलधारा की चपेट में आने से दोनों का संतुलन बिगड़ गया. किरणजीत ने किसी तरह संघर्ष कर किनारे तक पहुंचकर अपनी जान बचा ली, जबकि शिवम पानी के तेज बहाव में ओझल हो गया.घटना की सूचना मिलते ही हमीदा पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाकर खोज अभियान शुरू कराया. गोताखोर राजीव और उनकी टीम ने नहर के विभिन्न हिस्सों में लगातार तलाशी अभियान चलाया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक छात्र का कोई सुराग नहीं मिला था. सूचना मिलते ही छात्र के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए.

मुंबई क्राइम ब्रांच कर्मचारी बनकर 30 लाख की ठगी, खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबादः मुंबई क्राइम ब्रांच कर्मचारी बनकर 30 लाख रुपए की ठगी करने के मामले में साइबर थाना एनआईटी पुलिस ने खाताधारक को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपित की पहचान दिल्ली निवासी आयुष (23) के रुप में हुई. आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एनआईटी फरीदाबाद में रहने वाली एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 16 जून 2025 को उसके पास एक कॉल आया, जिसने अपने आप को कथित मुम्बई क्राईम ब्रांच का इंस्पेक्टर बताया और कहा कि शिकायतकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया है. जिसके बाद एक अन्य नंबर से पुलिस ऑफिसर की विडियो कॉल आई और जिसने शिकायतकर्ता को जेट एयरवेज मनी लॉन्ड्रिंग केस मे आरोपी बताया तथा कहां कि हॉउस अरेस्ट किया गया है व डिजीटल अरेस्ट के ऑर्डर उसके पास भेज देंगे. इस केस में 6 करोड 80 लाख रुपये देने पडेंगे व उसके केस की प्रोसीडिंग्स व्हाट्अप के माध्यम से विडियो कॉल पर ही की जायेगी. जहां पर सीनियर ऑफिसर और जज साहब बात करेंगे और इस बारे में न तो किसी को बताना है और न ही घर से बाहर जाना है. इसके बाद उन्होंने केस के निपटारे के लिए 50 लाख रुपये की मांग की. शिकायतकर्ता ने आरटीजीएस के जरिए ठगों द्वारा बताए खाता में 30 लाख 20 हजार रुपये भेज दिए. बाद में उसे ठगी का पता चला तो उसने पुलिस में शिकायत दी और पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया. जांच में सामने आया कि आरोपित आयुष ने खाताधारक मनीष का खाता गौरव से लेकर विकास को दिया था. खाते में ठगी के आठ लाख पांच हजार रुपए आए थे. आयुष, गौरव और विकास आपस में दोस्त हैं. आयुष का दिल्ली में पुरानी गाड़ीयों का सेल प्रचेज का काम है, वह मुंबई पुलिस के एक साइबर के मामले में 10 महीने की जेल भी काट चुका है. इस चैन में खाताधारक मनीष सहित तीन आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है.

पंचायती भूमि पर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बनाई जाएगी नीति : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचायत के स्वामित्व वाली भूमियों पर भी प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अगले वर्ष में एक नीति बनाई जाएगी. कृषि विभाग के स्वामित्व वाली लगभग 800 एकड़ भूमि केवल उन्हीं किसानों को पट्टे पर दी जाएगी,जो कम से कम अगले 10वर्ष तक उसमें प्राकृतिक व जैविक खेती करेंगे.मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा एवं क्लस्टर गठन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कृषि कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे. इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत , हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बताया कि एपेडा एजेंसी से प्रमाणित प्राकृतिक व जैविक किसानों को पांच वर्षों की अवधि के लिए प्रति वर्ष 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता दी जाएगी. किसानों को जैविक खेती प्रमाणीकरण के लिए हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी को एक प्रमाणीकरण संस्था बनाया जाएगा. उन्होंने बताया कि पंचकूला, यमुनानगर, करनाल, सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार, चरखी दादरी व नारनौल में प्राकृतिक व जैविक किसानों को कृषि उपज बेचने के लिए मंडियों में जगह उपलब्ध करवाई जाएगी. साथ ही, परीक्षण हेतु प्रयोगशालाएं तथा प्रमाणीकरण के लिए एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि किसानों को अपनी प्राकृतिक व जैविक कृषि उपज बेचने के लिए बेहतर बाजार मिल सकें. नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से कुरूक्षेत्र जिले में 2,000 एकड़ कलस्टर में आधुनिकतम तकनीकों द्वारा स्मार्ट एग्रीकल्चर नाम से एक नई योजना द्वारा प्राकृतिक खेती शुरू की जाएगी.

मुख्यमंत्री ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा प्राकृतिक व जैविक खेती अभियान को आगे बढ़ाने में अनुकरणीय कार्य करने की सराहना करते हुए आचार्य द्वारा करवाए गए कार्यों की विस्तार से चर्चा की. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2022 में प्राकृतिक खेती योजना शुरू की थी. इसके लिए प्राकृतिक खेती पर एक पोर्टल भी शुरू किया है. अब तक इस पोर्टल पर लगभग 2 लाख किसानों ने 3 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है.

चुटकुलों से सरकार नहीं, सिनेमा हॉल चल सकते हैं: मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़ः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंजाब के धूरी में आयोजित विशाल जनसभा में राज्य में राजनीतिक परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को चुटकुलों के अलावा कुछ और नहीं आता. चुटकुलों से सिनेमा हॉल तो चल सकते हैं लेकिन सरकार नहीं चल सकती. यही कारण है कि पंजाब की जनता अब सरकार के झूठे वादों और खोखले आश्वासनों की राजनीति से ऊब चुकी है और विकास, सुशासन तथा पारदर्शी प्रशासन की नई राह चुनने के लिए तैयार है. जनसभा में उमड़े भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धूरी की जनता का उत्साह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में बदलाव की मजबूत लहर चल रही है.मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपने आप को क्रांतिकारी बताते हैं लेकिन वास्तव में ये भ्रांतिकारी हैं जो अपनी कमियों को छिपाने के लिए दूसरों के कामों व उपलब्धियों के संबंध में जनता को भ्रमित करने का काम करते हैं. उन्होंने कहा कि धूरी मुख्यमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र है लेकिन मुख्यमंत्री तो पंजाब ही नहीं बल्कि धूरी से भी दूरी बना चुके हैं.नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब का किसान देश का अन्नदाता है. इस अन्नदाता ने 2022 में 'आप' पार्टी पर भरोसा करके उसे वोट दिया लेकिन पंजाब में न तो किसानों की सभी फसलों को एमएसपी का लाभ मिला और न ही खराबे का उचित मुआवजा दिया जाता है. यह किसानों के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात है जिसका जवाब किसान भाई आने वाले चुनाव में आम आदमी पार्टी को देंगे.

अच्छी शिक्षा और नैतिक मूल्यों का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता हो : राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

बीकानेरः राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अच्छी शिक्षा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़े, इस पर भी विशेष रूप से कार्य करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों में नैतिकता और सहनशीलता के गुण विकसित करने पर विशेष ध्यान दे. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के प्रकाश पुंज होते है. ज्ञान का पूरे समाज में प्रसार यहीं से होता है. इसलिए उन्हें उत्कृष्ट बनाने लिए सभी मिलकर कार्य करें.

राज्यपाल बागडे रविवार को लोकभवन से महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के 23 वें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे थे. उन्होंने स्वामी रामसुखदास जी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि वह विरले संत थे. उनके नाम पर विश्वविद्यालय में भवन निर्माण अच्छी पहल है. वह ऐसे संत थे जो प्रचार प्रसार से दूर रहते थे. उन्होंने कभी अपनी फोटो तक नहीं खिंचवाई. अपने चरण छूने से भी वह मना करते थे. ऐसे आदर्श संतों से प्रेरणा लेनी चाहिए. राज्यपाल ने कहा कि ऐसे ही एक महापुरुष गीता प्रेस के जरिए देश में संस्कृति और संस्कारों के प्रसार की अभूतपूर्व भूमिका निभाने वाले हनुमान प्रसाद पोद्दार जी थे. गोविंद वल्लभ पंत जी उन्हें भारत रत्न पुरस्कार देना चाहते थे और परन्तु उन्होंने लेने से मना कर दिया.

बागडे ने विश्वविद्यालय भवनों का नाम संत, महात्माओं के नाम पर किए जाने की सराहना की परंतु यह भी कहा कि जिन महापुरुषों, संतों के नाम पर भवनों के नाम रखे गये हैं, उनके बारे में संक्षिप्त और सार्थक परिचय पुस्तिका भी प्रकाशित हो ताकि नई पीढ़ी को उनके बारे में निरंतर जानकारी मिलती रहे.

उन्होंने कहा कि बीकानेर में महाराजा गंगासिंह जी के समय खेजड़ी को काटने पर रोक का कानून बना था. राज्य सरकार ने भी खेजड़ी संरक्षण के लिए कानून बनाया है. लोकभवन स्तर पर पिछले वर्ष सर्वपल्ली राधाकृष्ण आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 300 से अधिक खेजड़ी के पेड़ लगाए गए. हमारा प्रयास है कि खेजड़ी का एक ऐसा पार्क विकसित किया जाए ताकि इस मरुभूमि के कल्पवृक्ष के बारे में जागरूकता का प्रसार हो. विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की इस वृक्ष से इसीसे और निकटता होगी.केंद्रीय विधि एवं कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का आदर्श केंद्र बने. उन्होंने कहा कि विकसित भारत का जो संकल्प देश के प्रधानमंत्री की पहल पर लिया गया है, उसकी पूर्ति युवाओं के कंधों पर है. उन्होंने विश्वविद्यालयों में ज्ञान परंपरा के आलोक में भारतीय संस्कृति से जुड़े मूल्यों पर कार्य करने की आवश्यकता जताई.उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि गंगनहर योजना के शताब्दी वर्ष पर जल संरक्षण के महती काम आरंभ हुए हैं.

राजनीति वाले खेल छोड़ दें, मैं राजनीति छोड़ वापस मैदान में लौट जाएंगी : विनेश फोगाट

जींदः अंतरराष्ट्रीय पहलवान एवं कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने कहा कि डिप्टी स्पीकर को अपने संवैधानिक पद की गरिमा के अनुसार बयानबाजी करनी चाहिए. किसी पर व्यक्तिगत कटाक्ष उनको शोभा नहीं देता. रविवार को फोगाट जुलाना के रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी. डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिढ़ा ने कहा था, विनेश को अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए. इस पर विनेश ने कहा कि डिप्टी स्पीकर को अपने संवैधानिक पद की गरिमा और हैसियत के अनुसार ही बयानबाजी करनी चाहिए, न कि किसी पर व्यक्तिगत तौर पर कटाक्ष करना चाहिए.भाजपा नेताओं द्वारा उन्हें खेल छोड़कर राजनीति संभालने की दी जा रही नसीहत पर विनेश ने कहा, भाजपा के लोग पहले खेल खराब करना छोड़ें. जिस दिन यह राजनीति वाले खेल में दखल देना बंद कर देंगे, वह राजनीति छोड़कर वापस खेल के मैदान में चली जाएंगी. जब राजनीति वाले खेल में आकर हमारा खेल खराब कर सकते हैं, तो हम खेल वाले भी राजनीति में आकर अपनी और आने वाली पीढ़ी की जिंदगी के फैसले खुद करेंगे. विनेश फोगाट ने कहा, बहुत सारे लोग चाहते हैं कि मैं इस्तीफा दे दूं, लेकिन मैं इस्तीफा नहीं दूंगी. हम मैदान छोड़कर भागने वालों में से नहीं हैं. चाहे कुश्ती का मैट हो या राजनीति का मैदान, हम डटकर लड़ाई लड़ेंगे. अपने लोगों, अपने क्षेत्र और अपने देश के हक के लिए आखिरी सांस तक खड़ी रहूंगी.

कुश्ती और राजनीति में जातिवाद के हावी होने के सवाल पर विनेश ने चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. एक एथलीट न तो किसी जाति का होता है और न ही किसी विशेष राज्य का. खिलाड़ी जब भी मैदान में उतरता है, तो वह सिर्फ अपने देश और तिरंगे के गौरव के लिए लड़ता है.

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 29 लाख हड़पे, मला दर्ज

जींदः उचाना थाना पुलिस ने एफसीआई सी ग्रुप तथा अन्य सरकारी विभागों में सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर लगभग 29 लाख रुपये हडपने पर चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. उगांव मोहनगढ़ छापड़ा निवासी रामपाल समेत नौ युवक तथा युवतियों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव उदयपुर निवासी हरपाल से काफी पुरानी जान-पहचान है. जुलाई 2024 में हरपाल उसे उचाना फोटोस्टेट की दुकान पर मिला और बताया कि वह गांव खरकड़ा जिला हांसी निवासी कपिल के साथ चंडीगढ़ में था. कपिल चंडीगढ़ फाइनेंस विभाग में कार्यरत है.

हरपाल ने बताया कि कोई जान पहचान बच्चे हैं तो उन्हें नौकरी लगवा देंगे. जिसके बाद उसने कपिल से बातचीत करवाई. कुछ दिनों के बाद गांव पेटवाड़ निवासी संजय, गांव आंधली निवासी सुखचैन, गांव सिसला निवासी अंकुश को एसएफसीआई ग्रुप सी में सहायक लगवाने के उनके दस्तावेज, फोटो मोबाइल नंबर आरोपित को उसके शिवपुरी कालोनी स्थित आवास पर दिए.कुछ दिनों के बाद एफसीआई की फर्जी मेल से तथा उनके मोबाइल फोन पर मैसेज आए कि उनका चयन हो गया है.

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने दिया फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीकानेरः विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को बीकानेर संभाग मुख्यालय पर आयोजित विशाल साइकिल रैली एवं मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट अभियान के तहत केंद्रीय विधि एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने साइकिल चलाकर फिटनेस, सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. इस दौरान पहली बार आयोजित साइकिल जन्मदिन समारोह में उन्होंने केक काटकर कार्यक्रम की शुरुआत की.

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने गंगा थिएटर परिसर से विशाल साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर पुनः गंगा थिएटर पहुची. आयोजन का उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सड़क सुरक्षा को प्रोत्साहित करने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था.

कार्यक्रम की शुरुआत मेरी साइकिल-मेरा हेलमेट अभियान के संयोजक बस्तीराम बिश्नोई की पहल पर साइकिल जन्मदिन समारोह से हुई. मेघवाल ने इस अभिनव आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि साइकिल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि नियमित साइकिल चलाने से शारीरिक फिटनेस बेहतर होती है, हृदय रोगों का खतरा कम होता है तथा मानसिक स्वास्थ्य भी सुदृढ़ होता है. उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और ईंधन खपत की चुनौतियों के बीच साइकिल सबसे पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधनों में से एक है. यदि लोग दैनिक जीवन में अधिकाधिक साइकिल का उपयोग करें तो प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है.

जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योग, रस्साकशी, रनिंग गतिविधियों तथा जुंबा डांस सत्र का भी आयोजन किया गया. योग प्रशिक्षक भुवनेश पुरोहित और उनकी टीम ने योग प्रदर्शन किया. नगर निगम की ओर से प्रतिभागियों के लिए फल एवं जूस की व्यवस्था भी की गई.कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलानीचामी, अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेद सिंह रतनू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़, हाल ही में आईपीएस में चयनित सुनील गोदारा, कोषाधिकारी धीरज जोशी, सीओ सिटी अनुज डाल, साई प्रशिक्षण केंद्र जोधपुर के प्रभारी हनुमंत सिंह, जिला साइकिलिंग संघ के सचिव सुरेन्द्र कुकणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, खिलाड़ी, साइकिल प्रेमी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे.

सीसीटीवी इंस्टॉल करते युवक की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत

यमुनानगरः यमुनानगर के व्यासपुर क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाते समय हुए एक हादसे में युवक की जान चली गई. कार्य के दौरान वह निकट से गुजर रही उच्च वोल्टेज बिजली लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया. अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान रादौर क्षेत्र के गांव धौलरा निवासी शिव कुमार के रूप में हुई है. वह निजी तौर पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और तकनीकी इंस्टॉलेशन का कार्य करता था. बताया गया है कि शिव कुमार अपने तीन सहयोगियों के साथ गणपति कॉलेज के निकट स्थित एक दुकान पर सीसीटीवी सिस्टम लगाने पहुंचा था. कार्य के तहत मुख्य दुकान के साथ-साथ समीप स्थित एक अन्य परिसर में भी कैमरे लगाए जाने थे. पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इंस्टॉलेशन के दौरान एक कर्मचारी नीचे उपकरण फिट कर रहा था, जबकि शिव कुमार अपने एक साथी के साथ भवन की छत पर वायरिंग का कार्य संभाल रहा था. इसी दौरान कैमरे की केबल बिछाते समय वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन के अत्यधिक निकट पहुंच गया और करंट की चपेट में आ गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद लोगों और साथियों ने तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकीय जांच में उसे मृत घोषित कर दिया गया.

सुडोकू–70

3	7	6				2	4	
9	5				2			
1	8	2	3		7	9		
			1	9				2
			4		5			
8				7	3			
		3	5		4	6	7	9
			2				1	4
	4	9				8	2	3

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -69 का उत्तर

7	6	5	2	8	9	4	1	3
9	1	2	5	3	4	7	6	8
8	4	3	7	6	1	5	2	9
5	7	1	8	4	2	9	3	6
2	8	6	9	5	3	1	4	7
3	9	4	6	1	7	8	5	2
1	3	9	4	2	8	6	7	5
6	2	8	1	7	5	3	9	4
4	5	7	3	9	6	2	8	1

युवा शक्ति माथापच्ची- 91

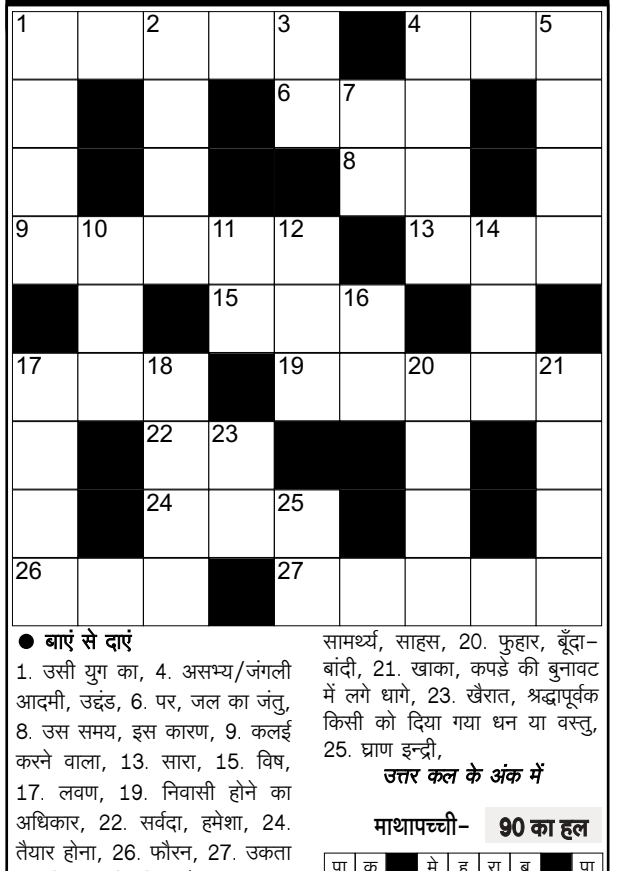

● **बाएं से दाएं**

1. उसी युग का, 4. असभ्य/जंगली आदमी, उद्दंड, 6. पर, जल का जंतु, 8. उस समय, इस कारण, 9. कलई करने वाला, 13. सारा, 15. विष, 17. लवण, 19. निवासी होने का अधिकार, 22. सर्वदा, हमेशा, 24. तैयार होना, 26. फौरन, 27. उकता कर हिलना, विचलित होना,

● **उपर से नीचे**

1. समालोचक, समीक्षा करने वाला, 2. काम, कार्य, चाल, 3. गीला, तर, 4. बलपूर्वक, हठात् , 5. मोती, 7. बीता हुआ, 10. रास, 11. हाथी, 12. ठहरना, रुकना, विद्यमान होना, छूटना, 14. दाग, धब्बा, 16. नस, नाड़ी, 17. मक्खन, 18. शक्ति, सामर्थ्य, साहस, 20. फुहार, बूँदा-बांदी, 21. खाका, कपड़े की बुनावट में लगे धागे, 23. खैरात, श्रद्धापूर्वक किसी को दिया गया धन या वस्तु, 25. घ्राण इन्द्री,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 90 का हल

पा	क	■	मे	ह	रा	ब	■	पा
■	स	■	घ	■	म	हा	रा	नी
ए	क	ल	■	ध	■	र	ज	का
क	■	■	म	नु	ष्य	■	■	बु
पं	जा	ब	■	षा	■	का	य	ल
थ	■	■	प्र	का	र	■	■	बु
दो	आ	ब	■	र	■	घों	स	ला
का	र	खा	ना	■	ध	■	फ	■
ज	■	न	म	की	न	■	ल	स्सी

बंगाल के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करना होगा : शुभेंदु अधिकारी

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : 'देश को सुरक्षित रखने के लिए बंगाल को भी सुरक्षित रखना होगा क्योंकि बंगाल देश की सिर्फ सांस्कृतिक राजधानी ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक राजधानी भी है. इसके लिए आवश्यक है कि बंगाल अपने गौरव को पुनः प्राप्त करे. बीजेपी सरकार के आने के बाद यहां का मौसम बदल रहा है,आगे और भी बदलेगा. सनातन मूल्यों पर आधारित धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को प्राथमिकता देना हमारी जिम्मेवारी है. बंगाल को वर्षों तक तुष्टिकरण की राजनीति का काफी नुकसान उठाना पड़ा है. आपने मुझे बंगाल में सभी सामाजिक एवं राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को खत्म करने की जिम्मेदारी सौंपी है जिसे मैं प्रभावी ढंग से पूरा करूंगा. हम सब का दायित्व है कि हम बंगाल के खोये वैभव को पुनः प्राप्त करें.' ये उद्गार हैं पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित माननीय मुख्यमंत्री श्री शुभेंदु अधिकारी के,जो कल सायं धन-धान्य सभागार में सनातन चेतना और रामराज्य जागरण विषय पर आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे. मुख्यमंत्री ने उपस्थित व्यवसाइयों एवं उद्योगपतियों से आग्रह किया कि पहले जो अन्याय हुआ है वह अब नहीं होगा,आप राज्य में भय मुक्त होकर निवेश करें. उन्होंने आश्वस्त किया कि उत्तराखण्ड की पवित्र धरती से लेकर गंगासागर के तट तक अब विकास और सुशासन की नई यात्रा प्रारम्भ हो चुकी है. समारोह के प्रेरणापुरुष तथा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष राष्ट्रसंत पूज्य स्वामी गोविन्द देव गिरि महाराज ने कहा कि पूरा देश बंगाल से स्फूर्ति लेता है. यह रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, रवीन्द्रनाथ टैगोर आदि महापुरुषों की भूमि है. यह प्रेरणा, त्याग एवं प्रतिभा की भूमि है. दलदल में जिस तरह गाय फंसकर तड़पती है उसी तरह बंगाल की हालत हो गयी थी. राज्य के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विवेकानंद की चेतना से प्रेरित होकर दलदल में फंसी इस राज्य रूपी गाय को निकाला और स्वतंत्र किया, उद्धार किया. हमें गर्व है कि हमें श्री शुभेन्दु जैसा सनातनी मुख्यमंत्री मिला है. अगर इस बार पश्चिम बंगाल स्वतंत्र नहीं होता तो पता नहीं क्या होता? शायद पश्चिम बंगाल ही नहीं पूर्वोत्तर राज्य भी देश से कट जाते. राज्य के मुख्यमंत्री राजनेता ही नहीं एक साधक हैं और एक भक्त भी हैं. भारत का अस्तित्व सनातन में है और सनातन से ही विश्व का कल्याण संभव है. समारोह में दिल्ली से पधारे

सुप्रीम कोर्ट के सुप्रसिद्ध वकील एवं 'पीआइएल मैन' से सुपरिचित श्री अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बंगाल की जनता को हिंदू एकजुटता के चमत्कारिक परिणामों पर बधाई देते हुए 'हम सब हिंदू एक है' का उद्घोष किया. कार्यक्रम का प्रारंभ श्रीमती संगीता संघवी के द्वारा सेवा गीत 'प्रभु जीवन पथ पर पुण्य मिले,पग पग पर सेवा का' के सस्वर पाठ से हुआ. स्वागत भाषण दिया आयोजन की परिकल्पक श्रीमती शांता सारडा ने तथा कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन किया समाजसेवी महावीर प्रसाद रावत ने. अमित सारडा,आदित्य सारड़ा, संजय मल्ल,अभ्युदय सारडा ने अतिथियों का शाल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया. अन्य मंचस्थ थे सर्वश्री गोविन्द सारडा, सांवरमल धनानिया एवं श्रीकुमार लाखोटिया. उपस्थित सुधीजनों की ओर से उद्योगपति हरिमोहन बांगड़ एवं पद्मश्री सज्जन भजनका ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया. समारोह में खचाखच भरे सभागार में उल्लेखनीय उपस्थिति रही जोड़ासांको विधायक विजय ओझा, बैरकपुर विधायक कौस्तुभ बागची, सोनारपुर विधायक देवाशीष धर, पार्षद मीना देवी पुरोहित, ज्योतिषाचार्य राकेश कुमार पाण्डेय, आयुर्वेदाचार्य राधेश्याम श्रीवास्तव, डॉ विकास अग्रवाल, डॉ विभा अग्रवाल, उद्योगपति पद्मश्री प्रहलाद राय अग्रवाल, राधेश्याम गोयनका, अशोक तोदी, सज्जन बंसल, विश्वनाथ सेकसरिया, सुधीर जालान, पारसमल लोढ़ा, प्रदीप तोदी, विनोद गुप्ता, सुशील मोहता, कुंज बिहारी अग्रवाल, कमल दुगड़, जयकुमार गोयल, घनश्याम शोभासरिया, समाजसेवी राजेन्द्र पसारी, सांवरमल अग्रवाल, निर्मल सराफ, सुदेश अग्रवाल, निरंजन कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल, महावीर बजाज, महिला उद्यमी लता बाजोरिया, शशि बांगड़, मधु लोढ़ा, पत्रकार कौशल किशोर त्रिवेदी, प्रकाश चण्डालिया, पुरुषोत्तम तिवारी एवं अन्य. कार्यक्रम की सफलता में दामोदर प्रसाद भट्टड़, सुभाष मुरारका, आदित्य मूंधड़ा, रमेश खण्डेलवाल आदि का सक्रिय योगदान रहा.

कोलकाता इलेक्ट्रिक डीलर्स एसोसिएशन की 38वीं वार्षिक आम बैठक संपन्न

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कोलकाता इलेक्ट्रिक डीलर्स एसोसिएशन ने शनिवार, 6 जून को द एस्टोर होटल में अपनी 38वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री दिलीप घोष थे. कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों (गेस्ट ऑफ ऑनर) के रूप में नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन श्री सुनील सिंघी, वार्ड नंबर 45 के पार्षद व लोकप्रिय भाजपा नेता श्री संतोष पाठक, मैथन अलॉयज लिमिटेड के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सुभास अगरवाला और केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीनियर जनरल मैनेजर श्री बाबीरंजन त्रिपाठी उपस्थित थे. इसके साथ ही संरक्षक (2025-2026) श्री ओम प्रकाश झाझरिया भी कार्यक्रम में मौजूद रहे. कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष अभिषेक वर्मा के स्वागत भाषण के साथ हुई. इस अवसर पर एसोसिएशन के कई पूर्व अध्यक्ष और सचिव भी उपस्थित रहे. कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव गगनदीप मुंधरा, कोषाध्यक्ष तारकनाथ जायसवाल और संयुक्त सचिव अशोक बांका ने सक्रिय भूमिका निभाई. सभी अतिथियों को शॉल, स्मृति चिह्न और राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया गया. कोलकाता इलेक्ट्रिक डीलर्स एसोसिएशन वर्तमान भाजपा शासित राज्य सरकार के साथ सौहार्दपूर्ण और मजबूत संबंध बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है. एसोसिएशन राज्य सरकार और इलेक्ट्रिकल उद्योगों के बड़े कॉर्पोरेट्स के बीच एक सेतु (पुल) के रूप में काम करना चाहती है, ताकि पश्चिम बंगाल में औद्योगिक निवेश लाया जा सके और हमारे राज्य को भारत की 'इलेक्ट्रिकल कैपिटल' (इलेक्ट्रिकल राजधानी) बनाया जा सके. उप-अध्यक्ष सुनील कुमार सिंघी ने पुरस्कार समारोह का संचालन किया. कार्यक्रम में निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए : सेडा रत्न : डॉ. बी. एन. सिन्हा (संस्थापक सदस्य), सेडा सम्मान : श्री राजेश गोयल, सोनी देवी पुरस्कार : श्री धर्मेंद्र डागा, कमला देवी बार्डिया मैन ऑफ द ईयर अवार्ड : श्री अनिल कुमार सिंह, सर्वश्रेष्ठ संयोजक : श्री बिपिन गोयल और श्री आशीष अग्रवाल (संयुक्त रूप से), सेडा यंग अचीवर अवार्ड (बिजनेस) : श्री विदर्भ जालान, सेडा यंग अचीवर अवार्ड (सामाजिक गतिविधियां): श्री विकास राठी, सर्वश्रेष्ठ चेयरमैन पुरस्कार : श्री सत्य प्रकाश शॉ. इस अवसर पर प्रतिष्ठित उद्योगपति-कैबकॉन इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मदन मोहन फोमरा, ग्लोस्टर केबल्स लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक श्री विनय राठी और रा प्रोक्योर के संस्थापक श्री सिद्धार्थ मालू भी उपस्थित थे. इसके अलावा विभिन्न संगठनों के गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए, जिनमें कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय सचिव सिद्धि जैन, द कलकत्ता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन के उप-अध्यक्ष श्री कमल सुराना व संयुक्त सचिव श्री अविनाश वर्मा, और कलकत्ता मशीनरी डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अमिताभ दस्सानी व सचिव श्री सुरेंद्र दुगड़ शामिल हैं. चुनाव चेयरमैन श्री एच. के. मिश्रा ने चुनावी नतीजों की घोषणा की. वर्ष 2026-2027 की नई टीम में निम्नलिखित पदाधिकारियों को शामिल किया गया है : अध्यक्ष: अभिषेक वर्मा, उप-अध्यक्ष: अनिल कुमार सिंह, महासचिव : आदित्य विक्रम मोहनका, कोषाध्यक्ष: अरुण कोठारी. संजय सिंघी ने कार्यक्रम के सूत्रधार (मास्टर ऑफ द सेरेमनी) के रूप में बेहतरीन भूमिका निभाई. कार्यक्रम का समापन उप-अध्यक्ष सुनील कुमार सिंघी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ. यह जानकारी मीडिया सेल के संयोजक संजय कुमार सिंह द्वारा दी गई है.

बेमिसाल कृतित्व के लिए इंडियन वुमेन इरा ने 32 महिलाओं को दिया नारी सशक्ति सम्मान

होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल में दिखा नारी सशक्तिकरण का दुर्लभ नजारा

होटल हिन्दुस्तान इंटरनेशनल में इंडियन वुमेन इरा के सशक्ति वूमेन अचीवर्स अवार्ड-2026 के अवसर पर मंचासीन केयरिंग माइंड्स इंटरनेशनल एंड मेंटल हेल्थ की निदेशक डा. मीनू बुधिया, संस्थापिका द्वय नेहा रामगढ़िया व ऋचा पारख लुनिया सभी सम्मानित महिलाओ के साथ परिलक्षित हैं.

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : शनिवार (6 जून) की शाम होटल हिन्दुस्तान इंटरनेशनल में उन महिलाओं के लिए चिर-स्मरणीय बन गई जिन्हें उनके बेमिसाल कृतित्व के लिए सम्मानित किया गया. महिलाओं को प्रोत्साहित कर उनमें में छिपी असीम प्रतिभाओं को उजागर कर उन्हें स्वावलंबी बनाने और समाज में उन्हें प्रतिष्ठित करने हेतु नेहा रामगढ़िया और ऋचा पारख लूनिया द्वारा स्थापित इंडियन वुमन एरा द्वारा नेचुरल ग्रुप के मुख्य प्रायोजकतव में आयोजित इस प्रतिष्ठित नारी सशक्ति उपलब्धि सम्मान-2026 (सशक्ति वूमेन अचीवर्स अवार्ड) में उत्कृष्टता, समर्पण और उपलब्धियों के लिए उद्यमिता, सामाजिक प्रभाव, शिक्षा, स्वास्थ्य, फैशन, कला, वित्त, सौंदर्य और अन्य पेशेवर क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 32 प्रेरणादायक महिलाओं को सम्मानित किया गया. सशक्ति वूमेन अचीवर्स अवार्ड की प्रणेताद्वय नेहा रामगढ़िया और ऋचा पारख लूनिया ने इस संदर्भ में बताया कि एक ऐसे मंच के रूप में खड़ा है जो उन महिलाओं को पहचानता है और उनका जश्न मनाता है जो सार्थक प्रभाव पैदा कर रही हैं, बाधाओं को तोड़ रही हैं और भावी पीढ़ियों को प्रेरित कर रही हैं. सम्मानित महिलाओ में सोनिका अग्रवाल, स्नेहा अग्रवाल, निकिता खेतान, सीए वंदना अग्रवाल, सोनू कलानोरिया, रिंकू जिंदल, हर्षा गोयनका, अमृता सी. सेनगुप्ता, प्रियंका सिंह, नताशा गोयल, निधि गोयल, अल्बीना छेत्री, ख्याति झाझरिया, नेहा फतेहपुरिया, संगीता मुरारका, रितिका परसरामपुरिया, अंजलि गुप्ता, श्रीम अग्रवाल, दिव्या सिंघानिया, खुशबू जैन, जूली चंदराना, नीतू जैसवाल, नंदिनी दुगार, प्रीति बजाज, शशि राठी, उमा कांकनिया, सरू कांकनिया, सुनीता वर्मा, टीना जैन, सीए कोमल आसोपा, कोमल जाजोदिया, रुचि बोहरा, शशि राठी एवं आयुषी बंसल शामिल थीं. इस शाम की अन्यतम शोभा रही केयरिंग माइंड्स इंटरनेशनल एंड मेंटल हेल्थ की निदेशक डा. मीनू बुधिया ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने सारगर्भित वक्तव्य से आयोजकों व सम्मानित महिलाओं का उत्साहवर्धन किया जबकि श्रेया डबरीवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने एक प्रेरणादायक वार्ता सत्र में भाग लिया. समारोह में भव्यता और शालीनता का समावेश करते हुए, नैना माहेश्वरी द्वारा प्रस्तुत एक शानदार रैंप वॉक ने विशुद्ध रूप से महिलाओं को समर्पित इस शाम को महिला सशक्तिकरण, उपलब्धियों और नेतृत्व को एक यादगार अवसर बना दिया. इस शाम के सबसे भावुक क्षणों में से एक माताओं को समर्पित एक विशेष सम्मान था जो तीन माताओं को उनके निःस्वार्थ समर्थन और बलिदानों के लिए प्रेम, कृतज्ञता और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में विशेष 'माँ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया. इस भावपूर्ण क्षण ने दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान, खुशी के आँसू और तालियों की गड़गड़ाहट ला दी. ऑलिव एलन, इनिया, एसएसजी फोटोग्राफी, 360 डिग्री एम, वेदोम फाइनेंस सर्विस, ब्यूटी एंड बियॉन्ड, अराउंड ऑलवेज, ऐप इवेंट प्लानर, ओधनी, पीपल ट्री, लुमौरा, महावीर दानवार ज्वैलर्स और भुवालका पब्लिसिटी सॉल्यूशन के बहुमूल्य सहयोग से सम्पन्न इस आयोजन के लिए कड़ी मेहनत करने वाली टीम में शिखा रावत, पूजा घोष अग्रवाल, विधिश्री भुवालका, दिव्या सिंघानिया, हर्षा गोयनका, श्वेता धोना, पलक मेहरा, श्वेता गर्ग, सुधा डागा जयश्री बैद, शिल्पी खेमका, योगिता तोषनीवाल, ज्योति गुप्ता राठी, प्रमिला जैन, याचिका अग्रवाल, पूजा दुगड़, नेहा जैन, ज्योति चोरारिया, भाविनी गुप्ता, सुनीता सिल सक्रिय रही.

अखबार में लपेटकर दिए समोसे-कचौड़ी तो अब खैर नहीं

दुकानदारों के लिए एफएसएसएआई की चेतावनी

नई दिल्ली: समोसे-कचौरी या अन्य खाने-पीने वाली चीजें बेचने वाले दुकानदारों के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) ने बड़ी चेतावनी जारी की है. भारत में खाद्य सुरक्षा का ख्याल रखने वाली एजेसी ने साफ कर दिया है कि अगर कोई दुकानदार खाने पीने की चीजों को अखबार में लपेटकर बेचता हुआ पाया जाता है, तो उसके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. एफएसएसएआई की तरफ से जारी किए गए आदेश में कहा गया कि खाने-पीने की चीजों में अखबार का उपयोग तुरंत बंद करना होगा, क्योंकि

इससे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंच सकते हैं. सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखे एक पोस्ट में एजेंसी ने चेतावनी दी कि अखबरों की छपाई में इस्तेमाल होने वाली स्याही में सीसा और अन्य भारी धातुओं का इस्तेमाल होता है. इसमें हानिकारक रसायन भी होते हैं. अगर इनका इस्तेमाल खाद्य पदार्थ को रखने के लिए किया जाता है, तो रसायन मानव शरीर में पहुंचकर बड़ी हानि कर सकते हैं. ऐसे में इनके इस्तेमाल से बचना चाहिए. एफएसएसएआई ने पैकिजिंग नियम 2018 का हवाला देते हुए कहा कि भोजन के भंडारण, रैपिंग या परोसने के लिए अखबारों या इसी तरह की अप्रमाणित सामग्री का उपयोग करना सख्त वर्जित है. इस चेतावनी के बाद भी अगर कोई दुकानदार अखबारों का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे 6 महीने तक की जेल या फिर 5 लाख तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है. इसके साथ ही ग्राहकों को भी सतर्क रहना चाहिए. अखबार की रद्दी देश के किसी भी कोने में आसानी के साथ मिल जाती है. ऐसे में स्थानीय स्तर पर समोसा कचौरी बेचने वाले दुकानदार इसका इस्तेमाल काफी पहले से करते आ रहे हैं. लेकिन हमारी आम जिंदगी का हिस्सा बन चुकी यह आदत स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है. अखबारों के छपने में इस्तेमाल होने वाली स्याही में सीसा और भारी धातुएं मौजूद होती हैं. ऐसे में जब गर्म और रसीला खाना इसके ऊपर रखा जाता है, तो वह अपने साथ स्याही को भी निकाल लेता है. इसके बाद यह कैमिकल सीधे इंसान के शरीर में पहुंच जाते हैं. बता दें, अखबार में खाना देना भारत में काफी पहले से प्रतिबंधित है. लेकिन अभी हाल ही में मुंबई में बड़ा पाव परोसने के बाद हुई एक घटना के बाद एफएसएसएआई ने एक बार फिर से इस पर नया अपडेट दिया है.

श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम में हुआ सामूहिक सुन्दरकांड पाठ

युवा शक्ति न्यूज/हावड़ा: पुरूषोत्तम मास के अवसर पर आज श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम में सुपरिचित भजन प्रवाहक श्री नन्द जी पेड़ीवाल की अगुवाई में सामूहिक सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया जिसमें काफी भक्त शामिल हुए. पाठ के प्रसंगो के आधार पर सुमधुर भजनों की प्रस्तुति पर श्रध्दालुओं ने झूम-नाचकर बजरंगबली को रिझाया. इस अवसर पर उपस्थित मंदिर मंदिर के प्रबंध न्यासी बिनोद टिबड़ेवाल ने बताया कि वर्तमान में चल रहे पुरूषोत्तम मास पर मंदिर में विविध आयोजनों के साथ ही नित्य सैकड़ों की संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है.

www.thejunctiongroup.com
Junction
— WORKPLACE SOLUTIONS —
Customised Workplace Solutions
1. Jeevan Deep, Middleton St. Crossing | 40,000 sq. ft.
2. Macneill Court, 225 AJC Bose Road | 80,000 sq. ft.
3. Anandalok, 227 AJC Bose Road | 25,000 sq. ft.
4. Paddapukur Rd., Bhawanipore | 1.600 sq. ft.
5. SLS Tower, Sector V, Salt Lake | 60,000 sq. ft.
6. Synthesis Business Park, New Town | 6,000 sq. ft.
7. Mani Casadona, New Town | 35,000 sq. ft.
Flexible Options
• Private Cabins
• Enterprise Solutions
• Meeting Rooms
• Dedicated & Coworking
FOR MORE DETAILS, CONTACT US!
98744 14000/5, 98745 28385
itsupport@thejunctiongroup.com

कोलकाता में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर बाइक रैली में शामिल हुए दिलीप घोष

कोलकाता: कोलकाता में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रविवार को कोलकाता पुलिस और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर से एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया. इस रैली में भाजपा नेता दिलीप घोष भी शामिल हुए. रैली की शुरुआत अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से हुई. इसके बाद बाइक सवारों ने विक्टोरिया मेमोरियल, प्रिंसेप घाट और लालबाजार का चक्कर लगाया और फिर वापस अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पहुंचकर रैली का समापन किया. कार्यक्रम में अमेरिकी महावाणिज्यदूत

कैथी जाईलश-डियाज, अमेरिकी सैनिकों के साथ कोलकाता पुलिस के महिला और पुरुष अधिकारी भी मौजूद रहे. रैली में अमेरिकी कंपनी की प्रसिद्ध हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों का उपयोग किया गया. इस अवसर पर दिलीप घोष ने कहा कि भविष्य में भारत और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में सुपरबाइक चलाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा विकसित किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि अच्छी और सुरक्षित सड़कें बनने से देश-विदेश की विभिन्न सुपरबाइकों को यहां चलाने का अवसर मिलेगा.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : सुधांशु शेखर,
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन